Monthly Current Affairs
January 2020

दैनिक सामयिकी यूपीएससी आईएएस की तैयारी के लिये

01.01.2020

1. **इंडिया स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट (आई.एस.एफ.आर.) 2019**

- इंडिया स्टेट ऑफ फॉरेस्ट द्विवार्षिक रिपोर्ट (आई.एस.एफ.आर.) 2019 के अनुसार, भारत में पिछले दो वर्षों में वन एवं पेड़ आच्छादन क्षेत्र में 5,188 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- रिपोर्ट से पता चलता है कि देश में कुल वृक्ष और वन आवरण में 2017 की तुलना में 3,976 वर्ग कि.मी. (0.56 प्रतिशत) वन आवरण और 1,212 वर्ग कि.मी. (1.29 प्रतिशत) वृक्ष आच्छादन की वृद्धि शामिल है।
- कुल वृक्ष और वन आवरण, देश के भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 25 प्रतिशत है।
- वन आवरण में वृद्धि के मामले में कर्नाटक राज्यों की सूची में शीर्ष पर है, इसके बाद आंध्र प्रदेश और केरल है।
- "देश के पहाड़ी जिलों में वन आवरण 2, 84,006 वर्ग कि.मी. है, जो इन जिलों के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 40.30% है।
- वर्तमान मूल्यांकन देश के 140 पहाड़ी जिलों में 544 वर्ग कि.मी. (0.19 प्रतिशत) की वृद्धि दर्शाता है।
- असम और त्रिपुरा को छोड़कर क्षेत्र के सभी राज्यों में वन आवरण में कमी देखी गई है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

2. **ई-बी.सी.ए.एस. परियोजना के सी.ए.सी.एस. और प्रशिक्षण मॉड्यूल**

- नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बायोमेट्रिक सक्षम केंद्रीयकृत पहुँच नियंत्रण प्रणाली (सी.ए.सी.एस.) और-ई-बी.सी.ए.एस. परियोजना प्रशिक्षण मॉड्यूल शुरू किया है।
- इन पहलों का उद्देश्य हवाई अड्डों पर कर्मचारी गतिशील प्रक्रिया को डिजिटल बनाना है।
- हवाई अड्डों पर सुरक्षा और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ाने के लिए शुरू की गई दो परियोजनाएं महत्वपूर्ण मील के पत्थर हैं।

सी.ए.सी.एस. परियोजना के संदर्भ में जानकारी

- यह एक बहुस्तरीय सुरक्षा प्रणाली है जिसमें संपर्क रहित स्मार्ट कार्ड प्रौद्योगिकी के माध्यम से पिन-आधारित पहचान सत्यापन के अतिरिक्त हवाई अड्डा प्रवेश परमिट (ए.ई.पी.) उपयोगकर्ताओं की विशिष्टता शामिल है।
- बायोमेट्रिक आई.डी. (बायोमेट्रिक सक्षम केंद्रीयकृत पहुँच नियंत्रण प्रणाली जिसमें चिप-एंबेडेड स्मार्ट ए.ई.पी. है) को जारी किया गया है, जो नॉन-डुप्लिकेबल है।

ई-बी.सी.ए.एस. परियोजना के संदर्भ में जानकारी

- ई-बी.सी.ए.एस. परियोजना ने भारत सरकार के ई-गवर्नेंस पहल के अंतर्गत एक "पेपरलेस कार्यालय" प्राप्त करने की परिकल्पना की थी।
- इसका उद्देश्य बाहरी हितधारकों को 2016 में सभी आंतरिक कार्यालय प्रक्रियाओं के डिजिटल-विभाग द्वारा बी.सी.ए.एस. प्रणाली का उपयोग करने की सुविधा प्रदान करना है।
- ई-बी.सी.ए.एस. परियोजना में प्रशिक्षण मॉड्यूल, गुणवत्ता नियंत्रण और परिचालन मॉड्यूल और प्रशासन आदि शामिल थे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **वार्षिक समीक्षा: पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय**

- वर्ष 2019 में मंत्रालय के कुछ प्रमुख कार्य नीचे दिए गए हैं:-

पर्यावरण:

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम

- इसे 10 जनवरी, 2019 को शुरू किया गया था, जो देश भर में वायु प्रदूषण की बढ़ती समस्या से समयबद्ध तरीके से निपटने के लिए अखिल भारतीय कार्यान्वयन हेतु समयबद्ध राष्ट्रीय स्तर की रणनीति प्रदान करता है।

तीसरा इंडो-जर्मन पर्यावरण मंच

- यह मंच नई दिल्ली में "क्लीन एयर, ग्रीनर इकोनॉमी" थीम के साथ आयोजित किया गया था।
- यह वायु प्रदूषण नियंत्रण, अपशिष्ट प्रबंधन और परिपत्र अर्थव्यवस्था के साथ-साथ पेरिस समझौते और संयुक्त राष्ट्र के एजेंडा 2030 के आधार पर एन.डी.सी. और एस.डी.जी. के कार्यान्वयन के लिए चुनौतियों, समाधान और आवश्यक बुनियादी ढांचा शर्तों पर ध्यान केंद्रित करता है।
- भारत ने नैरोबी में आयोजित संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा (यू.एन.ई.ए.) के चौथे सत्र में एकल-उपयोग प्लास्टिक और स्थायी नाइट्रोजन प्रबंधन से संबंधित दो महत्वपूर्ण वैश्विक पर्यावरणीय मुद्दों पर प्रस्ताव पारित किया था।
- यू.एन.ई.ए. ने सर्वसम्मति से दोनों प्रस्तावों को अपनाया था।

इंडिया कूलिंग एक्शन प्लान (आई.सी.ए.पी.)

- इसे 2019 में लॉन्च किया गया था।
- व्यापक कूलिंग एक्शन प्लान विकसित करने वाले दुनिया के पहले देशों में से एक भारत है, जिसके पास क्षेत्रों में शीतलन आवश्यकता को संबोधित करने के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण है और यह उन कार्यों को सूचीबद्ध करता है जो शीतलन मांग को कम करने में मदद कर सकते हैं।
- शीतलन आवश्यकता, क्रॉस-सेक्टोरल और आर्थिक विकास के लिए एक आवश्यक हिस्सा है और अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों जैसे आवासीय और वाणिज्यिक भवनों, कोल्ड-चेन, प्रशीतन, परिवहन और उद्योगों के लिए आवश्यक है।

#सेल्फीविदसैपलिंग

- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, केंद्रीय पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री ने लोगों के अभियान #सेल्फीविदसैपलिंग का शुभारंभ किया था, जिसमें सभी से जुड़ने और एक पौधा लगाने का आग्रह किया गया था और सोशल मीडिया पर पौधे के साथ सेल्फी पोस्ट करने का आग्रह किया गया था।

सी.ओ.पी.14 का मेजबान भारत

- भारत ने सितंबर, 2019 में ग्रेटर नोएडा में मरूस्थलीकरण से निपटने हेतु संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यू.एन.सी.सी.डी.) के लिए 14वें पार्टियों के सम्मेलन (सी.ओ.पी.14) की मेजबानी की थी।
- सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री ने घोषणा की थी कि: "भारत कुल क्षेत्रफल की अपनी महत्वाकांक्षा को बढ़ाएगा जो कि भूमि क्षरण की स्थिति से बहाल की जाएगी, जो वर्तमान से 2030 के बीच इक्कीस मिलियन हेक्टेयर से छब्बीस मिलियन हेक्टेयर तक हो जाएगी"।

भारत मानक VI

- देश ने वाहन उत्सर्जन मानदंडों के लिए भारत मानक IV से भारत मानक VI तक छलांग लगाई है और 1 अप्रैल, 2020 से वाहन BS-VI मानकों के अनुरूप होंगे।
- कई नीतिगत हस्तक्षेपों और प्रोत्साहनों को पेश करके ई-वाहनों के उपयोग को एक मजबूत प्रोत्साहन भी दिया गया है।

वन और वन्यजीव:

एशियाई शेर संरक्षण परियोजना

- केंद्र सरकार द्वारा एक समर्पित "एशियाई शेर संरक्षण परियोजना" शुरू की गई है।

- एशियाई शेर, गुजरात के गिर परिदृश्य के लिए स्थानिक हैं, वे मंत्रालय द्वारा बहाली कार्यक्रमों के संचालन हेतु पहचानी गई 21 गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियों में से एक है।

'सभी जानवर पसंद से प्रवास नहीं करते हैं'

- यह अवैध वन्यजीव व्यापार के संदर्भ में जागरूकता बढ़ाने के लिए शुरू किया गया एक अभियान है।

वर्ष 2018 में भारत में बाघों की संख्या बढ़कर 2967 हो गई है।

- अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर, प्रधानमंत्री ने 29 जुलाई, 2019 को नई दिल्ली में अखिल भारतीय बाघ अनुमान-2018 के चौथे चक्र के परिणाम जारी किए हैं।
- इस जनगणना के अनुसार, भारत में वर्ष 2018 में बाघों की संख्या बढ़कर 2967 हो गई है।

कुल वन और पेड़ कवर

- यह बढ़कर देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 24.56 प्रतिशत हो गया है।
- द्विवार्षिकी "भारत राज्य वन रिपोर्ट (आई.एस.एफ.आर.)" के अनुसार, देश का कुल वन और वृक्ष आच्छादन क्षेत्र 80.73 मिलियन हेक्टेयर है, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 24.56 प्रतिशत है।
- वर्ष 2022 तक गैर-जीवाश्म ईंधन के हिस्से को बढ़ाकर 175 गीगावॉट करने और आगे इसे 450 गीगावॉट तक ले जाने के लिए 2017 के मूल्यांकन की तुलना में भारत के कुल वन और वृक्ष आच्छादन क्षेत्र में 5,188 वर्ग कि.मी. की वृद्धि हुई है।
- न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासचिव (यू.एन.एस.जी.) जलवायु कार्रवाई सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि भारत वर्ष 2022 तक गैर-जीवाश्म ईंधन की हिस्सेदारी को 175 गीगावॉट तक बढ़ाने जा रहा है और इसे आगे भविष्य में 450 गीगावॉट तक ले जाया जाएगा।
- वैश्विक आपदा लचीला ढांचा गठबंधन भी शुरू किया गया था।

भारत ने सी.ओ.पी. 25 में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आई.एस.ए.) में शामिल होने के लिए और अधिक देशों से अपील की है।

- संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन ढांचा सम्मेलन (UNFCCC) के लिए पार्टियों के सम्मेलन (सी.ओ.पी.25) का 25वां सत्र दिसंबर, 2019 में स्पेन के मैड्रिड में प्रेसीडेंसी ऑफ चिली के अंतर्गत आयोजित किया गया था।
- पेरिस समझौते के अंतर्गत अनुच्छेद 6 में पारदर्शी ढांचे (निगरानी, रिपोर्टिंग और सत्यापन) का विस्तार, जलवायु परिवर्तन प्रभावों से संबंधित हानि और नुकसान के लिए वॉरसॉ अंतर्राष्ट्रीय तंत्र (डब्लू.आई.एम.), अनुकूलन संबंधी मामले शामिल हैं।

मंत्रालय द्वारा शुरू की गई अन्य प्रमुख पहलें/ गतिविधियाँ

- ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, भारत और चीन, बेसिक देशों ने जलवायु परिवर्तन पर अपनी 28वीं मंत्रिस्तरीय बैठक का आयोजन 14 से 16 अगस्त, 2019 को ब्राजील के साओ पाउलो में किया था, जिसमें भारत ने भाग लिया था।
- लद्दाख में हिमालयी पर्यावरण एवं विकास के जीबी पंत संस्थान के एक नए क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई थी।

"स्वच्छ-निर्मल टाट अभियान"

- मंत्रालय ने "स्वच्छ-निर्मल टाट अभियान" के अंतर्गत 50 चिन्हित समुद्र तटों में व्यापक स्वच्छता-सह-जागरूकता अभियान चलाया है।
- पहचाने गए समुद्र तट 10 तटीय राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों (केंद्र शासित प्रदेशों)- गुजरात, दमन और दीव, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पुदुचेरी, आंध्र प्रदेश और ओडिशा थे।
- समुद्र तटों की पहचान राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों के साथ परामर्श के बाद की गई है।

- मंत्रालय ने नवंबर में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आई.ओ.सी.एल.) को पानीपत में नए 2जी इथेनॉल संयंत्र को स्थापित करने के लिए पर्यावरण मंजूरी प्रदान की थी।
- यह भी प्रमुख कार्यों से संबंधित है कि यह घोषित किया गया था कि बी-हैवी गुड़ से अतिरिक्त इथेनॉल के उत्पादन के लिए अलग से पर्यावरणीय मंजूरी की आवश्यकता नहीं थी क्यों कि यह प्रदूषण भार में योगदान नहीं करता है, जिससे किसानों और चीनी उद्योग को और अधिक लाभ मिलता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- पर्यावरण

स्रोत- पी.आई.बी.

4. **वार्षिक समीक्षा-2019: पंचायती राज मंत्रालय**

- पंचायती राज मंत्रालय (एम.ओ.पी.आर.) संविधान के 73वें संशोधन की वकालत के कार्य, निगरानी और कार्यान्वन हेतु जिम्मेदार है।
- एम.ओ.पी.आर. की भूमिकाओं में ग्रामीण स्थानीय निकाय (आर.एल.बी.) के अधिकारियों की प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण का लाभ उठाकर प्रशासनिक ढांचे, बुनियादी सेवाओं आदि को मजबूत करना शामिल है।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आर.जी.एस.ए.)

- राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आर.जी.एस.ए.) की पुनर्गठित केंद्र प्रायोजित योजना का संचालन सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) को प्राप्त करने के लिए पंचायती राज संस्थानों (पी.आर.आई.) को मजबूत करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ 2018-19 से किया जा रहा है।
- इसका प्रमुख जोर मिशन अंत्योदय के साथ सम्मिलन पर है और 117 आकांक्षी जिलों में पी.आर.आई. को मजबूत करने पर जोर दिया गया है।

पंचायतों का प्रोत्साहन:

- मंत्रालय पंचायतों के प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पंचायतों/ राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों (संघ शासित प्रदेशों) को प्रोत्साहित कर रहा है।
- यह आर.जी.एस.ए. की पुनर्गठित योजना के केंद्रीय घटकों में से एक है, जो सेवाओं और सार्वजनिक वस्तुओं के वितरण में सुधार लाने और प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए उनके अच्छे काम की मान्यता है।
- इसमें विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली पंचायतों/ राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों को प्रतिवर्ष दिए जाने वाले पुरस्कारों में 5 लाख रुपये से लेकर 50 लाख रुपये तक के वित्तीय प्रोत्साहन पुरस्कार शामिल हैं, जिनके नाम हैं:
- ग्राम/ ब्लॉक/ जिला पंचायतों के लिए दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार (DDUPSP)
- ग्राम पंचायतों के लिए नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्राम सभा पुरस्कार (NDRGGSP)
- ग्राम पंचायतों के लिए ग्राम पंचायत विकास योजना (जी.पी.डी.पी.) पुरस्कार
- ग्राम पंचायतों के लिए बाल अनुकूल ग्राम पंचायत पुरस्कार (सी.एफ.जी.पी.ए.) और राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए ई-पंचायत पुरस्कार

ग्राम मानचित्र:

- यह पंचायती राज मंत्रालय द्वारा लांच किया गया एक स्थानिक योजना एप्लीकेशन है, जो भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी के उपयोग के साथ ग्राम पंचायत स्तर पर योजना बनाने के लिए ग्राम पंचायत उपयोगकर्ताओं को सुविधा और समर्थन प्रदान के लिए शुरू किया गया है।
- यह 29 क्षेत्रों में उठाए जाने वाले विभिन्न विकासात्मक कार्यों की बेहतर कल्पना करने के लिए एकल/ एकीकृत भू-स्थानिक मंच प्रदान करता है और जी.पी.डी.पी. के लिए निर्णय समर्थन प्रणाली प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2– गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

5. **<u>वार्षिक समीक्षा: जल शक्ति मंत्रालय</u>**

- प्रधानमंत्री ने 2 अक्टूबर, 2019 को भारत के लोगों और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को एक स्वच्छ भारत, भारत समर्पित किया है, जिसने एस.डी.जी. 6 की वैश्विक उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

स्वच्छता ही सेवा (एस.एच.एस.) 2019:

- यह प्लास्टिक कचरा जागरूकता एवं प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के साथ मथुरा में बड़े पैमाने पर आयोजित एक देशव्यापी जागरूकता और जुटाव अभियान है।
- एस.एच.एस. का शुभारंभ पशुपालन एवं डेयरी और पेयजल एवं स्वच्छता के केंद्रीय विभागों और उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

राष्ट्रीय गंगा परिषद की पहली बैठक:

- प्रधानमंत्री ने 14 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के कानपुर में राष्ट्रीय गंगा परिषद की पहली बैठक की अध्यक्षता की थी।
- गंगा और उसकी सहायक नदियों सहित गंगा घाटी के प्रदूषण निवारण और कायाकल्प के प्रबंधन हेतु परिषद को समग्र जिम्मेदारी दी गई है।
- परिषद की पहली बैठक का उद्देश्य संबंधित राज्यों के सभी विभागों के साथ-साथ संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों में 'गंगा-केंद्रित' दृष्टिकोण के महत्व को मजबूत करना था।

6वां भारत जल सप्ताह-2019:

- भारत के राष्ट्रपति ने 24 सितंबर, 2019 को नई दिल्ली में 6वें भारत जल सप्ताह-2019 का उद्घाटन किया था।
- भारत जल सप्ताह-2019 की थीम-जल सहयोग-21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करना' थी।

जल शक्ति अभियान:

- जल शक्ति अभियान, जो केंद्र और राज्य सरकारों का भारत के सबसे अधिक जल-संकट वाले ब्लॉक और जिलों में जल संरक्षण गतिविधियों की प्रगति में तेजी लाने हेतु एक सहयोगी प्रयास है।
- इस अभियान के अंतर्गत, केंद्र सरकार के 1000 से अधिक वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की केंद्र सरकार की मशीनरी ने जल संग्रहण और संरक्षण के लिए केंद्रित हस्तक्षेप को बढ़ावा देने के लिए राज्यों को जोड़ा है, जिसमें पारंपरिक जल निकायों की बहाली और नवीनीकरण शामिल है।

सीवरेज क्षेत्र में भारत की पहली एच.ए.एम. परियोजना, 14 एम.एल.डी. एस.टी.पी. को हरिद्वार के सराय में समय से पहले पूरा किया गया है:

- सराय 14 एम.एल.डी. सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, हाइब्रिड वार्षिकी (एच.ए.एम.) आधारित सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल संयत्र के अंतर्गत पूरा होने वाला पहला एस.टी.पी. है, जो अपनी निर्धारित समयावधि से पहले पूरा हो चुका है।

स्वच्छ महोत्सव 2019:

- जल शक्ति मंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन की सफलताओं का जश्न मनाने और ऐसा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हितधारकों को सम्मानित करने के लिए एक अभियान- स्वच्छ महोत्सव 2019 लांच किया है।
- पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा इस महोत्सव का आयोजन किया गया था और 2 अक्टूबर, 2019 को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया था।

जल संरक्षण हेतु जल शक्ति अभियान की शुरूआत:

- केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने 1 जुलाई को जल शक्ति अभियान- जल संरक्षण और जल सुरक्षा हेतु एक अभियान, शुरू करने की घोषणा की थी।

- यह अभियान 1 जुलाई, 2019 से 15 सितंबर, 2019 तक मानसून के मौसम में नागरिक भागीदारी के माध्यम से संचालित किया गया है।
- अभियान का फोकस जल-तनावग्रस्त जिलों और ब्लॉकों पर है।

10 वर्षीय ग्रामीण स्वच्छता रणनीति (2019-2029) का राष्ट्रीय शुभारंभ:

- पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (डी.डी.डब्ल्यू.एस.), जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार ने 10 वर्षीय ग्रामीण स्वच्छता रणनीति (2019-2029) शुरू की है।
- यह स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (SBM-G) के अंतर्गत हासिल किए गए स्वच्छता व्यवहार परिवर्तन को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करेगा, यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी पीछे न रहे और ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की पहुंच बढ़ सके।

गंगा आमंत्रण- गंगा के हितधारकों के साथ जुड़ने की एक अनूठी पहल:

- 'गंगा आमंत्रण अभियान' गंगा नदी पर एक अग्रणी और ऐतिहासिक खोजपूर्ण ओपन-वाटर राफ्टिंग और कयाकिंग अभियान है।
- यह देवप्रयाग में शुरू हो रहा था और गंगा सागर में समाप्त हो रहा था, यह अभियान गंगा नदी के 2500 किलोमीटर से अधिक पूरे क्षेत्र को कवर करेगा।

सी.जी.डब्ल्यू.बी. ने ऑस्ट्रेलिया के मारवी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है:

- केंद्रीय भूमिगत जल बोर्ड (CGWB) नई दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया के भागीदार MARVI (मैनेजिंग एक्विफर रिचार्ज एंड सस्टेनिंग ग्राउंडवाटर यूज़ विद विलेज-लेवल इंटरवेंशन) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

रेणुकाजी बहुउद्देशीय बांध के निर्माण हेतु समझौता ज्ञापन:

- रेणुकाजी बहुउद्देशीय परियोजना के अंतर्गत, यमुना नदी और इसकी दो सहायक नदियों- टोंस और गिरी पर उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों और ऊपरी यमुना घाटी के हिमाचल प्रदेश में तीन भंडारण परियोजनाओं का निर्माण प्रस्तावित किया गया है।
- इनमें उत्तराखंड में यमुना नदी पर लखवार परियोजना, उत्तराखंड और हिमांचल प्रदेश में टोंस नदी पर किशाऊ और हिमाचल प्रदेश में गिरि नदी पर रेणुकाजी शामिल हैं।

बाढ़ प्रबंधन एवं सीमा क्षेत्र कार्यक्रम (FMBAP)

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 7 मार्च को पूरे देश में 2017-18 से 2019-20 की अवधि के लिए बाढ़ प्रबंधन कार्यों और नदी प्रबंधन गतिविधियों और सीमा क्षेत्रों से संबंधित कार्यों के लिए " बाढ़ प्रबंधन एवं सीमा क्षेत्र कार्यक्रम (FMBAP)" को मंजूरी प्रदान की है।

लाभ:

- FMBAP योजना को प्रभावी बाढ़ प्रबंधन, कटाव नियंत्रण और समुद्र विरोधी कटाव के लिए पूरे देश में लागू किया जाएगा।
- इस प्रस्ताव से देश के शहरों, गांवों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, संचार लिंक, कृषि क्षेत्र, बुनियादी ढांचे आदि को बाढ़ और कटाव से लाभ होगा।
- जलग्रहण क्षेत्र उपचार कार्य, नदियों में तलछट भार को कम करने में मदद करेगा।

वित्त पोषण प्रारूप:

- सामान्य श्रेणी के राज्यों में काम करने के लिए एफ.एम. घटक हेतु वित्त पोषण प्रारूप 50% (केंद्र): 50% (राज्य) जारी रहेगा।
- पूर्वोत्तर राज्यों, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के लिए वित्तपोषण प्रारूप 70% (केंद्र): 30% (राज्य) जारी रहेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

02.01.2020

1. **राजनीतिक दल पंजीकरण ट्रैकिंग प्रबंधन प्रणाली**

- चुनाव आयोग ने एक "राजनीतिक दल पंजीकरण ट्रैकिंग प्रबंधन प्रणाली (PPRTMS)" की शुरूआत की है जो आवेदकों को आवेदन की स्थिति को ट्रैक करने में सक्षम बनाता है।
- आयोग ने पिछले महीने पंजीकरण के लिए दिशानिर्देशों में संशोधन किया था।
- उक्त धारा के अंतर्गत पंजीकरण की मांग करने वाले संघ को आयोग द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार, अपने गठन की तारीख के 30 दिनों के भीतर आयोग को एक आवेदन प्रस्तुत करना होगा।
- आवेदक आयोग के पोर्टल के माध्यम से अपने आवेदन की प्रगति को ट्रैक करने में सक्षम होगा और एस.एम.एस. और ई-मेल के माध्यम से एक स्टेटस अपडेट प्राप्त करेगा।

संबंधित जानकारी

- राजनीतिक दलों का पंजीकरण, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के प्रावधानों द्वारा शासित है।
- आयोग ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 324 और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए द्वारा प्रदत्त अपनी शक्ति का प्रयोग किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **स्वच्छ सर्वेक्षण लीग 2020**

- केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 की पहली और दूसरी तिमाही के परिणामों की घोषणा की है।

प्रमुख विशेषताएं

- इंदौर और जमशेदपुर ने क्रमश: 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में और 1 लाख से 10 लाख तक आबादी वाले शहरों में लगातार दो तिमाहियों में स्वच्छता चार्ट में शीर्ष स्थान प्राप्त किया हैं।
- कोलकाता दोनों तिमाहियों में 49 प्रमुख शहरों की रैंकिंग में सबसे नीचे रहा है क्यों कि पश्चिम बंगाल ने देशव्यापी अभ्यास में भाग नहीं लिया था।
- 1 लाख से 10 लाख तक की आबादी वाले शहरों में झारखंड के जमशेदपुर को दोनों तिमाहियों में शीर्ष स्थान प्राप्त हुआ है।
- पहली तिमाही में शीर्ष पांच शहर: इंदौर, भोपाल, सूरत, नासिक, राजकोट हैं।
- दूसरी तिमाही में शीर्ष पांच शहर: इंदौर, राजकोट, नवी मुंबई, वडोदरा, भोपाल हैं।

एस.एस. लीग 2020 के संदर्भ में जानकारी:

- स्वच्छ सर्वेक्षण लीग 2020 की शुरुआत स्वच्छता के संदर्भ में सेवा स्तर के प्रदर्शन की सतत निगरानी के साथ शहरों के आधारीय प्रदर्शन को बनाए रखने के उद्देश्य से की गई थी।
- यह 3 तिमाहियों अर्थात अप्रैल-जून, जुलाई-सितंबर और अक्टूबर-दिसंबर 2019 में आयोजित किया गया था।
- दो श्रेणियों में रैंक प्रदान की गईं हैं:
- एक लाख और उससे अधिक आबादी वाले शहर (दो उप-श्रेणियों के साथ अर्थात 1-10 लाख और 10 लाख और उससे अधिक)
- 1 लाख से कम आबादी वाले शहर (<1 लाख जनसंख्या श्रेणी के अंतर्गत, ज़ोन और जनसंख्या-वार रैंक दी गई है)।

नोट:

- 4 जनवरी से शुरू होकर 31 जनवरी, 2020 तक चलने वाले वार्षिक सर्वेक्षण में तिमाही मूल्यांकन के 25 प्रतिशत भारांक को शामिल किया जाएगा, जिसके कारण एस.एस. लीग 2020 में शहरों का प्रदर्शन स्वच्छ सर्वेक्षण 2020 में उनकी रैंकिंग के लिए महत्वपूर्ण है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **राष्ट्रीय ढांचा पाइपलाइन**

- हाल ही में, वित्त मंत्री ने 2019-2025 के लिए राष्ट्रीय ढांचा पाइपलाइन-एन.आई.पी. पर टास्क फोर्स की एक रिपोर्ट जारी की है।
- वित्त मंत्री ने 102 लाख करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का भी अनावरण किया है जिन्हें अगले पांच वर्षों में सरकार के बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में खर्च के हिस्से के रूप में लागू किया जाएगा।
- पहचानी गई परियोजनाएं बिजली, रेलवे, शहरी, सिंचाई, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में हैं।
- वित्तीय वर्ष 2019-20 से 2024-25 तक प्रत्येक वर्ष के लिए राष्ट्रीय ढांचा पाइपलाइन (एन.आई.पी.) को तैयार करने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया गया था।

राष्ट्रीय ढांचा पाइपलाइन के संदर्भ में जानकारी

- यह ढांचा परियोजनाओं पर एक अग्रगामी दृष्टिकोण को सक्षम करेगा जो रोजगार पैदा करेगा, जीवनयापन में आसानी करेगा और सभी के लिए बुनियादी ढाँचे की समान पहुँच प्रदान करेगा, जिससे विकास और अधिक समावेशी होगा।
- इसमें आर्थिक और सामाजिक बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शामिल हैं।
- वित्त वर्ष 2020 से 2025 के दौरान, भारत में बुनियादी ढांचे में अनुमानित पूंजीगत व्यय का लगभग 70% ऊर्जा (24%), सड़क (19%), शहरी (16%) और रेलवे (13%) जैसे क्षेत्रों में व्यय होता है।
- केंद्रीय वित्त मंत्री ने 2024-25 तक केंद्र, राज्यों और निजी क्षेत्र के साथ बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर 102 लाख करोड़ से अधिक का निवेश करने की योजना तैयार की है जिसमें केंद्र, राज्य और निजी क्षेत्र के मध्य पूंजीगत व्यय को 39:39:22 में साझा किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र (ढांचा)

स्रोत- द हिंदू

4. **सेन्ना स्पेक्टाबेलिस: एन.बी.आर. में एक विदेशी प्रजाति है।**

- केरल का वन एवं वन्यजीव विभाग, नीलगिरी बायोस्फीयर रिजर्व (एन.बी.आर.) के वन क्षेत्रों में आक्रामक विदेशी पौधों, विशेष रूप से सेन्ना स्पेक्टाबेलिस' जैसी पेड़ प्रजातियों की अनियंत्रित वृद्धि को रोकने के लिए व्यापक कदम उठाने के लिए कमर कस रहा है।
- सेन्ना स्पेक्टाबेलिस, अपने तेज विकास और स्थूण-वन की विशेषताओं के कारण रिज़र्व के वन क्षेत्रों के लिए यह एक बड़ा खतरा पैदा कर रहा है।

आक्रामक विदेशी प्रजाति के संदर्भ में जानकारी

- ये ऐसे पौधे/ जानवर हैं जिन्हें विदेशी, बाहरी, गैर-देशी या गैर-मूल के रूप में भी जाना जाता है, यह वे हैं जिन्हें मानव द्वारा जानबूझकर या अन्यथा मानव एजेंसी के माध्यम से या एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में गलती से पेश किया गया है।

सामान्य आक्रामक प्रजातियों के लक्षणों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- तेज विकास
- शीघ्र प्रजनन
- उच्च प्रसार क्षमता
- फेनोटाइप नमनीयता (मौजूदा परिस्थितियों के अनुरूप वृद्धि प्रारूप को बदलने की क्षमता)
- पर्यावरणीय परिस्थितियों (पारिस्थितिक क्षमता) की एक विस्तृत श्रृंखला के प्रति सहनशीलता
- खाद्य प्रकारों की एक विस्तृत श्रृंखला से दूर रहने की क्षमता
- इंसानों से जुड़ाव
- प्रारंभिक सफल आक्रमण

भारत में पाई जाने वाली कुछ विदेशी प्रजातियाँ

- **अफ्रीकी एप्पल घोंघा-** अंडमान और निकोबार द्वीप में पाया जाता है, जो अब पूरे देश में फैल गया है।
- **पपीता मीली बग-** असम, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में बड़े पैमाने पर पपीते की फसल को प्रभावित करता है।
- **कपास मीली बग**- दक्कन में कपास की फसलों के लिए खतरा है।
- **अमेज़ॅन सेलफ़िन कैटफ़िश-** आर्द्रभूमि में मछली की आबादी को समाप्त करने हेतु जिम्मेदार है।
- **ऑरेंज कप-कोरल-** यह भारत-पूर्व प्रशांत में उत्पन्न होता है, जो अब अंडमान और निकोबार द्वीप, कच्छ की खाड़ी, केरल और लक्षद्वीप में भी पाया जाता है।
- **प्रिमरोज़ विलो-** यह मध्य और दक्षिण अमेरिका का मूल रूप से एक जलीय पौधा है।
- यह पहली बार असम के कर्बी आंग्लोंग जिले में देखा गया था और अब यह तमिलनाडु, केरल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पश्चिम बंगाल में फैल रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>1818 के भीमा-कोरेगांव युद्ध की 202वीं वर्षगांठ</u>**

- हाल ही में, भीमा-कोरेगाँव गाँव (महाराष्ट्र) में विजय स्तंभ या विजय स्तंभ ने 1 जनवरी, 2020 को 1818 के भीमा-कोरेगाँव युद्ध की 202वीं वर्षगांठ मनाई है।

कोरेगांव युद्ध के संदर्भ में जानकारी

- कोरेगाँव का युद्ध 1 जनवरी, 1818 को ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और मराठा परिसंघ के पेशवा गुट के बीच कोरेगाँव भीमा में लड़ा गया था।
- इसे भीमा नदी के नाम पर कोरेगांव भीमा का युद्ध भी कहा जाता है, जो इसके करीब से बहती है।
- यह युद्ध तीसरे आंग्ल मराठा युद्ध का हिस्सा था, यह युद्धों की श्रृंखला थी जिसका समापन मराठा साम्राज्य (पेशवाओं के अधीन) की हार से हुआ था और इसके बाद लगभग पूरे पश्चिमी, मध्य और दक्षिणी भारत में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन हो गया था।
- कोरेगाँव युद्ध की याद में एक "विजय स्तंभ" (स्मारक-स्तंभ) है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –इतिहास

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>पलाऊ पहला देश है जिसने रीफ विषाक्त, सन क्रीम पर प्रतिबंध लगाया है।</u>**

- प्रशांत देश पलाऊ, सन क्रीम पर प्रतिबंध लगाने वाला पहला देश बन गया है जो प्रवाल भित्तियों और समुद्री जीवन के लिए हानिकारक है।
- सन क्रीम जिसमें ऑक्सीबेनज़ोन सहित सामान्य सामग्री शामिल होती है, को देश में प्रयोग करने या बेचने की अनुमति नहीं है।
- प्रतिबंध को 2018 में घोषित किया गया था, यह 10 में से किसी भी सामग्री वाले सन क्रीम को प्रतिबंधित करता है।
- इस सूची में ऑक्सीबेंज़ोन और ऑक्टिनॉक्सेट शामिल हैं, जो पराबैंगनी प्रकाश को अवशोषित करते हैं।

पलाऊ के संदर्भ में जानकारी

- यह फिलीपींस के पूर्व में और इंडोनेशिया के उत्तर में स्थित है, यहां 21,000 लोग रहते हैं और यहां की अर्थव्यवस्था पर्यटन और मछली पकड़ने पर निर्भर है।
- इसके पास अमेरिका के साथ मुक्त संधि समझौता है।
- पलाऊ के रॉक आइलैंड में स्थित एक लैगून, यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डाउन टू अर्थ

7. **<u>मोबाइल एडेड नोट आइडेंटिफ़ायर</u>**

- भारतीय रिज़र्व बैंक, आर.बी.आई. ने दृष्टिबाधित लोगों की करेंसी नोटों के मूल्यवर्ग की पहचान करने में मदद करने हेतु एक मोबाइल ऐप, MANI, मोबाइल एडेड नोट आइडेंटिफ़ायर लॉन्च किया है।

MANI एप्लिकेशन के संदर्भ में जानकारी

- दृष्टिबाधित व्यक्ति एप्लीकेशन का उपयोग करके एक नोट के मूल्यवर्ग को पहचान सकते हैं, जो एक बार इंस्टॉल होने के बाद ऑफ़लाइन भी काम कर सकता है।
- उपयोगकर्ता कैमरे का उपयोग करके नोटों को स्कैन भी कर सकते हैं।
- ऑडियो आउटपुट हिंदी और अंग्रेजी में परिणाम देगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस (महत्वपूर्ण एप्लीकेशन)

स्रोत- ए.आई.आर.

8. **<u>इसरो, थुथुकोडी में दूसरा लॉन्च पोर्ट स्थापित करेगा।</u>**

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, लघु उपग्रह प्रक्षेपण वाहनों को लॉन्च करने के लिए विशेष रूप से तमिलनाडु के थुथुकोडी जिले में एक दूसरा लॉन्च पोर्ट स्थापित करेगा।

लघु उपग्रह प्रक्षेपण वाहनों के संदर्भ में जानकारी

- यह छोटे उपग्रहों को लांच करने हेतु निम्न पृथ्वी कक्षा (500 कि.मी.) में 500 कि.ग्रा. की पेलोड क्षमता या सूर्य-तुल्यकालिक कक्षा (500 कि.मी.) में 300 कि.ग्रा. की पेलोड क्षमता के साथ इसरो द्वारा विकसित किया जा रहा है।
- एस.एस.एल.वी. से उम्मीद की जाती है कि वह छोटे उपग्रहों को लांच करने में लॉन्च करने के समय को कम करने के साथ ही लागत को भी कम करेगा, जिनकी मांग बहुत ज्यादा है।
- इसरो वर्तमान में ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण वाहन (पी.एस.एल.वी.) और भूसमकालिक उपग्रह प्रक्षेपण वाहन (जी.एस.एल.वी.) पर बड़े उपग्रहों के साथ छोटे उपग्रहों को भी लांच कर रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- ए.आई.आर.

03.01.2019

1. **<u>जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक 2020</u>**

- पहली बार भारत, जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक में नौवां स्थान प्राप्त करके शीर्ष दस में शामिल हुआ है।
- इस वर्ष के सूचकांक में, स्वीडन चौथे स्थान पर है और उसके बाद डेनमार्क (5) और मोरक्को (6) का स्थान है।
- इस वर्ष के सी.सी.पी.आई. में सबसे नीचे के पांच देश इस्लामिक गणराज्य ईरान (57), कोरिया गणराज्य (58), चीनी ताइपे (59), सऊदी अरब (60) और संयुक्त राज्य अमेरिका (61) हैं, जिन्हें सभी वर्गों में निचला या बहुत निचला स्थान प्रदान किया गया है।
- सी.सी.पी.आई. 2020 के परिणाम 57 मूल्यांकन किए गए देशों और यूरोपीय संघ के भीतर जलवायु संरक्षण और प्रदर्शन में मुख्य क्षेत्रीय अंतरों को दर्शाते हैं।
- कोई भी देश सूचकांक में समग्र रूप से बहुत उच्च स्थान प्राप्त करने के लिए सभी सूचकांक श्रेणियों में बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं करता है, इसलिए एक बार फिर पहले तीन स्थान खाली रह जाते हैं।

जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक के संदर्भ में जानकारी

- यह देशों के जलवायु संरक्षण प्रदर्शन के लिए एक स्वतंत्र निगरानी उपकरण है।
- इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय जलवायु राजनीति में पारदर्शिता को बढ़ाना और प्रत्येक देश द्वारा किए जाने वाले जलवायु संरक्षण प्रयासों और प्रगति की तुल्यता को सक्षम बनाना है।

- रैंकिंग परिणामों को चार श्रेणियों के अंतर्गत 14 संकेतकों में देश के कुल प्रदर्शन से परिभाषित किया गया है।
- जी.एच.जी. उत्सर्जन- 40% भार
- अक्षय ऊर्जा- 20% भार
- ऊर्जा का उपयोग- 20% भार
- जलवायु नीति- 20% भार

भारत सरकार के प्रयास:

- वायु प्रदूषण, आज की सबसे बड़ी वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक है।
- व्यापक तरीके से बढ़ते वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम नामक कार्यक्रम पिछले वर्ष शुरू किया गया था, इसे पूरे देश में लागू करने हेतु समयबद्ध राष्ट्रीय-स्तर की रणनीति तैयार की गई थी।
- भारत दुनिया के उन कुछ देशों में शामिल है, जहां वन आच्छादन निरंतर बढ़ रहा है।
- कुल वन और वृक्ष आच्छादन क्षेत्र, देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 24 प्रतिशत से अधिक हो गया है।
- सरकार का लक्ष्य वर्ष 2022 तक गैर-जीवाश्म ईंधन की हिस्सेदारी को 175 गीगावाट तक बढ़ाना और इसे आगे भविष्य में 450 गीगावॉट तक ले जाना है।
- सरकार बाघों की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठा रही है।
- नवीनतम बाघ जनगणना आंकड़ें-2018 के अनुसार, भारत में बाघों की कुल संख्या लगभग तीन हजार हो गई है।
- वनीकरण को बढ़ावा देने और देश के हरित उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक बड़े प्रोत्साहन के रूप में सरकार ने पिछले वर्ष अगस्त में विभिन्न राज्यों को 47,000 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति वनीकरण कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण, CAMPA के फंड सौंपे थे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- ए.आई.आर.

2. **<u>धनु जात्रा</u>**

- सुप्रसिद्ध 11-दिवसीय धनु जात्रा, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा ओपन-एयर थिएटर माना जाता है, पश्चिमी ओडिशा के बारगढ़ में शुरू हुआ है।

धनु जात्रा के संदर्भ में जानकारी

- यह जात्रा भगवान कृष्ण और उनके राक्षस मामा राजा कंस की पौराणिक कहानी पर आधारित है। यह उनके (मामा) राजा कंस द्वारा आयोजित धनु समारोह को देखने के लिए कृष्ण और बलराम की मथुरा यात्रा के संदर्भ में है।
- गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी इसका उल्लेख है।
- यह एक वार्षिक उत्सव है, जो 1947-48 में भारतीय स्वतंत्रता का जश्न मनाने और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।
- भारत सरकार के संस्कृति विभाग ने नवंबर, 2014 में धनु जात्रा को राष्ट्रीय त्योहार का दर्जा प्रदान किया है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **<u>107वां भारतीय विज्ञान सम्मेलन</u>**

- हाल ही में, प्रधानमंत्री ने बैंगलोर में कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय में भारत के सबसे बड़े वार्षिक वैज्ञानिक दिग्गजों के सम्मेलन, 107वें भारतीय विज्ञान सम्मेलन का उद्घाटन किया है।
- इस भारत विज्ञान सम्मेलन की थीम: **<u>विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी: ग्रामीण विकास’</u>** है।
- विज्ञान सम्मेलन वैज्ञानिक खोजों और प्रौद्योगिकियों के विभिन्न पहलुओं में रुचि रखने वाले वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों के लिए एक प्रमुख केंद्र बिंदु है।

- इसका उद्देश्य वैज्ञानिक नवाचार और अनुसंधान पर चर्चा करने के लिए पूरे विश्व में विज्ञान बंधुत्व को एक साथ लाना है।

107वें भारतीय विज्ञान सम्मेलन के दौरान अन्य कार्यक्रम

<u>किसान विज्ञान सम्मेलन</u>

- यह भारतीय विज्ञान सम्मेलन के इतिहास में पहली बार आयोजित किया गया है।
- इसमें कृषि विशेषज्ञों और किसानों द्वारा भाग लिया जाएगा जिनके नवाचार दृष्टिकोण ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

<u>महिला विज्ञान सम्मेलन</u>

- महिला विज्ञान सम्मेलन का उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाली महिलाओं को उनकी उपलब्धियों और अनुभवों को प्रदर्शित करने के लिए एकल मंच प्रदान करना है।

<u>राष्ट्रीय किशोर वैज्ञानिक सम्मेलन (बाल विज्ञान सम्मेलन)</u>

- इसे भी भारत विज्ञान सम्मेलन के साथ आयोजित किया जाएगा जो बच्चों को चयनित परियोजनाओं को देखने और प्रख्यात वैज्ञानिकों और नोबेल पुरस्कार विजेताओं के साथ बातचीत करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

4. **<u>एशियाई शेर की जनगणना</u>**

- हाल ही में, सरकार ने गुजरात में 2020 की शेर की जनगणना करने के लिए लगभग 8,000-10,000 कैमरों का उपयोग करने का निर्णय लिया है।
- मई, 2020 में होने वाली जनगणना भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यू.आई.आई.) द्वारा की जाएगी।
- गुजरात वन विभाग प्रत्येक पांच वर्ष में एशियाई शेर परिदृश्य में शेर की जनगणना करता है, जिसमें गिर राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य शामिल हैं।
- 2015 की शेर की जनगणना ने राज्य में 523 शेरों की गिनती की थी।

एशियाई शेर के संदर्भ में जानकारी:

- इसे आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में **'लुप्तप्राय'** के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- यह **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम की अनुसूची-I में** सूचीबद्ध है।
- अफ्रीकी शेर को आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में कमजोर के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

कैनाइन डिस्टेंपर वायरस:

- हाल ही में, कैनाइन डिस्टेम्पर वायरस और बेबीसियोसिस के घातक संयोजन, टिक-जनित परजीवियों के कारण होने वाली बीमारी से गुजरात के गिर वन अभयारण्य में एशियाई शेरों की मृत्यु हो रही है।
- कैनाइन डिस्टेंपर एक संक्रामक विषाणुजनित बीमारी है जो कुत्तों, काइओट, लोमड़ियों, पांडा और भेड़ियों सहित कई प्रकार के जानवरों की प्रजातियों को प्रभावित करती है।
- यह जानवरों के श्वसन, जठरांत्र और तंत्रिका तंत्र पर हमला करती है।

गिर राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यजीव अभयारण्य के संदर्भ में जानकारी:

- यह गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में स्थित है, जिसे 1965 में स्थापित किया गया था।
- यह काठियावाड़-गिर शुष्क पर्णपाती वनों के पारिस्थितिक क्षेत्र का हिस्सा है।
- गिर क्षेत्र की प्रमुख बारहमासी नदियाँ दातार्दी, शिंगोदा, हिरन, शतरुँजी, माछुंदरी, गोदावरी और रावल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

5. **<u>मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना</u>**

- हाल ही में, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने एक योजना शुरू की है, जिसका नाम मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना है।
- यह राज्य के मजदूरों के लिए एक वित्तीय योजना है, जिसके अंतर्गत काम पर एक पंजीकृत मजदूर की मृत्यु होने पर परिवार के सदस्यों को 1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।
- इसका उद्देश्य राज्य के मजदूरों की मदद करना है।
- काम पर दुर्घटना के कारण पंजीकृत मजदूर को विकलांगता होने के मामले में 50,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण योजना (योजना)

स्रोत- ए.आई.आर.

6. **<u>त्रिपुरा में लाई हराओबा शुरू हुआ है।</u>**

- लाई हराओबा, प्राचीन काल से मणिपुरी मेइती समुदायों द्वारा मनाया जाने वाला एक अनुष्ठानिक महोत्सव है, यह त्रिपुरा के अगरतला में शुरू हुआ है।
- लाई हराओबा को मौखिक साहित्य, संगीत, नृत्य और अनुष्ठानों के माध्यम से मनाया जाता है।

लाई हराओबा के संदर्भ में जानकारी

- यह अभी भी मणिपुर में मनाए जाने वाले प्रमुख महोत्सवों में से एक है, जिसकी जड़ें पूर्व-वैष्णव काल से जुड़ी हुई हैं।
- लाई हरओबा, नृत्य का प्रारंभिक रूप है जो मणिपुर में सभी शैलीगत नृत्यों का आधार है।
- शाब्दिक अर्थ- देवताओं का अभिवादन है, यह गीत और नृत्य की एक औपचारिक पेशकश के रूप में किया जाता है।
- प्रमुख कलाकार माईबा और माइबी (पुजारी और पुजारन) हैं जो दुनिया के निर्माण के विषय को पुनरधियमित करते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- ए.आई.आर. + सी.सी.आर.टी.

7. **<u>कृषि कर्मण पुरस्कार</u>**

- प्रधानमंत्री ने पिछले फसल सीजन के दौरान विभिन्न श्रेणियों में अच्छा कृषि उत्पादन दर्ज करने वाले 21 राज्यों को कृषि कर्मण पुरस्कार प्रदान किया है।

कृषि कर्मण पुरस्कार के संदर्भ में जानकारी

- यह 2010-11 के दौरान खाद्यान्न उत्पादन में राज्यों के सराहनीय प्रयासों को मान्यता देने के लिए भारत सरकार के कृषि एवं सहकारिता विभाग द्वारा घोषित एक इनाम योजना है।
- इस योजना के अंतर्गत पुरस्कार के दो सेट शामिल किए गए थे।
- कुल खाद्यान्न उत्पादन हेतु
- चावल, गेहूं, दलहन और मोटे अनाज की व्यक्तिगत खाद्य अनाज फसलों हेतु
- कुल खाद्यान्न उत्पादन के लिए पुरस्कारों की तीन श्रेणियां हैं:
- **श्रेणी 1**, उन राज्यों के लिए है जहां कुल खाद्यान्न उत्पादन 10 मिलियन टन से अधिक है।
- **श्रेणी 2**, उन राज्यों के लिए है जहां कुल खाद्यान्न उत्पादन 10 मिलियन टन से कम है लेकिन 1 मिलियन टन से अधिक है।
- **श्रेणी 3,** उन राज्यों के लिए है जिनका कुल खाद्यान्न उत्पादन 1 मिलियन टन से कम है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>असम राज्य का चिड़ियाघर, लुप्तप्राय हरगिला के प्रजनन हेतु पहला है।</u>**

- असम राज्य का चिड़ियाघर सह वानस्पतिक उद्यान एवं आरण्यक ने इस तरह के अपने पहले प्रयोग में संयुक्त रूप से चिड़ियाघर के बाड़े के भीतर एक कृत्रिम मंच में ग्रेटर एडजुटेंट चूजों की एक जोड़ी का सफलतापूर्वक प्रजनन कराकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

हरगिला के संदर्भ में जानकारी

- यह सारस की एक दुर्लभ प्रजाति है, हरगिला वर्तमान में बड़े पेड़ों की अंधाधुंध कटाई और घटते आर्द्रभूमि से निवास स्थान के नुकसान के कारण विलुप्त होने की कगार पर है।
- लुप्तप्राय ग्रेटर एडजुटेंट सारस (लेप्टॉपटिलोसडुबियस), दुनिया में सारस की बीस प्रजातियों में से सबसे दुर्लभ प्रजातियों में से एक है।
- भारत में, आवासीय सारसों की आठ प्रजातियाँ पाई जाती हैं जिनमें से एक ग्रेटर एडजुटेंट है।

निवास

- दक्षिण-पूर्व एशिया में बहुतायत से वितरित होने के बाद यह सारस अब भारत में असम और बिहार और कंबोडिया के प्रीकोटल में कुछ अलग-थलग क्षेत्रों तक सीमित है।

नोट:

- जीवविज्ञानी डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन, जिन्होंने आर्यनक की ग्रेटर एडजुटेंट संरक्षण परियोजना का नेतृत्व किया हैं, ने 2017 में व्हिटली अवार्ड या ग्रीन ऑस्कर जीता है, यह पुरस्कार उन्हें इस उल्लेखनीय सामुदायिक-नेतृत्व संरक्षण कार्य के लिए प्रदान किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- ए.आई.आर.

06.01.2019

1. **ओपेन एकड़ लाइसेंसीकरण कार्यक्रम**

- हाल ही में, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ओपेन एकड़ लाइसेंसीकरण कार्यक्रम (ओ.ए.एल.पी.) बिड राउंड-IV के अंतर्गत सम्मानित 7 ब्लॉक के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

ओपन एकड़ लाइसेंसीकरण कार्यक्रम के संदर्भ में जानकारी

- इसे 2016 में हाइड्रोकार्बन अन्वेषण एवं लाइसेंसीकरण नीति (हेल्प) नामक अन्वेषण क्षेत्र में नए राजकोषीय शासन के हिस्से के रूप में पेश किया गया था।
- इसका उद्देश्य उपलब्ध भौगोलिक क्षेत्र के त्वरित सर्वेक्षण और कवरेज को सक्षम करना है जिसमें तेल और गैस की खोज की क्षमता है।
- ओ.ए.एल.पी. के अंतर्गत, हाइड्रोकार्बन का पता लगाने के लिए इच्छुक एक बोलीदाता किसी भी नए ब्लॉक की खोज के लिए सरकार को आवेदन कर सकता है जो पहले से ही खोजबीन द्वारा कवर नहीं किया गया था।
- ओ.ए.एल.पी. के सफल कार्यान्वयन के लिए भू-वैज्ञानिक डेटा पर राष्ट्रीय डेटा भंडार के निर्माण की आवश्यकता है।
- सरकार हितों की जांच करेगी और यदि यह एक पुरस्कार के लिए उपयुक्त है तो सरकार आवश्यक पर्यावरणीय और अन्य मंज़ूरी प्राप्त करने के बाद प्रतिस्पर्धी बोलियां आयोजित करेगी।

कार्यान्वयन एजेंसी:

- पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय का हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डी.जी.एच.)

नोट:

राष्ट्रीय डेटा भंडार:

- यह भारतीय तलछटी घाटियों का अन्वेषण एवं उत्पादन (ई. एंड पी.) डेटा का एक एकीकृत डेटा भंडार है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस (नीतियां)

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **पटोला साड़ी**

- हाल ही में, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (के.वी.आई.सी.) ने गुजरात के सुरेंद्रनगर में पहले रेशम प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन किया है।

पटोला साड़ी के संदर्भ में जानकारी

- इसे पाटन पटोला साड़ी के रूप में भी जाना जाता है जो दोनो तरफ से पहनने वाली साड़ी है, जो सामान्यत: पाटन, गुजरात में रेशम से बनाई जाती है।
- ये वनस्पति रंजक का उपयोग करके बनाई जाती हैं।
- ये डिजाइन अनिवार्य रूप से ज्यामितीय, पुष्प, पशु और पत्ती प्रारूप से पारंपरिक हैं।
- इसे हस्तकला श्रेणी के अंतर्गत भौगोलिक संकेत टैग से सम्मानित किया गया है।

खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के संदर्भ में जानकारी

- यह खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग अधिनियम 1956 के अंतर्गत स्थापित एक संवैधानिक निकाय है।
- यह सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है।
- इसका शासनादेश ग्रामीण भारत में खादी और ग्रामोद्योगों की स्थापना और विकास की योजना, प्रोत्साहन और सुविधा प्रदान करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत-द हिंदू

3. **<u>प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को पांच डी.आर.डी.ओ. युवा वैज्ञानिक प्रयोगशालाएं समर्पित की हैं।</u>**

- प्रधानमंत्री ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की पांच युवा वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं को राष्ट्र को समर्पित किया है।
- ये प्रयोगशालाएँ पाँच शहरों: बेंगलुरू, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और हैदराबाद में स्थित हैं।

डी.आर.डी.ओ. युवा वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं के संदर्भ में जानकारी

- ये प्रयोगशालाएँ भविष्य की रक्षा प्रणालियों के विकास के लिए महत्वपूर्ण उन्नत प्रौद्योगिकी पर काम करेंगी।
- इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम प्रौद्योगिकियां, संज्ञानात्मक प्रौद्योगिकियां, असममित प्रौद्योगिकियां और स्मार्ट सामग्री शामिल हैं।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के संदर्भ में जानकारी

- यह रक्षा प्रौद्योगिकी से संबंधित अनुसंधान के लिए भारत का प्रमुख संगठन है जिसे 1958 में स्थापित किया गया था।
- यह रक्षा मंत्रालय के रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में है।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत-बिजनेस स्टैंडर्ड

4. **<u>महाराष्ट्र सरकार ने साइबर सेफ वुमेन पहल की शुरूआत की है।</u>**

- महाराष्ट्र सरकार ने साइबर सेफ वुमेन पहल की शुरूआत की है, जिसके अंतर्गत साइबर सुरक्षा को लेकर राज्य के सभी जिलों में जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे।

साइबर सेफ वुमन पहल के संदर्भ में जानकारी

- यह पहल महिलाओं को इस संदर्भ में शिक्षित करने में मदद करेगी कि कैसे असामाजिक तत्वों और बाल शिकारियों द्वारा विभिन्न प्रकार के अपराध करने के लिए वेब का उपयोग किया जाता है।
- इस अभियान को राज्य सरकार द्वारा राज्य पुलिस, जनसंपर्क विभाग और साइबर सेल के सहयोग से पूरे राज्य में लागू किया जाना है।

साइबर अपराध से निपटने के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई अन्य पहलें:

साइबर दोस्त

- इसे केंद्रीय गृह मंत्रालय (एम.एच.ए.) द्वारा लॉन्च किया गया है, जिसका एक ट्विटर अकाउंट @CyberDost नाम से है।
- इसका उद्देश्य साइबर अपराधों के लिए बरती जाने वाली सामान्य सावधानियों और रोकथाम के बारे में जागरूकता फैलाना है।

भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (CERT-In)

- यह इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत एक कार्यालय है।
- यह हैकिंग और फ़िशिंग जैसे साइबर सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए नोडल एजेंसी है।

महिलाओं और बच्चों के खिलाफ साइबर अपराध रोकथाम योजना

- यह योजना 2019 में देश में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ साइबर अपराधों से निपटने के लिए एक प्रभावी तंत्र के उद्देश्य से शुरू की गई थी।
- इस योजना की विशेषताओं में ऑनलाइन साइबर अपराध रिपोर्टिंग प्लेटफॉर्म, अनुसंधान और विकास और साइबर अपराध जागरूकता गतिविधियां शामिल हैं।

साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल

- यह शिकायतकर्ताओं को बाल अश्लीलता या यौन रूप से स्पष्ट सामग्री से संबंधित शिकायतों की रिपोर्ट करने में सक्षम बनाता है।

महत्व

- 2019 में एन.सी.आर.बी. (राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो) द्वारा जारी क्राइम रिपोर्ट-2017 के अनुसार, देश में साइबर अपराधों की संख्या लगातार बढ़ रही है।
- 2014 में साइबर अपराधों की संख्या 9,622 थी जो 2015 में बढ़कर 11,592 हो गई थी और 2016 में साइबर अपराध की संख्या 12,317 हो गई थी।
- साइबर अपराध कानूनी ढांचा, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 द्वारा प्रदान किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महिला सशक्तीकरण (साइबर सुरक्षा)

स्रोत- ए.आई.आर.

5. **<u>एक्स्ट्राओकुलर दृष्टि: बिना आंखों के देखने की क्षमता</u>**

- हाल ही में, शोधकर्ताओं ने दर्शाया है कि ब्रिटल स्टार की एक प्रजाति बिना आंखो के भी देख सकती है, जो स्टारफिश की रिश्तेदार है।
- रेड ब्रिटल स्टार (ओफियाकोमावेंदती), जो कैरेबियाई सागर की प्रवाल भित्तियों में रहता है, जो समुद्री अर्चिन प्रजाति के बाद केवल दूसरा जीव है जो इस क्षमता के लिए जाना जाता है (अन्य प्रजातियों में अजीब मामलों को रोकना)।

एक्स्ट्राओकुलर दृष्टि के संदर्भ में जानकारी

- बिना आँखों के देखने की क्षमता को एक्स्ट्राओकुलर दृष्टि के रूप में जाना जाता है।
- शोधकर्ताओं का सुझाव है कि एक ब्रिटल स्टार को प्रकाश-संवेदी कोशिकाओं की मदद से देखा जा सकता है, जो उसके पूरे शरीर को ढंकता है।
- अनुसंधान से ज्ञात होता है कि ये प्रकाश-संवेदी कोशिकाएं ब्रिटल स्टार दृश्य उत्तेजनाएं देती हैं, जिससे यह चट्टानों जैसी मोटी संरचनाओं को पहचानने की अनुमति देती है।
- रेड ब्रिटल स्टार की एक और विशेषता इसके हस्ताक्षर का रंग परिवर्तन है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>सावित्रीबाई फुले</u>**

- हाल ही में, प्रधानमंत्री ने सावित्रीबाई फुले को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की है।

सावित्रीबाई फुले (1831-1897) के संदर्भ में जानकारी

- वह एक भारतीय समाज सुधारक, शिक्षाविद और महाराष्ट्र की कवि थीं।
- सावित्रीबाई फुले, भारत में पहली महिला शिक्षक थीं और इन्हें देश में नारीवाद की जननी के रूप में भी जाना जाता है।

सावित्रीबाई फुले के कार्य

- फुले और उनके पति ने पुणे में 1848 में भिड़े वाडा में पहले भारतीय लड़कियों के स्कूल की स्थापना की थी।

- उन्होंने महिला अधिकारों से संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए महिला मंडल की स्थापना की थी।
- उन्होंने जाति के आधार पर लोगों से भेदभाव और अनुचित व्यवहार को खत्म करने का काम किया था।
- उन्होंने 1854 में काव्या फुले और 1892 में बावन काशी सुबोध रत्नाकर का प्रकाशन किया था।
- उन्होंने "गो, गेट एजुकेशन" नामक एक कविता भी प्रकाशित की थी, जिसमें उन्होंने उन लोगों को प्रोत्साहित किया था जो शिक्षा प्राप्त करके खुद को मुक्त करने के लिए उत्पीड़ित हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –इतिहास (महत्वपूर्ण व्यक्तित्व)

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि आत्महत्या के लिए उकसाने हेतु कोई स्वचालित दोषसिद्धि नहीं है।</u>**

- हाल ही में, सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि दहेज उत्पीड़न के आरोपी व्यक्ति को आत्महत्या के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता है।
- अदालत ने कहा है कि भले ही यह स्थापित किया जाए कि संबंधित महिला ने शादी की तारीख से सात साल की अवधि के भीतर आत्महत्या कर ली थी और उसके पति को इस क्रूरता के अधीन किया गया है तो अदालत यह मानने के लिए बाध्य नहीं है कि आत्महत्या के लिए पति ने उकसाया है।”

भारतीय दंड संहिता की आत्महत्या दुष्प्रेरण की धारा 306

- आत्महत्या के लिए उकसाने का अपराध भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 306 के अंतर्गत अपराध है।
- इस धारा के अनुसार, दूसरे व्यक्ति को आत्महत्या करने के लिए उकसाने वाले व्यक्ति को 10 वर्ष तक के कारावास की सजा दी जाएगी और जुर्माना भी देना होगा।
- आत्महत्या करना, एक गैर-जमानती अपराध है।
- एक व्यक्ति को उकसाने का दोषी तब माना जाता है जब:
- वह किसी को आत्महत्या करने के लिए उकसाता है (या)
- वह किसी व्यक्ति को आत्महत्या (या) करने के लिए एक साजिश का हिस्सा है
- वह जानबूझकर पीड़ित को एक कृत्य करके या कुछ ऐसा नहीं करने के लिए आत्महत्या करने में मदद करता है जो वह करने के लिए बाध्य था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>बी.एल.सी.एस. (ए और बी प्रकार): कार्गो क्षमता को बढ़ाने के लिए नई वैगन</u>**

- समर्पित फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, लिमिटेड (DFCCIL) ने एक नए वैगन का परीक्षण शुरू कर दिया है, जो कार्गो वहन क्षमता को चार गुना बढ़ाने में मदद करेगा।
- यह इसके द्वारा किया जाता है:
- ट्रेन की लंबाई में वृद्धि
- डबल-स्टैक कंटेनरों का उपयोग
- अधिक पेलोड ले जाने की क्षमता

बी.एल.सी.एस. के संदर्भ में जानकारी

- नया वैगन- जिसे बी.एल.सी.एस. (ए. & बी.) कहा जाता है- वर्तमान में एक प्रोटोटाइप है।
- इस तरह के कुल तीन वैगनों का निर्माण किया गया है।
- वैगन का उपयोग माल ढुलाई के लिए किया जाता है जिसका अनुसंधान डिजाइन एवं मानक संगठन (आर.डी.एस.ओ.) द्वारा परीक्षण किया गया है और तमिलनाडु के तिरूचिरापल्ली में गोल्डन रॉक रेलवे कार्यशाला में निर्मित किया गया है।

गलियारे के संदर्भ में जानकारी

- इस गलियारे को देश की सबसे बड़ी अवसंरचना परियोजनाओं में से एक के रूप में जाना जाता है,

जो पूर्वी और पश्चिमी गलियारों की 3,360 किलोमीटर की दूरी तय करेगा।

- 1,504 किलोमीटर का पश्चिमी फ्रेट गलियारा दादरी, उत्तर प्रदेश में शुरू होता है और हरियाणा, राजस्थान और गुजरात सेगुजरता हुआ भारत के सबसे बड़े कंटेनर पोर्ट, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट, मुंबई के पास तक जाता है।
- 1,856 किलोमीटर का पूर्वी गलियारा हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड से होता हुआ पंजाब में लुधियाना से कोलकाता के पास दनकुनी तक जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –परिवहन

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>बेलम गुफा महोत्सव</u>**

- राज्यपाल बिस्व भूषण हरिचंदन की जिले में यात्रा की तारीखें टलने के बाद बेलम गुफा महोत्सव को जनवरी तक के लिए टाल दिया गया है।

बेलम गुफाओं के संदर्भ में जानकारी

- ये आंध्र प्रदेश के कुर्नूल जिले के बेलुम गाँव के पास स्थित हैं।
- यह मेघालय में कर्मलियाथप्राह गुफाओं के बाद भारतीय उपमहाद्वीप की दूसरी सबसे बड़ी गुफाएं हैं।

विशेषताएं:

- यह गुफा प्रणाली अपने स्पेलोथेम्स के लिए जानी जाती है जैसे कि स्टैलेक्टाइट और स्टैलेग्माईट फॉर्मेशन है।
- इसमें लंबे मार्ग, गैलरी, ताजे पानी और साइफन के साथ विशाल गुफाएं हैं।
- गुफाएं काले चूना पत्थर से मिलकर बनी हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- टी.ओ.आई.

10. **<u>कमांडर कासेम सोलेमनी की हत्या: ईरान ने बदला लिया है</u>**

- एक उग्र ईरान ने शुक्रवार को बगदाद के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेरिका द्वारा किए गए हमले में एक शीर्ष ईरानी कमांडर की मृत्यु का बदला लेने की धमकी दी है, जिससे कट्टर-दुश्मनों के बीच एक व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष की आशंका बढ़ गई है।
- पेंटागन ने कहा है कि इस हफ्ते ईरान समर्थकों की भीड़ द्वारा इराकी राजधानी में अमेरिकी दूतावास की घेराबंदी करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कासिम सोलेमानी के "हत्या" का आदेश दिया था।

- गुस्साए ईरानियों ने तेहरान की सड़कों पर "डेथ टू अमेरिका" का नारा लगाया और सोलीमानी के पोस्टर दिखाए थे, जिन्हें इस्लामी गणराज्य में व्यापक रूप से सराहा गया है।
- इराक के पेट्रोल मंत्रालय ने कहा है कि बगदाद में अमेरिकी दूतावास ने सभी अमेरिकी नागरिकों से तुरंत "इराक" छोड़ने का आग्रह किया है और दक्षिणी तेल क्षेत्रों में काम करने वाले अमेरिकी नागरिकों को निकाला जा रहा था।
- लगभग 5,200 अमेरिकी सैनिक देश भर में तैनात हैं और अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने ए.एफ.पी. को बताया है कि अमेरिकी दूतावास में सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए हाल के घंटों में कुछ अतिरिक्त बल पहुंचेगा।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय मुद्दे

स्रोत- द हिंदू

07.01.2020

1. **भारत निर्वाचन आयोग**

- मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा ने घोषणा की है कि 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा के चुनाव 8 फरवरी को आयोजित किए जाएंगे और मतों की गिनती 11 फरवरी को होगी।

चुनाव आयोग के संदर्भ में जानकारी

- अनुच्छेद 324 के अतर्गत संविधान द्वारा चुनाव आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने का अधिकार प्रदान किया गया है।
- भारत का चुनाव आयोग निम्नलिखित मामलों के लिए न्यासित एक स्थायी निकाय है:
    - राष्ट्रपति का चुनाव
    - उपराष्ट्रपति का चुनाव
    - लोकसभा के साथ-साथ राज्यसभा के चुनाव
    - राज्य विधानसभाओं के साथ-साथ विधान परिषदों के चुनाव
    - लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में सीटों का आरक्षण
    - सांसदों और विधायकों की योग्यता और चुनाव उद्देश्यों के लिए जनसंख्या का निर्धारण
- संविधान के अनुच्छेद 324 में चुनाव आयोग के स्वतंत्र और निष्पक्ष कामकाज को सुरक्षित रखने और सुनिश्चित करने के प्रावधानों का उल्लेख है, जो इस प्रकार हैं:
    - मुख्य चुनाव आयुक्त को पद की सुरक्षा प्रदान की जाती है।
    - सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान प्रक्रिया और समान आधार को छोड़कर उसे उसके पद से नहीं हटाया जा सकता है।
    - मुख्य चुनाव आयुक्त की सिफारिशों के अतिरिक्त किसी अन्य चुनाव आयुक्त या एक क्षेत्रीय आयुक्त को पद से नहीं हटाया जा सकता है।

चुनाव आयोग की रचना

- संविधान के अनुच्छेद 324 में चुनाव आयोग की संरचना के संबंध में निम्नलिखित प्रावधान दिए गए हैं:
- राष्ट्रपति, मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करता है।
- जब कोई अन्य चुनाव आयोग नियुक्त होता है तो सी.ई.सी., चुनाव आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्य करता है।
- यदि आवश्यक है तो चुनाव आयोग से परामर्श के बाद राष्ट्रपति, आयोग की सहायता के लिए क्षेत्रीय आयुक्तों की नियुक्ति भी कर सकते हैं।
- सभी आयुक्तों के पद का कार्यकाल और सेवा की शर्तें, देश के राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित की जाएंगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –संविधान

स्रोत- द हिंदू

2. **व्याख्या: जलवायु लक्ष्य के लिए कार्बन संख्या का क्या अर्थ है।**

- स्टेट ऑफ़ फॉरेस्ट रिपोर्ट (एस.एफ.आर.) 2019 ने पिछले दो वर्षों में भारतीय वनों में फंसे कार्बन स्टॉक में वृद्धि दर्शायी है।
- भारत ने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में अपने योगदान के रूप में वर्ष 2030 तक "2.5 से 3 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड के समतुल्य अतिरिक्त कार्बन सिंक" बनाने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

पेरिस समझौते के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर उद्दिष्ट निर्धारित योगदान (आई.एन.डी.सी.)

राष्ट्रीय स्तर पर उद्दिष्ट निर्धारित योगदान की पृष्ठभूमि

- संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन (यू.एन.एफ.सी.सी.सी.) के अंतर्गत ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी, राष्ट्रीय स्तर पर उद्दिष्ट निर्धारित योगदान (आई.एन.डी.सी.) है।
- यू.एन.एफ.सी.सी.सी. पर हस्ताक्षर करने वाले सभी देशों को नवंबर, 2013 में पोलैंड के वारसॉ में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सममेलन 2013 मे अपने आई.एन.डी.सी. प्रकाशित करने के लिए कहा गया था।
- योगदान की कानूनी प्रकृति के प्रति पक्षपात के बिना उद्दिष्ट योगदान निर्धारित किए गए थे।

पेरिस समझौते के अंतर्गत भारत का राष्ट्रीय स्तर पर उद्दिष्ट निर्धारित योगदान (आई.एन.डी.सी.)

- यह 2005 की तुलना में 2030 तक अपनी उत्सर्जन तीव्रता (जी.डी.पी. का प्रति यूनिट उत्सर्जन) को 33% से घटाकर 35% कर देगा।
- यह सुनिश्चित करने का भी वादा किया है कि 2030 में अपनी संचयी बिजली उत्पादन का कम से कम 40% नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से उत्पादित किया जाएगा।
- यह अतिरिक्त वन और वृक्ष आच्छादन क्षेत्र के माध्यम से 2.5 से 3 बिलियन टन का अतिरिक्त कार्बन सिंक भी बनाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- टी.ओ.आई.

3. **<u>भारतीय डेटा प्रसारण उपग्रह प्रणाली: एक नया उपग्रह गगनयान चालक दल की मदद करेगा।</u>**

- भारत ने इस वर्ष अंतरिक्ष-से-अंतरिक्ष ट्रैकिंग और अपनी अंतरिक्ष संपत्ति के संचार के अपने युग का निर्माण करने हेतु भारतीय डेटा प्रसारण उपग्रह प्रणाली (आई.डी.आर.एस.एस.) नामक एक नई उपग्रह श्रृंखला की शुरूआत की है।

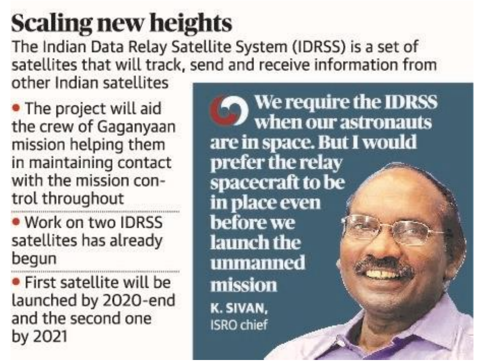

आई.डी.आर.एस.एस. के संदर्भ में जानकारी

- आई.डी.आर.एस.एस. को भारतीय उपग्रहों के साथ, विशेष रूप से उन निम्न-पृथ्वी कक्षाओं में जिनके पास पृथ्वी का सीमित कवरेज है, की निगरानी करने और लगातार संपर्क में रखने की योजना है।
- इसरो के अध्यक्ष के. सिवन के अनुसार, यह लॉन्चिंग की निगरानी में भी उपयोगी होगा।
- इसके पहले लाभार्थी 2022 के गगनयान मिशन के संभावित चालक दल के सदस्य होंगे जो अपनी पूरी यात्रा के दौरान मिशन नियंत्रण के साथ पूरी तरह से और निरंतर संपर्क में रहेंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>वैश्विक समुद्री पारिस्थितिक तंत्र बैठक</u>**

- समुद्री पारिस्थितिकी प्रणालियों पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-चुनौतियां और अवसर (एम.ई.सी.ओ.एस.-3) केरल के कोच्चि में आयोजित किया जाएगा।

समुद्री पारिस्थितिक तंत्र पर सम्मेलन के संदर्भ में जानकारी

- इस सम्मेलन का आयोजन मरीन बायोलॉजिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा किया गया है।
- इस सम्मेलन का उद्देश्य समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में शामिल चिंताओं की समीक्षा करना और आजीविका विकल्पों को बढ़ाकर समुद्री संपदा के बेहतर और स्थायी उपयोग के लिए रणनीति तैयार करना है।

- यह समुद्री पारिस्थितिकी प्रणालियों पर जलवायु संकट के प्रभाव और अरब सागर के असामान्य रूप से गर्म होने सहित कई विषयों पर चर्चा के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा।
- यह सम्मेलन संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य, एस.डी.जी.-14 पर केंद्रित होगा।
- लक्ष्य 14: जल के नीचे जीवन: विश्व के महासागर- उनका तापमान, रसायन विज्ञान, धाराएँ और जीवन- मानव जाति के लिए पृथ्वी को रहने योग्य बनाने वाली वैश्विक प्रणालियाँ हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- ए.आई.आर.

5. **<u>शिवालिक, एस.एफ.बी. में परिवर्तित होने वाला पहला शहरी सहकारी बैंक है।</u>**

- शिवालिक वाणिज्यिक सहकारी बैंक लिमिटेड, पहला शहरी सहकारी बैंक (यू.सी.बी.) बन गया है जिसे भारतीय रिज़र्व बैंक (आर.बी.आई.) द्वारा एक स्माल फाइनैंस बैंक में परिवर्तित करने की सैद्धांतिक रूप से अनुमति प्रदान की गई है।
- 'सैद्धांतिक रूप से' अनुमोदन 18 महीने के लिए मान्य होगा, इस समयसीमा के भीतर शिवालिक वाणिज्यिक बैंक को एस.एफ.बी. के मानदंडों का पालन करना होगा।

स्म'ल फाइनैंस बैंक के संदर्भ में जानकारी

- वे आला बैंक हैं जो जनसंख्या के एक निश्चित जनसांख्यिकीय खंड की आवश्यक्ताओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं और उनकी सेवा करते हैं।
- स्माल फाइनैंस बैंकों की स्थापना का उद्देश्य निम्न के द्वारा वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाना होगा:
- बचत वाहनों के प्रावधान
- लघु व्यवसाय इकाइयों को ऋण की आपूर्ति
- लघु और सीमांत किसान
- सूक्ष्म और लघु उद्योग
- वित्तीय समावेशन पर नचिकेत मोर समिति द्वारा इसकी सिफारिश की गई थी।

एस.एफ.बी. की स्थापना हेतु मानदंड

- वित्त, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एन.बी.एफ.सी.), माइक्रोफाइनेंस कंपनियों, स्थानीय क्षेत्र के बैंकों में 10 वर्ष के अनुभव वाले व्यक्तिय/ पेशेवर एस.एफ.बी. स्थापित करने के लिए पात्र हैं।
- स्माल फाइनैंस बैंकों के लिए न्यूनतम प्रदत्त इक्विटी पूंजी 100 करोड़ रू होगी।
- ऐसे स्माल फाइनैंस बैंकों की प्रदत्त इक्विटी पूंजी में प्रमोटर का न्यूनतम प्रारंभिक योगदान कम से कम 40 प्रतिशत होगा और बैंक का कारोबार शुरू होने की तारीख से 12 वर्षों के भीतर धीरे-धीरे 26 प्रतिशत तक नीचे आ जाएगा।
- स्माल फाइनैंस बैंक में विदेशी शेयरधारिता, निजी क्षेत्र के बैंकों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ.डी.आई.) नीति के अनुसार समय-समय पर संशोधित की जाएगी।
- स्माल फाइनैंस बैंकों को अपने समायोजित कुल बैंक ऋण (ए.एन.बी.सी.) के 75 प्रतिशत का विस्तार रिज़र्व बैंक द्वारा प्राथमिकता वाले क्षेत्र ऋण (पी.एस.एल.) के रूप में वर्गीकरण हेतु पात्र क्षेत्रों में करना होगा।
- एस.एफ.बी. को आर.बी.आई. के मानदंडों के अनुसार कैश रिज़र्व अनुपात (सी.आर.आर.) और वैधानिक तरलता अनुपात (एस.एल.आर.) को बनाए रखना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –बैंकिंग और संशोधन

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>भितरकनिका जनगणना</u>**

- ओडिशा के भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और केंद्रपारा जिले में इसके आस-पास के इलाकों के जल निकायों में समुद्री या नदी के मुहाने से संबद्ध मगरमच्छों की आबादी बढ़ गई है।

भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान के संदर्भ में जानकारी

- यह पूर्वी भारत में ओडिशा में पूर्वोत्तर केंद्रपारा जिले में स्थित है।
- इसे 16 सितंबर, 1998 को नामित किया गया था और 19 अगस्त, 2002 को रामसर साइट का दर्जा प्रदान किया गया था।
- इस क्षेत्र को चिलिका झील के बाद राज्य के दूसरी रामसर साइट के रूप में भी नामित किया गया है।
- राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्य ब्राह्मणी, बैतरणी, धामरा, पाथसाला नदियों से घिरा हुआ है।
- यह कई सदाबहार प्रजातियों की मेजबानी करता है और यह भारत में दूसरा सबसे बड़ा सदाबहार पारिस्थितिकी तंत्र है।

मगरमच्छ प्रजातियों के संदर्भ में जानकारी

- भारत में ओडिशा एक मात्र ऐसा राज्य है, जहां मगरमच्छ की तीनों प्रजातियां- घड़ियाल, मगर और समुद्री मगरमच्छ पाई जाती हैं।

आई.यू.सी.एन. के अनुसार इन विभिन्न प्रजातियों की स्थिति:

- मगर को कमजोर के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- समुद्री मगरमच्छ को न्यूनतम चिंतनीय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- घड़ियाल को गंभीर रूप से लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

7. **<u>तुलु</u>**

- हाल ही में, कार्यकर्ता तुलु को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने का प्रयास कर रहे हैं।

तुलु के संदर्भ में जानकारी

- तुलु, भाषाई भेदभाव का एक पाठ्यपुस्तक उदाहरण है।
- तुलु, एक द्रविड़ भाषा है, जिसके बोलने वाले कर्नाटक के दो तटीय जिलों और केरल के कासरगोड जिले में सीमित हैं।
- वर्तमान में तुलु भाषाई बहुसंख्यक क्षेत्र, तुलु नाडु के क्षेत्र तक ही सीमित है, जिसमें कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिले और केरल के कासरगोड जिले के उत्तरी भाग में पयास्वानी या चंद्रगिरि नदी शामिल है।
- मंगलुरू, उडुपी और कासरगोड शहर तुलु संस्कृति के केंद्र हैं।
- जनगणना में भारत में तुलु के 18,46,427 देशी वक्ता दर्ज किए गए हैं।
- तुलु भाषी लोग, मणिपुरी और संस्कृत बोलने वाले लोगो की तुलना में अधिक हैं, जिन्हें आठवीं अनुसूची का दर्जा प्राप्त है।

संविधान की आठवीं अनुसूची के संदर्भ में जानकारी

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 344(1) और 351 के अनुसार, भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 अनुसूचित भाषाएं शामिल है।
- ये असमिया, बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, मराठी, उडिया, पंजाबी, संस्कृत, तमिल, तेलुगु, उर्दू, सिंधी (21वां संशोधन अधिनियम, 1967 द्वारा जोड़ा गया), कोंकणी, मणिपुरी, नेपाली (71वें संविधान संशोधन 1992 द्वारा जोड़ा गया), बोडो, डोगरी, मैथिली, संथाली (92वें संशोधन 2003 द्वारा जोड़ा गया) हैं।
- सूची में मूल रूप से 14 भाषाएं थीं लेकिन बाद में संशोधनों के माध्यम से 8 नई भाषाओं को जोड़ा गया है।
- संविधान के अनुच्छेद 29 में यह प्रावधान है कि नागरिकों के एक वर्ग को एक अलग भाषा, लिपि या संस्कृति के संरक्षण का अधिकार है।

नोट:

- रॉबर्ट कैल्डवेल (1814-1891) ने अपनी पुस्तक, ए कम्पेरेटिव ग्रामर ऑफ़ द द्रविड़ियन या साउथ-इंडियन फैमिली ऑफ़ लैंग्वेजेस में तुलु को "द्रविड़ परिवार की सबसे उच्च विकसित भाषाओं में से एक" कहा गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

08.01.2020

1. **राष्ट्रीय आय 2019-20 का पहला अग्रिम अनुमान**

- सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एन.एस.ओ.) ने नियत (2011-12) और वर्तमान कीमतों दोनों पर राष्ट्रीय आय के पहले अग्रिम अनुमान जारी किए हैं।
- यह वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) के व्यय घटकों के संगत अनुमानों के साथ है।
- वित्त वर्ष 2020 के लिए पहले अग्रिम अनुमान ने सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 5 प्रतिशत पर रखी है।
- अग्रिम अनुमान के संकलन हेतु दृष्टिकोण, बेंचमार्क-संकेतक विधि पर आधारित है।

सकल घरेलू उत्पाद:

- 2018-19 में 6.8 प्रतिशत की विकास दर की तुलना में 2019-20 के दौरान वास्तविक जी.डी.पी. की वृद्धि दर 5.0 प्रतिशत अनुमानित की गई है।

आधारभूत मूल्यों पर सकल मूल्य वर्धित (जी.वी.ए.):

- 2019-20 में वास्तविक जी.वी.ए. की अनुमानित वृद्धि 4.9 प्रतिशत है जब कि 2018-19 में 6.6 प्रतिशत थी।

राष्ट्रीय आय:

- विकास दर के संदर्भ में, राष्ट्रीय आय ने पिछले वर्ष की वृद्धि दर 11.3 प्रतिशत की तुलना में 2019-20 में 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की है।

2019-20 के दौरान प्रति व्यक्ति कुल राष्ट्रीय आय

- 2018-19 के दौरान 10 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ 1, 26,406 की तुलना में 6.8 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ यह 1,35,050 अनुमानित की गई है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू

2. **ईरान अधिक समय तक परमाणु समझौते की सीमा का पालन नहीं करेगा**

- हाल ही में, ईरान ने घोषणा की है कि वह अब समझौते में निहित प्रतिबंधों तक ही सीमित नहीं रहेगा, जिसे संयुक्त व्यापक कार्य योजना या जे.सी.पी.ओ.ए. के रूप में जाना जाता है।
- इस समझौते को 2016 में लागू किया गया था, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों को प्रगतिशील रूप से हटाने के बदले में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोक दिया गया था।

ईरान परमाणु समझौते के संदर्भ में जानकारी

- ईरान परमाणु समझौते (या संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जे.सी.पी.ओ.ए.)) पर ईरान और पी.5, प्लस जर्मनी और यूरोप के बीच 2015 में हस्ताक्षर किए गए थे।
- पी.5 में यू.एन.एस.सी. के पांच स्थायी सदस्य (अमेरिका, चीन, फ्रांस, रूस और यू.के.) हैं।
- इस समझौते का उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अंकुश लगाना था।

समझौते के अंतर्गत:

- ईरान के अधिकांश समृद्ध यूरेनियम को देश से बाहर भेज दिया गया था।
- एक भारी जल सुविधा को निष्क्रिय कर दिया गया था।

- परिचालन परमाणु सुविधाओं को अंतर्राष्ट्रीय निरीक्षण के अंतर्गत लाया गया था।
- इसके बदले में, इस समझौते में ईरान से अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों को हटाना शामिल था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

3. **<u>सेना, दक्षता बढ़ाने के लिए जी.ओ.सी.ओ. मॉडल पर काम कर रही है।</u>**

- सेना ने अपनी मूलभूत कार्यशालाओं और संचालन दक्षता में सुधार करने वाले आयुध डिपो के लिए सरकार के स्वामित्व वाले अनुबंधकर्ता संचालित (जी.ओ.सी.ओ.) मॉडल को लागू करने के लिए संभावित उद्योग साझेदारों की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू की है।
- इन संवादो के एजेंडे को इच्छुक उद्योग के प्रतिभागियों से समझे जाने वाले अवसरों और मुद्दों/ चिंताओं पर विचार करना होगा, यदि (आर्मी बेस वर्कशॉप) ए.बी.डब्ल्यू. (s) को जी.ओ.सी.ओ. मॉडल के अंतर्गत संचालित करना है।
- पहचाने गए आठ ए.बी.डब्ल्यू. दिल्ली, जबलपुर (मध्य प्रदेश), कांकिनारा (पश्चिम बंगाल), इलाहाबाद, आगरा और मेरठ (उत्तर प्रदेश), पुणे के निकट किरकी और बैंगलुरू में स्थित हैं।
- जी.ओ.सी.ओ. मॉडल, "लड़ाकू क्षमता बढ़ाने और रक्षा व्यय को पुन: संतुलित करने हेतु" लेफ्टिनेंट जनरल डी.बी. शेखटकर (सेवानिवृत्त) समिति की सिफारिशों में से एक थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना</u>**

- महाराष्ट्र, देश का पहला राज्य है जिसने प्रधानमंत्री फ़सल बीमा योजना (पी.एम.एफ.बी.वाई.) के वेब पोर्टल के साथ अपने भूमि रिकॉर्ड को समेकित रूप से एकीकृत किया है।
- यह एकीकरण 2019-20 रबी सीजन के दौरान किया गया है, जिससे किसानों नामांकन केंद्रों पर अपनी भूमि का विवरण ऑनलाइन प्राप्त कर सकते है।
- इस योजना के अंतर्गत दावों के भुगतान के मामले में भी महाराष्ट्र देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के संदर्भ में जानकारी

- इसे 2016 में लॉन्च किया गया था जो मौजूदा दो योजनाओं- राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना के साथ-साथ संशोधित एन.ए.आई.एस. को प्रतिस्थापित करेगी।
- पी.एम.एफ.बी.वाई. का लक्ष्य फसल की विफलता हेतु एक व्यापक बीमा कवर प्रदान करना है, जिससे किसानों की आय को स्थिर करने में मदद मिलेगी।
- इस योजना का संचालन कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा किया जाता है।

योजना की विशेषताएं:

- यह योजना किसानों द्वारा खरीफ फसलों के लिए 2% का एक समान प्रीमियम और रबी फसलों के लिए 1.5% का प्रीमियम का भुगतान करने की परिकल्पना करती है।
- वार्षिक वाणिज्यिक और बागवानी फसलों के लिए प्रीमियम 5% होगा।
- यह योजना उन किसानों के लिए अनिवार्य है जिन्होंने बैंकों से संस्थागत ऋण लिया है।
- यह उन किसानों के लिए वैकल्पिक है जिन्होंने संस्थागत ऋण नहीं लिया है।

कवर किए गए किसान

- मौसम के दौरान अधिसूचित क्षेत्र में अधिसूचित फसल उगाने वाले सभी किसान जिनकी फसल में बीमा योग्य रुचि है, वे इस योजना के पात्र हैं।

अनिवार्य कवरेज

- अधिसूचित क्षेत्र में अधिसूचित फसल की खेती पर बीमा योग्य ब्याज के अधिकार के अधीन योजना

के अंतर्गत नामांकन, किसानों की निम्नलिखित श्रेणियों के लिए अनिवार्य होगा:

- अधिसूचित क्षेत्र के किसान जिनके पास फसली ऋण खाता/ के.सी.सी. खाता (लोनी किसान के रूप में कहा जाता है) जिनके पास फसल के मौसम के दौरान अधिसूचित फसल के लिए ऋण सीमा स्वीकृत/ नवीनीकृत है।

स्वैच्छिक कवरेज

- फसल के.सी.सी./ फसल ऋण खाताधारकों सहित उपर्युक्त सभी किसानों द्वारा स्वैच्छिक कवरेज प्राप्त की जा सकती है, जिनकी क्रेडिट सीमा का नवीनीकरण नहीं किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वपूर्ण योजना

स्रोत- पी.आई.बी.

5. **<u>'नसीम-अल-बहर' का 12वां संस्करण</u>**

- ओमान के रॉयल नेवी (आर.एन.ओ.) का जहाज हाल ही में इंडो-ओमान द्विपक्षीय नौसेना युद्धाभ्यास 'नसीम-अल-बहर' के 12वें संस्करण में भाग लेने के लिए गोवा आया है।
- यह 1993 से आयोजित किया जा रहा है।

ओमान के साथ अन्य युद्धाभ्यास

ईस्टर्न ब्रिज युद्धाभ्यास

- यह एक वायुसेना युद्धाभ्यास है जो भारत और ओमान के बीच आयोजित किया जाता है।

अल-नजह युद्धाभ्यास

- यह भारत और ओमान के बीच आयोजित एक सैन्य युद्धाभ्यास है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- पी.आई.बी.

6. **<u>ग्रेट इंडियन बस्टर्ड</u>**

- विश्व स्तर पर मुश्किल से 150 ग्रेट इंडियन बस्टर्ड पक्षियों के जीवित होने का अनुमान है, लगभग चार वर्ष पहले शुरू किया गया एक प्रमुख संरक्षण प्रयास उम्मीद की किरण ला रहा है।
- पिछले वर्ष, जैसलमेर के डेजर्ट नेशनल पार्क से 9 जी.आई.बी. अंडे एकत्र किए गए थे, जहां एक संरक्षण केंद्र स्थापित किया गया है और चूजों के अच्छा प्रदर्शन करने की सूचना है।
- यह दुनिया में किसी भी जी.आई.बी. संरक्षण कार्यक्रम द्वारा छह महीने के भीतर रिपोर्ट की गई सबसे बड़ी अंडे सेने की संख्या है।
- पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यू.आई.आई.), देहरादून जी.आई.बी. को बचाने के लिए काम कर रहे हैं।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के संदर्भ में जानकारी

- इन पक्षियों का वैज्ञानिक नाम अरडियोटिसनीग्राइसेप्स है।
- यह मुख्य रूप से भारतीय उपमहाद्वीप में पाया जाता है।
- इसकी आबादी ज्यादातर राजस्थान और गुजरात तक ही सीमित है। एक छोटी आबादी महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में भी है।
- यह राजस्थान का राज्य पक्षी है।

संरक्षण स्तर:

- इसे आई.यू.सी.एन. रेड लिस्ट में गंभीर रूप से लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- इसे भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची 1 में सूचीबद्ध किया गया है।
- यह सी.आई.टी.ई.एस. के परिशिष्ट I में सूचीबद्ध किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>एन.एस.ई. शाखा ने वित्तीय क्षेत्र की सेवा हेतु ए.आई.- पावर्ड नॉलेज हब लॉन्च किया है।</u>**

- केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग और रेल मंत्री ने 'एन.एस.ई. नॉलेज हब' का उद्घाटन किया है।

एन.एस.ई. नॉलेज हब के संदर्भ में जानकारी

- एन.एस.ई. नॉलेज हब को एन.एस.ई. अकादमी द्वारा विकसित किया गया है, जो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एन.एस.ई.) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।
- यह प्लेटफार्म अपने कर्मचारियों के कौशल संवर्धन में बैंकिंग, वित्तीय, प्रतिभूतियों और बीमा (बी.एफ.एस.आई.) क्षेत्र की सहायता करना चाहता है।
- यह वित्तीय सेवा उद्योग के लिए भविष्य में तैयार प्रतिभाओं को तैयार करने में अकादमिक संस्थानों की भी मदद करता है।
- भारत को दुनिया के दूसरे सबसे बड़े फिन-टेक हब के रूप में मान्यता प्राप्त है, आज इस पहल को हमें प्रथम स्थान पर ले जाना चाहिए।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के संदर्भ में जानकारी

- यह भारत का प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज है, जो मुंबई में स्थित है।
- एन.एस.ई. की स्थापना 1992 में देश में पहले डिमुच्युलाइज्ड इलेक्ट्रॉनिक एक्सचेंज के रूप में की गई थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>वार्षिक समीक्षा 2019- कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण मंत्रालय</u>**

- वर्ष 2019 के दौरान कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग की प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं:

<u>प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना (पी.एम.-के.एम.वाई.) की शुरूआत</u>

- 12 सितंबर, 2019 को प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन की गई पी.एम.-के.एम.वाई. 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर पात्र लघु और सीमांत किसानों को प्रति माह न्यूनतम 3000 रू/- का भुगतान करने का प्रावधान करती है।
- यह एक स्वैच्छिक और अंशदायी पेंशन योजना है, जिसमें प्रवेश करने की आयु 18 से 40 वर्ष है।
- किसान द्वारा किया जाने वाला मासिक योगदान 55 से 200 रुपये के बीच हो सकता है।
- केंद्र सरकार भी पेंशन योजना में एक समान राशि का योगदान करेगी।

<u>प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का शुभारंभ (PM-KISAN)</u>

- प्रधानमंत्री द्वारा 24 फरवरी, 2019 को पी.एम.-किसान योजना का उद्घाटन किया गया था।
- यह कुल 6000 रूपए की धनराशि को 2000 रूपए प्रत्येक की तीन समान किश्तों में सीधे लाभार्थी किसान परिवार के बैंक खाते में हस्तांतरित करेगी।
- इस योजना ने शुरू में केवल छोटे और सीमांत किसान परिवारों को लाभार्थियों के रूप में 2 हेक्टेयर तक की भूमि के साथ शामिल किया था, जो उच्च-आय की स्थिति के लिए कुछ निश्चित बहिष्करण मानदंडों के अधीन था।
- सरकार ने बाद में योजना को 1 अप्रैल, 2019 से सभी किसान परिवारों के लिए भूमि के आकार, लागू बहिष्करण मानदंडो के अधीन के निरपेक्ष विस्तारित किया है।
- किसानों को स्व-पंजीकरण की सुविधा प्रदान करने हेतु 'किसान कॉर्नर' लिंक के माध्यम से पी.एम.-किसान वेब-पोर्टल (pmkisan.gov.in) पर एक नई सुविधा प्रदान की गई है।

ई-एन.ए.एम.-एक राष्ट्र एक बाजार

- राष्ट्रीय कृषि बाजार या ई-एन.ए.एम., भारत में कृषि वस्तुओं के लिए एक ऑनलाइन व्यापारिक प्लेटफॉर्म है।
- बाजार किसानों, व्यापारियों और खरीदारों को वस्तुओं में ऑनलाइन व्यापार की सुविधा प्रदान करता है।
- बाजार बेहतर कीमत की खोज में मदद कर रहा है और उनकी उपज के सुचारू विपणन के लिए सुविधाएं प्रदान कर रहा है।

- ई-एन.ए.एम. के अंतर्गत एकीकरण के लिए 421 नई मंडियों को मंज़ूरी प्रदान की गई है। इनके साथ ही, ई-एन.ए.एम. पोर्टल पर एफ.पी.ओ. भी लगाया गया है।

अन्य पहलें और उपलब्धियां:

- बहुभाषी मोबाइल ऐप "सी.एच.सी.-फार्म मशीनरी" लॉन्च किया गया था, जो किसानों की उनके क्षेत्र में कस्टम हायरिंग सेवा केंद्रों (सी.एच.सी.) के माध्यम से किराए पर कृषि मशीनरी प्राप्त करने में मदद करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

09.01.2020

1. **नेटस्कोफैन (खाद्य सुरक्षा एवं अनुप्रयुक्त पोषण के लिए वैज्ञानिक सहयोग हेतु नेटवर्क)**

- हाल ही में, स्वास्थ्य मंत्री ने खाद्य सुरक्षा और अनुप्रयुक्त पोषण के लिए वैज्ञानिक सहयोग हेतु नेटवर्क लॉन्च किया है।

नेटस्काफैन के संदर्भ में जानकारी

- यह उन अनुसंधान और शैक्षणिक संस्थानों का एक नेटवर्क है जो खाद्य और पोषण के क्षेत्र में काम कर रहे हैं जो एफ.एस.एस.ए.आई. द्वारा प्रदान किया जाता है।
- नेटस्कोफैन में विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले संस्थानों के आठ समूह शामिल होंगे।
- जैविक
- रासायनिक
- पोषण और लेबलिंग
- पशु मूल का भोजन
- पौधे मूल का भोजन
- पानी और पेय पदार्थ
- खाद्य परीक्षण
- और सुरक्षित एवं टिकाऊ पैकेजिंग

एफ.एस.एस.ए.आई. के संदर्भ में जानकारी

- भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण, भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत स्थापित एक स्वायत्त निकाय है।
- एफ.एस.एस.ए.आई. को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत स्थापित किया गया है जो भारत में खाद्य सुरक्षा और विनियमन से संबंधित एक समेकित क़ानून है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –स्वास्थ्य

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **इसरो का मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र चल्लाकेरे में स्थापित किया जाएगा**

- अंतरिक्ष यात्रियों के प्रशिक्षण के लिए भारत की विश्व स्तरीय सुविधा तीन वर्ष में कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले में बेंगलुरू-पुणे एन.एच.4 पर एक झाड़ीदार, शुष्क तिलहन शहर में स्थापित की जाएगी।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक शीर्ष बुनियादी ढाँचा बनाने के लिए 2,700 करोड़ के मास्टर प्लान का प्रस्ताव दिया है जो अपने युवा मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र (एच.एस.एफ.सी.) को संचालित करेगा।

मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र के संदर्भ में जानकारी

- मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र भारतीय मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के समन्वय के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अंतर्गत एक निकाय है।
- यह संस्था गगनयान परियोजना के कार्यान्वयन हेतु जिम्मेदार होगी।
- पहले चालक दल की उड़ान दिसंबर, 2021 को एक घरेलू-विकसित जी.एस.एल.वी.-तृतीय रॉकेट के लिए योजना बनाई गई थी।

नोट:

- चल्लाकेरे को साइंस सिटी भी कहा जाता है, यह इसरो, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के उन्नत वैमानिकी परीक्षण रेंज, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र और भारतीय विज्ञान संस्थान की सुविधाओं का केंद्र हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

3. <u>तात्कालिक सुधारात्मक कार्रवाई</u>

- भारतीय रिज़र्व बैंक (आर.बी.आई.) ने शहरी सहकारी बैंकों (यू.सी.बी.) पर वित्तीय स्थिति के बिगड़ने के लिए प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है, जो तात्कालिक सुधारात्मक कार्रवाई (पी.सी.ए.) ढांचे के अनुरूप है, जो वाणिज्यिक बैंकों पर लगाया गया है।
- इस संशोधित पर्यवेक्षी कार्रवाई ढांचे (एस.ए.एफ.) के अंतर्गत, यू.सी.बी. को तीन मापदंडों के बिगड़ने के लिए प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा:
  - जब कुल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियाँ, कुल अग्रिमों के 6% से अधिक हो जाती हैं।
  - जब वे लगातार दो वित्तीय वर्षों के लिए नुकसान उठाते हैं या अपनी बैलेंस शीट पर नुकसान संचित करते हैं।
  - यदि पूंजी पर्याप्तता अनुपात 9% से नीचे आ जाता है।

ऐसी जोखिम सीमाओं के उल्लंघन हेतु

- यू.सी.बी. को कुल-एन.पी.ए. को 6% से कम करने जैसी स्थिति को ठीक करने के लिए बोर्ड द्वारा अनुमोदित कार्य योजना प्रस्तुत करने के लिए कहा जाएगा।
- यू.सी.बी. के बोर्ड को तिमाही/ मासिक आधार पर कार्य योजना के अंतर्गत प्रगति की समीक्षा करने और आर.बी.आई. को समीक्षा के बाद की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा जाएगा।
- आर.बी.आई., किसी अन्य बैंक के साथ यू.सी.बी. का विलय करने या सी.ए.आर. के 9% से कम होने पर स्वयं को क्रेडिट सोसाइटी में परिवर्तित करने के लिए बोर्ड द्वारा अनुमोदित प्रस्ताव की तलाश कर सकता है।
- यह किसी भी जोखिम सीमा का उल्लंघन होने पर पूर्व अनुमोदन के बिना लाभांश या दान की घोषणा या भुगतान पर प्रतिबंध लगा सकता है।
- कुछ अन्य प्रतिबंधों में एक निश्चित सीमा से अधिक पूंजीगत व्यय और बैलेंस शीट के विस्तार पर होने वाले अग्रिम जिन पर जोखिम 100% से अधिक हो तो एसे नए ऋणों और अग्रिमों को प्रतिबंधित करना शामिल है।

तात्कालिक सुधारात्मक कार्रवाई के संदर्भ में जानकारी

- **तात्कालिक सुधारात्मक कार्रवाई** या पी.सी.ए. एक ढांचा है जिसके अंतर्गत कमजोर वित्तीय मैट्रिक्स वाले बैंकों को आर.बी.आई. द्वारा निगरानी में रखा जाता है।
- पी.सी.ए. ढांचा बैंको को जोखिम भरा मान लेता है यदि वे तीन मानकों पर मानदंडों से नीचे खिसक जाते हैं:
  - पूंजी अनुपात
  - संपत्ति गुणवत्ता
  - लाभप्रदता
- इसके तीन जोखिम सीमा स्तर (1 सबसे कम और 3 उच्चतम) है, जहां बैंक को इन अनुपातों पर परखा जाता है।
- 25 प्रतिशत से कम लेकिन 7.75 प्रतिशत से अधिक पूंजी और कम जोखिम वाले परिसंपत्ति अनुपात (सी.आर.ए.आर.) वाले बैंक को सीमा 1 के अंतर्गत आते है।
- 25 प्रतिशत से अधिक लेकिन 7.75 प्रतिशत से कम सी.आर.ए.आर. वाले बैंक सीमा 2 में आते हैं।
- यदि बैंक की कॉमन इक्विटी टियर 1 (सी.आर.ए.आर. के अंतर्गत अरक्षित न्यूनतम

पूंजी) 625 प्रतिशत से कम हो जाती है तो इसे सीमा स्तर 3 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है।

- जिन बैंकों का कुल एन.पी.ए. 6 प्रतिशत या उससे अधिक लेकिन 9 प्रतिशत से कम है वे सीमा 1 और जिन बैंको का एन.पी.ए. 12 प्रतिशत या अधिक है वे सीमा स्तर 3 के अंतर्गत आते हैं।
- लाभप्रदता पर, परिसंपत्तियों पर लगातार दो, तीन और चार वर्षों से ऋणात्मक रिटर्न वाले बैंक क्रमशः सीमा 1, सीमा 2 और सीमा 3 के अंतर्गत आते हैं।

यह महत्वपूर्ण क्यों है?

- पी.सी.ए. का उद्देश्य यदि कोई बैंक परेशानी में पड़ रहा है तो विनियामक के साथ-साथ निवेशकों और जमाकर्ताओं को सचेत करने में मदद करना है।
- संकट अनुपात प्राप्त करने से पहले समस्याओं को रोकने का विचार है।
- बैंक के वित्तीय स्वास्थ्य को बहाल करने के लिए अनिवार्य रूप से पी.सी.ए., आर.बी.आई. की बैंकों के प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों की निगरानी करने और सुधारात्मक उपाय करने में मदद करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –बैंकिंग

स्रोत- टी.ओ.आई.

4. **<u>नियॉन: दुनिया का पहला कृत्रिम मानव</u>**

- हाल ही में, सी.ई.एस. 2020 में सैमसंग समर्थित स्टार लैब्स ने दुनिया का पहला कृत्रिम मानव पेश किया है जिसे नियॉन के रूप में जाना जाता है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) दुनिया में नवीनतम प्रविष्टि है।

नियॉन के संदर्भ में जानकारी

- नियॉन या नियॉन्स पर वास्तविक मनुष्यों की तरह संवाद और विश्वास कर सकते हैं।
- यह नियमित बॉट्स या कमर्शियल ए.आई. जैसे गूगल असिस्टेंट और अमेजन अलेक्सा के समान नहीं है, जो यूजर्स को मौसम का अपडेट या म्यूजिक प्ले करने को कहते हैं।
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता हिंदी, स्पेनिश और अन्य भाषाओं को भी समझता है।
- यह एक मालिकाना प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म, कोर आर 3 पर चलता है, जहां आर 3 रियलिटी, रियलटाइम और रिस्पांसिबिलिटी को दर्शाता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में जानकारी

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीनों में निहित बुद्धिमत्ता है।
- यह कंप्यूटर विज्ञान की एक शाखा है जो कंप्यूटर या मशीनों को इंसानों की तरह बुद्धिमान बनाने से संबंधित है।
- यह सीखने (सूचना का उपयोग करने के लिए सूचना और नियमों का अधिग्रहण), तर्क (अनुमानित या निश्चित निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए नियमों का उपयोग करना) और मशीनों, विशेष रूप से कंप्यूटर सिस्टम द्वारा आत्म-सुधार जैसी मानव बुद्धिमत्ता प्रक्रियाओं का एक अनुकरण है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- एच.टी.

5. **<u>TOI 700d ग्रह</u>**

- हाल ही में, नासा ने पृथ्वी के आकार के एक ग्रह की खोज की है, जिसका नाम TOI 700d है, जो "निवास योग्य क्षेत्र" में अपने तारे की परिक्रमा कर रहा है।
- यह ग्रह नासा के ट्रांसिटिंग एक्सोप्लेनेट सर्वेक्षण उपग्रह (टी.ई.एस.एस.) मिशन द्वारा खोजा गया था, जिसे 2018 में लॉन्च किया गया था।

TOI700 d ग्रह के संदर्भ में जानकारी

- यह पृथ्वी की तुलना में 20% बड़ा है।
- यह प्रत्येक 37 दिनों में एक बार अपने तारे की परिक्रमा करता है और सूर्य द्वारा पृथ्वी को प्रदान

की जाने वाली ऊर्जा के 86% के बराबर ऊर्जा की मात्रा प्राप्त करता है।

- तारा, TOI700, एक "एम. बौना" है जो कि दक्षिणी नक्षत्र डोरैडो में सिर्फ 100 प्रकाशवर्ष दूर स्थित है, यह हमारे सूर्य के द्रव्यमान और आकार का लगभग 40% है और इसका तापतान, पृथ्वी की सतह के तापमान का लगभग आधा है।
- TOI 700 d सबसे बाहरी ग्रह है और तारों के रहने योग्य क्षेत्र में एकमात्र ग्रह है।

नोट:

गोल्डीलॉक्स जोन के संदर्भ में जानकारी

- एक रहने योग्य क्षेत्र है, जिसे "गोल्डीलॉक्स ज़ोन" भी कहा जाता है, यह एक तारे के आसपास का क्षेत्र है जहाँ यह आस-पास के ग्रहों की सतह पर मौजूदर रहने हेतु द्रव पानी हेतु न तो बहुत गर्म है न ही बहुत ठंडा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>व्याख्या: जस कागेंस क्या है?</u>**

- हाल ही में, अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा ईरान के सांस्कृतिक स्थलों को निशाना बनाने के लिए दी गई धमकियों के बाद ईरान द्वारा जस कागेंस शब्द को लागू किया गया था।

जस कागेंस के संदर्भ में जानकारी

- जस कागेंस या जस कोजेन का लैटिन भाषा में अर्थ "बाध्यकारी कानून" है, यह अंतर्राष्ट्रीय कानून में नियम हैं जो कि अनुलंघनीय या आधिकारिक हैं और जिसका राज्य उल्लंघन नहीं कर सकते हैं।
- आज, अधिकांश राज्यों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने जस कॉगेंस के सिद्धांत को स्वीकार किया है, जो रोमन काल के समय का है।

पृष्ठभूमि

- 1969 और 1986 की संधियों के कानून पर वियना सम्मेलन द्वारा जस कॉगेंस नियमों को मंजूरी प्रदान की गई थी। दोनों सम्मेलनों के अनुसार, यह जस कॉगेंस नियमों का उल्लंघन करते हैं तो संधि निरस्त हो जाएगी।
- 1986 सम्मेलन का अनुच्छेद 64 ("सामान्य अंतरराष्ट्रीय कानून ("जस कोगेंस") के नए अनुलंघनीय मानदंडों का उदगमन ने कहा है कि यदि सामान्य अंतरराष्ट्रीय कानून का एक नया आदर्श मानदंड उभरता है तो कोई भी मौजूदा संधि जो उस मानक के विरोध में है वह निरस्त और समाप्त हो जाती है।"

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय समाचार

स्रोत-इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>2019 को 1901 से अब तक देश के सातवें सबसे गर्म वर्ष के रूप में दर्ज किया गया है: आई.एम.डी.</u>**

- भारत मौसम विभाग (आई.एम.डी.) के अनुसार, 2019 को 1901 से अब तक देश के सातवें सबसे गर्म वर्ष के रूप में दर्ज किया गया है लेकिन 2016 के सबसे अधिक गर्म वर्ष की तुलना में गर्मी काफी कम था।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- पूरे वर्ष के दौरान बिहार, सबसे अधिक प्रभावित राज्य था, जिसने भारी बारिश और बाढ़, हीटवेव, बिजली, आंधी और ओलावृष्टि के कारण लगभग 650 जनहानि दर्ज की हैं।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि इस वर्ष में भारतीय समुद्रों पर आठ चक्रवाती तूफान देखे गए हैं।
- अरब सागर ने प्रति वर्ष एक की सामान्य दर के मुकाबले इन आठ चक्रवातों में से पांच में योगदान दिया है, जो कि अरब सागर के ऊपर चक्रवातों की अधिकतम आवृत्ति के लिए 1902 के पिछले रिकॉर्ड के बराबर है।
- रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष 2016 (0.71 डिग्री सेल्सियस), 2009 (0.541 डिग्री सेल्सियस), 2017 (0.539 डिग्री सेल्सियस), 2010 (0.54 डिग्री सेल्सियस) और 2015 (0.42 डिग्री सेल्सियस) हैं।

- पूरे वर्ष के दौरान, पूरे देश में वार्षिक औसत सतह हवा का तापमान, औसत से 36 डिग्री सेल्सियस (1981-2010 की अवधि) से अधिक था।
- पूरे देश में 2019 में वार्षिक वर्षा 1961-2010 की अवधि के लिए लंबी अवधि के औसत (एल.पी.ए.) मान का 109 प्रतिशत थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- एच.टी.

8. **<u>चीनी पैडलफिश</u>**

- चीनी पैडलफिश (सेफुरस ग्लैडियस), एशिया की सबसे लंबे नदी, यांग्त्ज़ी की मूल निवासी है और चीनी वैज्ञानिकों द्वारा दुनिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की विलुप्त प्रजातियों में से एक के रूप में घोषित की गई है।
- इस मछली को आखिरी बार 2003 में देखा गया था।
- प्रजातियों की अंतिम मछलियों की 2005 और 2010 के बीच मृत्यु हो गई माना जाता है।

चीनी पैडलफिश के संदर्भ में जानकारी

- इन्हें चीनी स्वोर्डफ़िश के रूप में भी जाना जाता था, जो दुनिया की सबसे बड़ी मीठे पानी की मछली प्रजातियों में से एक थी।
- यह यांग्त्ज़ी नदी घाटी में रहती है।
- इसे 1996 के बाद से आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में गंभीर रूप से संकटग्रस्त के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- हालांकि, वैज्ञानिकों ने अब इसे विलुप्त प्रजाति घोषित कर दिया है।
- अमेरिकन पैडलफिश के साथ चीनी पैडलफिश एक निश्चिंत वंश के केवल दो अतिरिक्त सदस्य थे जो 34-75 मिलियन साल पहले सबसे विविध और व्यापक थे।

अमेरिकी पैडलफिश के संदर्भ में जानकारी

- यह मिसीसिपी नदी की मूल निवासी है।
- इस मछली की आई.यू.सी.एन. स्थिति कमजोर है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत-लाइवमिंट

9. **<u>केंद्र ने नए आद्रभूमि संरक्षण नियमों को अधिसूचित किया है।</u>**

- पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने नए आद्रभूमि संरक्षण नियमों को अधिसूचित किया है जो आद्रभूमि के भीतर निर्माण उद्योगों की स्थापना या विस्तार और विध्वंस कचरे के निपटान पर रोक लगाते हैं।
- मंत्रालय ने कहा है कि प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश को एक प्राधिकरण स्थापित करना होगा जो अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर आर्द्रभूमि के संरक्षण और बुद्धिमानीपूर्ण उपयोग के लिए रणनीतियों को परिभाषित करेगा।
- प्राधिकरण इन नियमों के प्रकाशन की तारीख से तीन महीने के भीतर राज्य या केंद्रशासित प्रदेश की सभी आद्रभूमियों की एक सूची तैयार करेगा।
- यह अधिसूचित आर्द्रभूमि और उनके प्रभाव क्षेत्र के भीतर विनियमित और अनुमत होने वाली गतिविधियों की एक व्यापक सूची विकसित करेगा।
- यह अधिसूचित आर्द्रभूमि की सीमा के भीतर भूमि के लिए संवर्धन गतिविधियों के माध्यम से पारिस्थितिक विशेषता के रखरखाव के लिए तंत्र की भी सिफारिश करेगा।

नोट:

- आर्द्रभूमि, एक भूमि क्षेत्र है जो या तो स्थायी रूप से या मौसमी रूप से पानी से संतृप्त होता है और यह एक विशिष्ट पारिस्थितिकी तंत्र की विशेषताओं पर निर्भर करता है।
- सबसे अधिक आर्द्रभूमि उत्तर प्रदेश (16) में हैं, उसके बाद मध्य प्रदेश (13), जम्मू और कश्मीर (12), गुजरात (8), कर्नाटक (7) और पश्चिम बंगाल (6) में स्थित हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत-ए.आई.आर.

10.01.2020

1. **भारत में एन.सी.आर.बी. वार्षिक अपराध रिपोर्ट 2018**

- हाल ही में, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो ने भारत में एन.सी.आर.बी. वार्षिक अपराध रिपोर्ट 2018 प्रकाशित की है।
- इसे अनंतिम आंकड़ों के साथ पांच राज्यों- पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और सिक्किम में प्रकाशित किया गया था।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- रिपोर्ट के अनुसार, देश में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 3,78,277 मामले दर्ज किए गए हैं जो 2017 में 3,59,849 मामलों से अधिक थे।
- उत्तर प्रदेश इस सूची में शीर्ष स्थान पर है इसके बाद महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल हैं।
- बलात्कार से संबंधित मामलों में दोषसिद्धि की दर 27.2% थी, हालांकि इस तरह के मामलों में चार्जशीट दाखिल करने की दर 85.3% थी।
- प्रति लाख जनसंख्या पर अपराध दर वर्ष 2017 में 388.6 से घटकर 2018 में 383.5 पर आ गई है।
- एन.सी.आर.बी. ने भारत में दुर्घटनावश मृत्यु और आत्म हत्या रिपोर्ट 2018 भी जारी की है, जिसमें बताया गया है कि वर्ष 2018 में कृषि क्षेत्र में काम करने वाले 10,349 लोगों ने आत्म हत्या कर ली है, जो देश में आत्महत्याओं की कुल संख्या का 7.7% है।
- अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से संबंधित अधिनियमों के अंतर्गत पंजीकृत घटनाओं में 2017 से 2018 में गिरावट देखी गई है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

2. **ऑपरेशन संकल्प**

- हाल ही में, भारतीय नौसेना ने 19 जून, 2019 को खाड़ी क्षेत्र में होर्मुज के जलडमरूमध्य के माध्यम से भारतीय ध्वज पोतों के सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित करने हेतु समुद्री सुरक्षा ऑपरेशन, कोड-नाम ऑपरेशन संकल्प शुरू किया था।
- रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, शिपिंग मंत्रालय और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय सहित सभी हितधारकों के साथ घनिष्ठ समन्वय से इस ऑपरेशन को आगे बढ़ाया जा रहा है।

होर्मुज़ के जलडमरूमध्य के संदर्भ में जानकारी

- होर्मुज जलसंधि, फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच एक जलडमरूमध्य है।
- यह फारस की खाड़ी से खुले सागर तक एकमात्र समुद्री मार्ग प्रदान करता है और यह दुनिया के रणनीतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण चोक प्वाइंटो में से एक है।
- उत्तरी तट पर ईरान और दक्षिणी तट पर संयुक्त अरब अमीरात और ओमान का एक एक्सक्लैव, मुसंदाम स्थित है।
- दुनिया की तरलीकृत प्राकृतिक गैस का एक तिहाई और कुल वैश्विक तेल खपत का लगभग 25% इस जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, जो इसे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण रणनीतिक स्थान बनता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

3. **राष्ट्रीय महिला सुरक्षा मिशन**

- हाल ही में, सरकार ने राष्ट्रीय महिला सुरक्षा मिशन (एन.एम.एस.डब्ल्यू.) के एक भाग के रूप में बलात्कार और पॉक्सो अधिनियम मामलों के त्वरित निपटान के लिए 1023 फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालयों की स्थापना की घोषणा की है।

राष्ट्रीय महिला सुरक्षा मिशन के संदर्भ में जानकारी

- राष्ट्रीय महिला सुरक्षा मिशन महिलाओं, विशेष रूप से नाबालिग लड़कियों के साथ अपराधों के संबंध में उभरती स्थितियों के प्रति एक विश्वसनीय प्रतिक्रिया विकसित करने में मदद करता है।
- यह जस्टिस, एम.एच.ए. जैसे हितधारक विभागों द्वारा बेहतर समन्वय के अतिरिक्त महिला सुरक्षा पर एक वास्तविक प्रभाव के साथ उपायों के समयबद्ध कार्यान्वयन पर भी ध्यान केंद्रित करना सुनिश्चित करेगा।
- यह मिशन निम्न विभागों के साथ समन्वय करेगा:
    - पाठ्यक्रम, स्वास्थ्य, महिला और बाल विकास, कानूनी मामलों में उचित परिवर्तन हेतु स्कूली शिक्षा
    - जागरूकता फैलाने हेतु मीडिया अभियान
    - समयबद्ध अभियोजन में मिशन स्तर पर निगरानी में सुधार करना
    - बलात्कार के मामलों और महिला सुरक्षा से संबंधित अन्य मामलों की जांच करना

नोट:

- योजना के अंतर्गत 12 राज्यों में 216 पॉक्सो अदालतें पहले ही शुरू हो चुकी हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 महिला मुद्दे

स्रोत- टी.ओ.आई.

4. **<u>एस.बी.आई. ने घर खरीदारों के लिए "गारंटी" योजना शुरू की है।</u>**

- देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, भारतीय स्टेट बैंक ने "खरीदार गारंटी के साथ आवासीय बिल्डर वित्त" (आर.बी.बी.जी.) योजना शुरू करने की घोषणा की है।
- इसका उद्देश्य आवासीय बिक्री को बढ़ावा देना और घर खरीददारों के आत्मविश्वास में सुधार करना है।
- इस योजना के अंतर्गत, एस.बी.आई. उन ग्राहकों को चुनिंदा आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने की गारंटी जारी करेगा, जिन्होंने इससे होम लोन लिया है।यह योजना प्रारंभ में 10 शहरों में 2.50 करोड़ रुपये तक की किफायती आवास परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करेगी। आर.आर.बी.जी. के अंतर्गत, बैंक द्वारा तब तक गारंटी दी जाएगी जब तक कि परियोजना को व्यवसाय प्रमाणपत्र (ओ.सी.) नहीं मिल जाता है।
- गारंटी, आर.ई.आर.ए. पंजीकृत परियोजनाओं के लिए उपलब्ध होगी और आर.ई.आर.ए. की समय सीमा के बाद एक परियोजना को निरस्त माना जाएगा।

रियल एस्टेट (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 के संदर्भ में जानकारी

- रियल एस्टेट (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 भारत की संसद का एक अधिनियम है जो घर-खरीदारों की रक्षा करने के साथ-साथ रियल एस्टेट उद्योग में निवेश को बढ़ावा देने में मदद करता है।
- इस अधिनियम ने रियल इस्टेट क्षेत्र के विनियमन के लिए प्रत्येक राज्य में रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (आर.ई.आर.ए.) की स्थापना की है और शीघ्र विवाद समाधान के लिए एक निर्णयन निकाय के रूप में भी कार्य करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र (महत्वपूर्ण योजनाएं)

स्रोत- ए.आई.आर.

5. **<u>अशफाकउल्ला खान</u>**

- हाल ही में, उत्तर प्रदेश सरकार ने घोषणा की है कि वह स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी शहीद अशफाकउल्ला खान के नाम पर गोरखपुर में 121 एकड़ का चिड़ियाघर बनाएगी।

अशफाकउल्ला खान के संदर्भ में जानकारी

- अशफाक ने ज्यादातर उर्दू में और कुछ हिंदी में, वरसी और हज़रत के नाम से कविताओं की रचना की है।
- वह हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन और काकोरी षड्यंत्र मामले से संबंधित थे।

हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के संदर्भ में जानकारी

- हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एच.एस.आर.ए.) एक क्रांतिकारी संगठन था, जिसे हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी के रूप में भी जाना जाता है।
- इसकी स्थापना 1928 में चंद्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह, सुखदेव थापर और रामप्रसाद बिस्मिल, योगेश चटर्जी द्वारा नई दिल्ली के फ़िरोज़ शाह कोटला में की गई थी।
- इससे पहले इसे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एच.आर.ए.) के नाम से जाना जाता था।

<u>काकोरी</u> <u>षड़यंत्र</u>

- अगस्त, 1925 में काकोरी एक्सप्रेस में एक सशस्त्र डकैती हुई थी, जो विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर एकत्र की गई धनराशि को लेकर शाहजहांपुर से लखनऊ जा रही थी और इस धनराशि को लखनऊ में जमा किया जाना था।
- 9 अगस्त, 1925 को संयुक्त प्रांत (अब उत्तर प्रदेश) के काकोरी शहर में हिंदुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन द्वारा लूट को अंजाम दिया गया था।
- काकोरी षड्यंत्र मामले में शामिल होने के लिए गिरफ्तार किए गए मुख्य स्वतंत्रता सेनानियों में राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान, रोशन सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद शामिल थे।
- मुकदमे के दौरान राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, राजेंद्र नाथ लाहिड़ी और अशफाकउल्ला खान को मौत की सजा दी गई थी और अन्य को आजीवन कारावास दिया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –इतिहास

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>एपिफेनी</u> <u>त्योहार</u>**

- एपिफेनी त्योहार भारत के कुछ हिस्सों जैसे कि गोवा और केरल में मनाया जाता था।

एपिफेनी त्योहारों के संदर्भ में जानकारी

- एपिफेनी, ईसाई धर्म में तीन सबसे पुराने और प्रमुख त्योहारों में से है, दो अन्य त्योहार क्रिसमस और ईस्टर हैं।
- यह त्योहार 6 जनवरी को रोमन कैथोलिक सहित कई ईसाई संप्रदायों द्वारा और 19 जनवरी को कुछ पूर्वी रूढ़िवादी चर्चों द्वारा मनाया जाता है।
- एपिफेनी, एक दावत का दिन या स्मरणोत्सव का दिन है, जो ईसाई धर्म में मागी (अर्थात तीन बुद्धिमान पुरुष या तीन राजा) की यात्रा को शिशु यीशु (जन्म से 12 वर्ष की आयु तक उसका मसीहा) के रूप में चिह्नित करता है।
- गोवा में, इस उत्सव को इसके पुर्तगाली नाम 'फेस्टा डॉस रीस' और केरल के कुछ हिस्सों में इसके सिरियाक नाम 'देन्हा' के नाम से जाना जाता है।
- ईसाई मान्यता के अनुसार, मागी- बलथासर, मल्चियर और गस्पार (या कैस्पर) क्रमशः अरब, फारस और भारत के राजाओं ने बेथलहम के एक चमत्कारी मार्गदर्शक तारे का अनुसरण किया था, जहां उन्होंने शिशु यीशु को श्रद्धांजलि अर्पित की थी।
- यह दिन जॉर्डन नदी में यीशु के बपतिस्मा को भी याद करता है।
- केरल में, पिरावोम में सेंट मैरी ऑर्थोडॉक्स सीरियन कैथेड्रल में, देन्हा, एक महत्वपूर्ण वार्षिकोत्सव है, जिसमें एक बड़ी संख्या में लोग भाग लेते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- पी.आई.बी.

7. **<u>6वां</u> <u>संयुक्त</u> <u>नौसैनिक</u> <u>युद्धाभ्यास:</u> <u>सी</u> <u>गार्डियन</u>**

- चीन और पाकिस्तान की नौसेनाएं अरब सागर में नौ दिवसीय, सी गार्डियन युद्धाभ्यास कर रही हैं।
- सी गार्डियन-2020 युद्धाभ्यास का उद्देश्य निम्न को बढ़ावा देना है:
- दोनों देशों का सैन्य सहयोग

- उनकी सभी मौसम में रणनीतिक सहयोगी भागीदारी को बढ़ाना
- एक सुरक्षित समुद्री वातावरण का निर्माण करना और समुद्री आतंकवाद और अपराध से निपटने के लिए दोनों नौसेनाओं की क्षमता को बढ़ाना
- यह युद्धाभ्यास चीन और पाकिस्तान के बीच पहला युद्धाभ्यास है, जिसमें पनडुब्बी रोधी और पनडुब्बी बचाव प्रशिक्षण दिया जाएगा।

संबंधित जानकारी

- अरब सागर क्षेत्र, भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है क्यों कि कांडला, ओखा, मुंबई, न्हावा शेवा (नवी मुंबई), मोरमुगाओ, न्यू मंगलौर और कोच्चि सहित प्रमुख बंदरगाह यहां स्थित हैं।
- यह युद्धाभ्यास चीन के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है जो अब यहां पर पाकिस्तान के डीपवाटर ग्वादर बंदरगाह को विकसित कर रहा है।
- ग्वादर को चीन के शिनजियांग प्रांत में 60 बिलियन डॉलर से अधिक के चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सी.पी.ई.सी.) के माध्यम से जोड़ा जा रहा है, जिससे अरब सागर के गर्म पानी का उपयोग करने के लिए चीन को एक महत्वपूर्ण भूमि मार्ग उपलब्ध कराया जा रहा है।

भारत की चिंता

- ग्वादर बंदरगाह, ईरान के चाबहार बंदरगाह के करीब स्थित है, जिसे अफगानिस्तान को भारतीय निर्यात के लिए एक व्यापार गलियारा सुनिश्चित करने के लिए ईरान, भारत और अफगानिस्तान द्वारा संयुक्त रूप से बनाया गया है।
- अरब सागर, हिंद महासागर में प्रवेश प्रदान करता है जहां चीन ने वर्तमान में अफ्रीका के हॉर्न में जिबूती में एक रसद बेस बनाया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- पी.आई.बी.

8. **<u>माधवपुर मेला</u>**

- उत्तरी पूर्वी क्षेत्र के आठ राज्य 2020 में होने वाले गुजरात के माधवपुर मेले के दौरान बड़े पैमाने पर भाग लेंगे।

माधवपुर मेले के संदर्भ में जानकारी

- गुजरात का माधवपुर मेला, अरुणाचल प्रदेश की मिश्मी जनजाति से संबंधित है।
- मिश्मी जनजाति पौराणिक राजा भीष्मक और उसके माध्यम से अपनी बेटी रुक्मिणी और भगवान कृष्ण के पास अपने वंश का पता लगाती है।
- यह त्योहार, अमर यात्रा का उत्सव मनाता है जो रुक्मिणी ने भगवान कृष्ण के साथ अरुणाचल प्रदेश से गुजरात तक की थी।
- निचली दिबांग घाटी जिले के रोइंग के पास स्थित भीष्मकनगर का उल्लेख भी कालिका पुराण में मिलता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- ए.आई.आर.

13.01.2020

1. **<u>सरकार, कोयले की खानों की नीलामी को आसान बनाने के लिए कानूनों में संशोधन हेतु अध्यादेश घोषित करेगी।</u>**

- सरकार ने कोयला खानों की नीलामी को आसान बनाने के लिए खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) (एम.एम.डी.आर.) अधिनियम, 1957 और कोयला खान (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 2015 में संशोधन हेतु अध्यादेश की घोषणा की है।

अधिनियमों में संशोधन निम्नलिखित को सक्षम करेंगे:

- व्यापार करने में सुगमता को बढ़ायेंगे
- निवेश करने के इच्छुक प्रत्येक व्यक्ति के लिए कोयला खनन क्षेत्र को खोलकर उसका लोकतंत्रीकरण करना

- पूर्वेक्षण लाइसेंस-सह-खनन लीज (पी.एल.- सह-एम.एल.) के माध्यम से खनन के लिए अस्पष्टीकृत और आंशिक रूप से स्पष्टीकृत कोयला ब्लॉक की पेशकश
- भागीदारी के लिए प्रतिबंध और पात्रता मानदंडों को हटाकर कोयला खनन क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा देना
- सफल बोलीदाता/ आवंटी को अपनी सहायक कंपनी या होल्डिंग कंपनी के किसी भी संयंत्र में खनन किए गए कोयले का उपयोग करने की अनुमति देना
- कोयला खनन क्षेत्र में बड़े निवेश को आकर्षित करना क्यों कि अंत-उपयोग के प्रतिबंधों को हटा दिया गया है।

कोयले के संदर्भ में जानकारी

- कोयले को काला सोना भी कहा जाता है, जो तलछटी परत [मिट्टी की परतों] में पाया जाता है।
- विश्व के अधिकांशत: कोयले का निर्माण कार्बोनिफेरस युग [350 मिलियन साल पहले] में हुआ था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **<u>पूर्वोदय: एकीकृत इस्पात केंद्र के माध्यम से पूर्वी भारत का त्वरित विकास</u>**

- सी.आई.आई. और जे.पी.सी. के साथ भागीदारी में इस्पात मंत्रालय, पूर्वी राज्यों के केंद्रित विकास के लिए पूर्वोदय को लांच करने जा रहा है, जो एकीकृत इस्पात केंद्र के माध्यम से पूर्वी भारत का त्वरित विकास है।

पृष्ठभूमि

- भारत का पूर्वी क्षेत्र संसाधनों के संदर्भ में बेहद समृद्ध होने के बावजूद विकास के मामले में अन्य राज्यों से पीछे है।
- भारत के पूर्वी राज्यों (ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और उत्तरी आंध्र प्रदेश) में सामूहिक रूप से देश का 80% लौह अयस्क, ~ 100% कोकिंग कोयल और क्रोमाइट, बॉक्साइट और डोलोमाइट भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।
- भारत की प्रमुख बंदरगाह क्षमता के 30 प्रतिशत के साथ पारादीप, हल्दिया, विजाग, कोलकाता आदि जैसे प्रमुख बंदरगाह यहां उपस्थित हैं, 3 प्रमुख राष्ट्रीय जलमार्गों के साथ-साथ मजबूत सड़क, देश के अधिकांश भागों तक रेल कनेक्टिविटी भी मौजूद है।

एकीकृत इस्पात केंद्र के संदर्भ में जानकारी

- इस पहल का उद्देश्य एकीकृत इस्पात केंद्र के माध्यम से पूर्वी राज्यों को विकसित करना है।
- प्रस्तावित एकीकृत इस्पात केंद्र में ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और उत्तरी आंध्र प्रदेश राज्य शामिल होंगे।
- यह केंद्र लागत और गुणवत्ता दोनों के संदर्भ में तेजी से क्षमता बढ़ाने और इस्पात उत्पादकों की समग्र प्रतिस्पर्धा में सुधार करेगा।
- एकीकृत इस्पात केंद्र तीन प्रमुख तत्वों पर केंद्रित होगा:
- ग्रीनफील्ड इस्पात संयत्र की स्थापना को आसान बनाने के माध्यम से क्षमता में वृद्धि पर
- एकीकृत इस्पात संयंत्रों के साथ-साथ मांग केंद्रों के निकट इस्पात समूहों के विकास पर
- रसद और उपयोगिता ढांचे में परिवर्तन करना जो पूर्व में सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को बदल देगा

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. **<u>व्याख्या: नए नागरिकता कानून के संदर्भ में "संवैधानिकता की प्रकल्पना"</u>**

- हाल ही में, सर्वोच्च न्यायालय ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम को संवैधानिक घोषित करने की मांग करने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है और कहा है कि

संसद द्वारा पारित एक कानून के लिए पहले से ही "संवैधानिकता की प्रकल्पना" थी।

'संवैधानिकता की प्रकल्पना' के संदर्भ में जानकारी

- 'संवैधानिकता की प्रकल्पना' एक कानूनी सिद्धांत है जिसका उपयोग न्यायालयों द्वारा संवैधानिक व्याख्या के दौरान किया जाता है, ये वह प्रक्रिया जिसके द्वारा न्यायालय, संसद जैसी विधायिका द्वारा पारित कानून की व्याख्या करता है और उसे लागू करता है।
- यह कानूनी सिद्धांत है कि न्यायपालिका को विधायिका द्वारा बनाए गए कानूनों को तब तक संवैधानिक मान लेना चाहिए जब तक कानून स्पष्ट रूप से असंवैधानिक न हो या एक मौलिक अधिकार निहित न हों।
- प्रकल्पना, संपूर्ण नहीं है, जब संविधान का समग्र उल्लंघन होता है तो यह स्थिर नहीं रहती है।
- संवैधानिकता की प्रकल्पना से संबंधित मामलें:
    - सर्वोच्च न्यायालय का मामला "एम.एल. कामरा बनाम न्यू इंडिया एश्योरेंस"
    - गीथा हरिहरन बनाम आर.बी.आई. (1999)
    - एन.एम.डी.सी. बनाम पंजाब राज्य (1996)

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –संविधान

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. **<u>नेपाल की सेके-"विलुप्त होने के निकट" है: एक भाषा के खतरे का छह डिग्री</u>**

- हाल ही में, द न्यूयॉर्क टाइम्स ने बताया है कि "लुप्तप्राय होने के निकट" नेपाली भाषा सेके के दुनिया भर में सिर्फ 700 स्पीकर हैं।
- पिछला वर्ष 2019, संयुक्त राष्ट्र (यू.एन.) द्वारा शासनादेषित अंतर्राष्ट्रीय स्वदेशी भाषा वर्ष था।

नेपाल की सेके भाषा के संदर्भ में जानकारी

- लुप्तप्राय भाषा गठबंधन (ई.एल.ए.) के अनुसार, सेके, नेपाल की 100 से अधिक स्वदेशी भाषाओं में से एक है।
- यह मुख्य रूप से ऊपरी मस्तंग जिले के पांच गांवों चुक्सांग, चायल, ग्याकर, तांगबे और तेतांग में बोली जाती है।
- हाल ही के वर्षों में, सेके को नेपाली प्रमुख रूप में बहाल किया जा रहा है, जो नेपाल की आधिकारिक भाषा है और इसे गांवों के बाहर शैक्षिक और रोजगार के अवसर प्राप्त करने हेतु महत्वपूर्ण माना जाता है।

यूनेस्को के पास खतरे की छह डिग्रियां हैं।

ये हैं:

- **सुरक्षित**: इस श्रेणी के अंतर्गत, सभी पीढ़ियों द्वारा बोली जाने वाली भाषाएं और उनके अंतःक्रियात्मक परिवर्तन निर्बाध हैं
- **कमजोर भाषाएं:** ये ऐसी भाषा हैं जो अधिकांश बच्चों द्वारा बोली जाती हैं लेकिन कुछ डोमेन तक सीमित हो सकती हैं
- **निश्चित रूप से लुप्तप्राय भाषाएँ:** ये ऐसी भाषा हैं जो अब बच्चों द्वारा अपनी मातृभाषा के रूप में नहीं सीखी जा रही हैं।
- **गंभीर रूप से लुप्तप्राय:** ये दादा-दादी और पुरानी पीढ़ियों द्वारा बोली जाने वाली भाषाएं हैं और जबकि माता-पिता की पीढ़ी इसे समझ सकती है, वे इसे बच्चों या अपनों के बीच नहीं बोलते हैं।
- **गंभीर रूप से लुप्तप्राय भाषाएँ:** वे भाषाएँ जिनके सबसे युवा स्पीकर दादा-दादी या परिवार के बड़े सदस्य होते हैं, जो आंशिक रूप से या अनैतिक रूप से और अंतिम रूप से भाषा बोल सकते हैं।
- **विलुप्त होने वाली भाषाएं:** जब इस भाषा का कोई भी वक्ता नहीं रह जाता है।

नोट:

- लुप्तप्राय भाषाएँ परियोजना (ई.एल.पी.) के अनुसार, भारत में लगभग 201 लुप्तप्राय भाषाएँ हैं और नेपाल में लगभग 70 लुप्तप्राय भाषाएं हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- पी.आई.बी.

5. **<u>एच9एन2 विषाणु</u>**

- राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान के भारतीय वैज्ञानिकों ने विषाणु के दुर्लभ संस्करण (एच9एन2) से संक्रमण के देश के पहले मामले का पता लगाया है जो एवियन इन्फ्लूएंजा या बर्ड फ्लू का कारण बनता है।

एच9एन2 विषाणु के संदर्भ में जानकारी

- एच9एन2, इन्फ्लूएंजा ए विषाणु का एक उपप्रकार है, जो मानव इन्फ्लूएंजा के साथ-साथ बर्ड फ्लू का कारण बनता है।
- एच9एन2 उपप्रकार को पहली बार अमेरिका के विस्कॉन्सिन में 1966 में टर्की के झुंड से अलग किया गया था।
- यू.एस. नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन (एन.सी.बी.आई.) के अनुसार, एच9एन2 विषाणु, दुनिया भर में जंगली पक्षियों में पाए जाते हैं और कई क्षेत्रों में मुर्गी पालन में स्थानिक रूप से पाए जाते हैं।
- मनुष्यों में एच9एन2 विषाणु संक्रमण दुर्लभ हैं लेकिन सामान्यत: संक्रमण के हल्के लक्षणों के कारण अंडर-रिपोर्ट होने की संभावना होती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>राज्य ऊर्जा दक्षता सूचकांक 2019</u>**

- केंद्र सरकार ने राज्य ऊर्जा दक्षता सूचकांक 2019 जारी किया है।

सूचकांक के संदर्भ में जानकारी

- इस सूचकांक को ऊर्जा दक्षता अर्थव्यवस्था गठबंधन (ए.ई.ई.ई.) के साथ ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बी.ई.ई.) द्वारा विकसित किया गया है।
- सूचकांक 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 97 महत्वपूर्ण संकेतकों के आधार पर ऊर्जा दक्षता पहल की प्रगति की निगरानी करता है।
- इस प्रकार का पहला सूचकांक अगस्त, 2018 में शुरू किया गया था।
- सूचकांक इस वर्ष पांच अलग-अलग क्षेत्रों- इमारतों, उद्योग, नगर पालिकाओं, परिवहन, कृषि और डिस्कॉम में ऊर्जा दक्षता पहल, कार्यक्रमों और परिणामों का मूल्यांकन करने हेतु गुणात्मक, मात्रात्मक और परिणाम-आधारित संकेतक शामिल करता है।
- इस वर्ष के लिए नए संकेतकों में ऊर्जा संरक्षण निर्माण कोड (ई.सी.बी.सी.) 2017 को अपनाना, एम.एस.एम.ई. समूहों में ऊर्जा दक्षता आदि शामिल हैं।
- राज्य ऊर्जा दक्षता सूचकांक, ऊर्जा दक्षता कार्यान्वयन की दिशा में उनके प्रयासों और उपलब्धियों के आधार पर राज्यों को वर्गीकृत करता है।
    - फ्रंट रनर
    - अचीवर
    - कंटेंडर
    - एस्पिरेंट

सूचकांक की विशेषताएं

- राज्य ऊर्जा दक्षता सूचकांक 2019 में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्य- हरियाणा, केरल और कर्नाटक- 'अचीवर' श्रेणी में हैं।
- इसमें कोई 'फ्रंट रनर' राज्य नहीं है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –ऊर्जा (महत्वपूर्ण सूचकांक)

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>कोरोनावायरस</u>**

- हाल ही में, चीनी शोधकर्ताओं द्वारा पहचाने जाने वाले नए वायरस को **<u>कोरोनावायरस</u>** नाम से जाना जाता है।

कोरोनावायरस के संदर्भ में जानकारी

- ये विषाणुओं का एक विशिष्ट परिवार हैं, जिनमें से कुछ कम-गंभीर क्षति जैसे कि सामान्य सर्दी का कारण बनते हैं और अन्य जो श्वसन और आंतों के रोगों का कारण बनते हैं।

- एक कोरोनोवायरस की सतह पर कई "नियमित रूप से व्यवस्थित" उभार होते हैं, जिसके कारण संपूर्ण विषाणु कण एक सम्राट के मुकुट की तरह दिखता है इसलिए इसका नाम "कोरोनावायरस" रखा गया है।
- मनुष्यों के अतिरिक्त कोरोनावायरस स्तनधारियों को प्रभावित कर सकते हैं जिनमें सूअर, मवेशी, बिल्ली, कुत्ते, मार्टन, ऊंट, हाथी और कुछ पक्षी शामिल हैं।
- अब तक, कोरोनावायरस द्वारा होने वाली चार ज्ञात बीमारियां हैं, जिनमें से सबसे प्रसिद्ध एस.ए.आर.एस. कोरोनोवायरस और मध्य पूर्व श्वसन सिंड्रोम (एम.ई.आर.एस.) कोरोनवायरस हैं, जिनमें से दोनों गंभीर श्वसन रोगों का कारण बन सकती हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- टी.ओ.आई.

8. **<u>23वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2020</u>**

- युवा मामले एवं खेल मंत्रालय और उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार संयुक्त रूप से लखनऊ के इंदिरा प्रतिष्ठान में 23वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव (एन.वाई.एफ.) 2020 का आयोजन कर रहे हैं।
- 23वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2020 की थीम **"फिट यूथ फिट इंडिया"** है।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव के संदर्भ में जानकारी

- सरकार, वर्ष 1995 से राष्ट्रीय युवा महोत्सव (एन.वाई.एफ.) का आयोजन कर रही है।
- यह युवाओं के आदर्श स्वामी विवेकानंद की जयंती, 12 जनवरी को मनाने के लिए प्रत्येक वर्ष मनाया जाता है।
- एन.वाई.एफ. का उद्देश्य विभिन्न गतिविधियों में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करने के प्रयास के रूप में देश के युवाओं को एक साथ लाने के लिए एक मंच प्रदान करना है।
- एन.वाई.एफ. 2020 का उद्देश्य चयनित विषयगत इंटरफेस पर संवाद और चर्चाओं की ओर युवाओं का ध्यान आकर्षित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहता है जिससे कि परिणाम राष्ट्रीय स्तर पर निहित हो सके।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस (राज्य पी.सी.एस. हेतु महत्वपूर्ण)

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

9. **<u>नौसेना युद्धाभ्यास मिलन</u>**

- हाल ही में, मार्च, 2020 में आयोजित होने वाले बहुपक्षीय नौसेना युद्धाभ्यास मिलन 2020 के लिए आमंत्रित 41 देशों में से 30 देशों ने भागीदारी की पुष्टि की है।
- युद्धाभ्यास मिलन 2020 की थीम "समुद्र पर तालमेल" है।

मिलन नौसेना युद्धाभ्यास के संदर्भ में जानकारी

- यह भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित द्विवार्षिक बहुपक्षीय नौसेना युद्धाभ्यास की एक श्रृंखला है।
- यह पहली बार वर्ष 1995 में आयोजित किया गया था।
- यह पिछले वर्ष तक अंडमान और निकोबार कमान में आयोजित किया गया था और पूर्वी नौसेना कमान में मुख्य भूमि पर पहली बार आयोजित किया जा रहा है।
- इस युद्धाभ्यास का उद्देश्य अनुकूल विदेशी नौसेनाओं के मध्य व्यवसायिक संपर्क को बढ़ाना और एक दूसरे की ताकत और समुद्री क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- पी.आई.बी.

10. **<u>जेड.बी.एन.एफ.: आंध्र प्रदेश सरकार ने जर्मनी आधारित के.एफ.डब्ल्यू. के साथ समझौता किया है।</u>**

- आंध्र प्रदेश सरकार ने राज्य में शून्य बजट प्राकृतिक खेती (जेड.बी.एन.एफ.) को प्रोत्साहित

करने के लिए जर्मनी आधारित के.एफ.डब्ल्यू. के साथ एक समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए हैं।

शून्य बजट प्राकृतिक खेती के संदर्भ में जानकारी:

- यह उच्च लागत वाले रासायनिक इनपुट-आधारित कृषि के वर्तमान उदाहरण का एक समग्र विकल्प है।
- इस प्रकार की कृषि पद्धति किसी भी उर्वरक और कीटनाशक या किसी अन्य विदेशी तत्वों का प्रयोग किए बिना फसलों की प्राकृतिक वृद्धि में विश्वास करती है।
- शून्य बजट, शब्द का तात्पर्य सभी फसलों (अंतरफसलों, सीमा फसलों, बहु फसलों) के उत्पादन की शून्य परिणामी लागत से है।
- बीज उपचार और अन्य टीकाकरण के लिए उपयोग किए जाने वाले इनपुट स्थानीय रूप से गोबर और गोमूत्र के रूप में उपलब्ध हैं।
- जो राज्य शून्य बजट प्राकृतिक खेती का अभ्यास कर रहे हैं, उनमें आंध्र प्रदेश, उत्तराखंड, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ और केरल शामिल हैं।

<u>राइथुसधिकारासमस्था के संदर्भ में जानकारी</u>

- आंध्र प्रदेश की सरकार राइथुसधिकारासमस्था (आर.वाई.एस.एस.) के माध्यम से शून्य-बजट प्राकृतिक खेती (APZBNF) कार्यक्रम लागू कर रही है।
- कार्यक्रम 2015-16 में किसानों के कल्याण, उपभोक्ता कल्याण को बढ़ाने और पर्यावरण के संरक्षण के लिए कई उद्देश्यों के साथ शुरू किया गया है।
- राइथुसधिकारासमस्था, आंध्र प्रदेश सरकार के पूर्ण स्वामित्व वाली एक गैर-लाभकारी कंपनी है।
- इसने आंध्र प्रदेश राज्य में शून्य बजट प्राकृतिक खेती का संचालन किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

11. **<u>अम्मा वोडी योजना</u>**

- आंध्र प्रदेश सरकार ने "अम्मा वोडी" योजना शुरू की है।
- इस योजना में, निम्न आय वर्ग के स्कूल जाने वाले बच्चों की माताओं और अभिभावकों को योजना के अंतर्गत 15,000 रुपये की वार्षिक वित्तीय सहायता मिलेगी।
- अम्मा वोडी तेलुगु भाषा में 'माँ की गोद' का अनुवाद है।

अम्मा वोडी योजना पर मुख्य बातें:

- यह योजना 26 जनवरी, 2020 (गणतंत्र दिवस) से लागू की जाएगी।
- अम्मा वोडी के अंतर्गत, स्कूल जाने वाले बच्चों की माताओं को प्रति वर्ष 15,000 रुपये की वार्षिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।
- यह पहल बच्चों को शिक्षित करने के लिए निम्न आय वाले परिवारों का समर्थन करने हेतु है।
- अम्मा वोडी, उन राशन कार्डधारियों के लिए उपलब्ध हैं, जो गरीबी रेखा से नीचे आते हैं और अपनी आर्थिक स्थिति से संबंधित कुछ अन्य मानदंडों को पूरा करते हैं।
- इस योजना को 2019-20 के लिए लगभग 6,455 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया था, जो आंध्र प्रदेश के 32,618 करोड़ रुपये के कुल शिक्षा बजट का लगभग 20 प्रतिशत है।
- इस योजना के लिए पंजीकरण करने वाले सभी आवेदक आंध्र प्रदेश सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर अब जगन्ना अम्मा वोडी पात्रता सूची की जांच कर सकते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

14.01.2020

1. **त्रिपुरा उच्च न्यायालय का आदेश कि सोशल मीडिया पर पोस्ट करना, एक मौलिक अधिकार है।**

- त्रिपुरा उच्च न्यायालय ने आदेश दिया है कि सोशल मीडिया पर पोस्ट करना, एक मौलिक अधिकार है।

संबंधित जानकारी

- एक ऐतिहासिक आदेश में, त्रिपुरा उच्च न्यायालय ने पुलिस को किसी ऐसे व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा चलाने से रोकने का आदेश दिया है, जिसे पहले सोशल मीडिया पर पोस्ट करने पर गिरफ्तार किया गया था। मुख्य न्यायाधीश अकील कुरैशी ने पुलिस को मामले के संबंध में कोई अन्य गिरफ्तारी करने से भी रोक दिया है।
- मुख्य न्यायाधीश ने अपने आदेश में व्यापक रूप से टिप्पणी की है कि सोशल मीडिया पर पोस्ट करना, सरकारी कर्मचारियों सहित सभी नागरिकों के लिए लागू "मौलिक अधिकार" के समान है।

मौलिक अधिकारों के संदर्भ में जानकारी

- मौलिक अधिकार, संविधान के भाग III में अनुच्छेद 12 से 35 तक निर्दिष्ट किए गए हैं। इस संबंध में, संविधान के निर्माताओं ने संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान (अर्थात बिल ऑफ राइट्स) से प्रेरणा ली थी।
- संविधान के भाग III को भारत के महाधिकार-पत्र के रूप में वर्णित किया गया है, जिसमें न्यायसंगत मौलिक अधिकारों की बहुत लंबी और व्यापक सूची है।
- मौलिक अधिकार नाम इसलिए रखा गया है क्यों कि वे संविधान द्वारा गारंटीकृत और संरक्षित हैं, जो भूमि का मौलिक कानून है।
- वे इस संदर्भ में भी 'मौलिक' हैं कि वे व्यक्तियों के सर्वांगीण विकास (सामग्री, बौद्धिक, नैतिक और आध्यात्मिक) के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।
- मूल रूप से, संविधान ने सात मौलिक अधिकार प्रदान किए हैं, जो हैं:
    - समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18)
    - स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22)
    - शोषण के खिलाफ अधिकार (अनुच्छेद 23-24)
    - धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28)
    - सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार (अनुच्छेद 29-30)
    - संपत्ति का अधिकार (अनुच्छेद 31)
    - संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32)
- हालांकि, संपत्ति के अधिकार को 44वें संशोधन अधिनियम, 1978 द्वारा मौलिक अधिकारों की सूची से हटा दिया गया था। इसे संविधान के भाग XII में अनुच्छेद 300-ए के अंतर्गत कानूनी अधिकार बनाया गया है।
- अत: वर्तमान में केवल छह मौलिक अधिकार हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –संविधान

स्रोत- द हिंदू

2. **रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक प्रवृत्ति के विपरीत, भारत में पांच वर्ष से कम आयु की लड़कियों की मृत्यु दर, लड़कों की मृत्युदर से अधिक है।**

- हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र (यू.एन.) बाल मृत्यु दर अंतर-एजेंसी समूह ने "बाल मृत्यु दर में स्तर और रुझान" नामक एक रिपोर्ट जारी की है।
- रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया के उन कुछ देशों में से है, जहां वर्ष 2018 में, पांच वर्ष से कम आयु की लड़कियों की मृत्यु दर, लड़कों की मृत्युदर से अधिक है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

वैश्विक परिदृश्य

- वैश्विक स्तर पर, वर्ष 2018 में बच्चों और युवा किशोरों में 85% मौतें जीवन के प्रारंभिक पांच वर्षों में हुई हैं।
- वैश्विक रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2018 में कुछ ही देशों में बाल मृत्यु दर में लैंगिक असमानता दिखाई दी है और दुनिया भर में, लड़कियों की तुलना में लड़कों के पांच वर्ष की आयु पूरी करने से पहले मरने की अधिक संभावना रहती है।

- कुछ देशों में, लड़कियों के 5 वर्ष की आयु से पहले मरने का जोखिम वैश्विक प्रारूप के आधार पर अनुमानित जोखिम की तुलना में काफी अधिक है।
- ये देश मुख्य रूप से दक्षिणी एशिया और पश्चिमी एशिया में स्थित हैं।
- रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2018 में पांच वर्ष से कम आयु में हाने वाली सभी मृत्युओं में आधे मामले पांच देशों: भारत, नाइजीरिया, पाकिस्तान, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और इथियोपिया के हैं। भारत और नाइजीरिया अकेले लगभग एक तिहाई हेतु जिम्मेदार हैं।

भारतीय परिदृश्य

- भारत की नमूना पंजीकरण प्रणाली 2017 (एस.आर.एस.) के अनुसार, नवजात मृत्यु दर के अधिकतम बोझ वाले राज्य क्रमशः मध्य प्रदेश, ओडिशा और उत्तर प्रदेश हैं, जहां प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर क्रमशः 32, 33 और 30 नवजात मृत्यु होती हैं।
- भारत की नवजात मृत्यु दर प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर 23 है।
- इसके अतिरिक्त राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में झारखंड, बिहार और उत्तराखंड ने अंडर-5 मृत्यु दर में सबसे बड़ा लिंग अंतर दर्शाया है।
- संयुक्त राष्ट्र बाल कोष के अनुसार, भारत में सबसे अधिक संख्या में अनुमानित नवजात मृत्यु दर के संदर्भ उत्तर प्रदेश है, राज्य में प्रत्येक वर्ष होने वाले अधिक जन्मों के कारण दोनों में सबसे अधिक है, यह उच्च मृत्यु दर के कारण है।

नोट:

- बाल मृत्यु दर का बोझ, मृत्यु दर (मरने वाले बच्चों के अनुपात) और किसी भी दिए गए राज्य की अनुमानित जनसंख्या (वार्षिक जन्मों की कुल संख्या) द्वारा निर्धारित किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –स्वास्थ्य (महत्वपूर्ण रिपोर्ट)

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **<u>सुफल बांग्ला योजना</u>**

- हाल ही में, पश्चिम बंगाल सरकार ने सुफ़ल बांग्ला योजना को लागू किया है, जो उपभोक्ताओं को खाद्य मुद्रास्फीति में बढ़त से संरक्षण प्रदान करेगी।

सुफल बांग्ला योजना के संदर्भ में जानकारी

- यह योजना 2014 में शुरू की गई थी, जिसमें शहर भर में उचित मूल्य के स्टॉल और काउंटर शामिल हैं, जिससे लोग सस्ती कीमतों पर सब्जियां खरीद सकते हैं।
- यह योजना सफल (राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड, नई दिल्ली) और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की वित्तीय सहायता से चल रही है, इसकी कार्यान्वयन एजेंसी पश्चिमबंगा एग्री मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड है।

योजना के मूल उद्देश्य हैं:

- किसानों की प्रीमियम मूल्य प्राप्त करने में मदद करना और उपभोक्ता की कीमत में तर्कसंगत हिस्सेदारी होना
- कम खुदरा मूल्य पर गुणवत्ता वाले उत्पादों की आपूर्ति करना और उपभोक्ता की कीमत में तर्कसंगत हिस्सेदारी होना
- फल और सब्जी उत्पादक के खुदरा बाजार को प्रतिस्पर्धी बनाना

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण योजना

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस + WB gov.in

4. **<u>विश्व भविष्य ऊर्जा शिखर सम्मेलन</u>**

- विश्व भविष्य ऊर्जा शिखर सम्मेलन अबू धाबी में शुरू होगा।
- इस वर्ष के शिखर सम्मेलन की थीम "**वैश्विक खपत, उत्पादन और निवेश पर पुनर्विचार करना है**।"

विश्व भविष्य ऊर्जा शिखर सम्मेलन के संदर्भ में जानकारी

- विश्व भविष्य ऊर्जा शिखर सम्मेलन, मध्य पूर्व का सबसे बड़ा भविष्य ऊर्जा और स्थिरता कार्यक्रम है।

- यह एक वार्षिक कार्यक्रम है, जो भविष्य की ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है।
- यह 2011 में यू.ए.ई. द्वारा शुरू किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वपूर्ण सम्मेलन

स्रोत- ए.आई.आर.

5. **"शॉपर" मैलवेयर ने 14% से अधिक भारतीयों को प्रभावित किया है: कास्पर्सकी रिपोर्ट**

- वैश्विक साइबर सुरक्षा और एंटी-वायरस ब्रांड कास्पर्सकी के शोधकर्ताओं के अनुसार, 'शॉपर मालवेयर' नामक एक नया ट्रोजन स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं के बीच अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है।

शॉपर मैलवेयर के संदर्भ में जानकारी

- ट्रोजन, जिसे 'शॉपर' कहा जाता है, ने अपनी व्यापक कहानियों और गूगल एक्सेसिबिलिटी सर्विस के उपयोग के बाद पहली बार शोधकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया है।
- ये मैलवेयर खुदरा एप्लीकेशनों को लक्षित कर रहा है।
- लगभग 14 प्रतिशत भारतीय इस मैलवेयर से प्रभावित हैं।
- ट्रोजन के अनुमति लेने के रूप में यह सिस्टम इंटरफेस के साथ इंटरैक्ट करता है और स्क्रीन में दिखाए जा रहे प्रत्येक डेटा को कैप्चर करता है।
- यह स्क्रीन पर दर्ज किए जा रहे डेटा को पढ़ने में भी सक्षम है।

सामान्य मैलवेयर प्रकारों की सूची:

- एडवेयर, स्पाईवेयर, वायरस, स्पैम, वार्म, ट्रोजन, बैकडोर्स, रूटकिट, कीलॉगर्स, रैनसमवेयर
- मैलवेयर हमले का हालिया मामला: वान्नाक्राई
- मई, 2017 में बड़े पैमाने पर वैश्विक रैंसमवेयर हमला हुआ था। इस हमले ने भारत सहित 150 देशों में 230,000 से अधिक कंप्यूटरों को संक्रमित किया था और 28 भाषाओं में बिटकॉइन में फिरौती भुगतान की मांग की थी।

वान्नाक्राई के संदर्भ में जानकारी

- वान्नाक्राई, रैनसमवेयर को इन्क्रिप्ट कर रहा है या रैनसमवेयर का क्रिप्टो लॉकर प्रकार है जिसे माइक्रोसॉफ्ट विंडोज सॉफ्टवेयर पर हमला करने के लिए प्रोग्राम किया गया है।

भारत सरकार द्वारा शुरू की गई कुछ पहलें:

राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति 2013

- राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति दस्तावेज ने देश के भीतर सभी स्तरों पर साइबर सुरक्षा के मुद्दे से निपटने के लिए एक व्यापक, सहयोगात्मक और सामूहिक प्रतिक्रिया के लिए एक ढांचा बनाने हेतु एक रोडमैप की रूपरेखा तैयार की है।

कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सी.ई.आर.टी.-इन)

- इसे संकट प्रबंधन प्रयासों के समन्वय के लिए एक नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करने हेतु नामित किया गया है।
- सी.ई.आर.टी.-इन, समन्वय कार्यों और क्षेत्रीय सी.ई.आर.टी. के संचालन के लिए एक छात्रीय संगठन के रूप में कार्य करेगा।
- सी.ई.आर.टी.-इन, शीघ्र चेतावनी भी जारी करेगा।

साइबर स्वच्छता केंद्र

- "साइबर स्वच्छता केंद्र" एक बोटनेट स्वच्छता एवं मैलवेयर विश्लेषण केंद्र (बी.सी.एम.ए.सी.) है, जो कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सी.ई.आर.टी.-इन) द्वारा संचालित है।
- यह इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एम.ई.आई.टी.वाई.) के अंतर्गत भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहल का एक हिस्सा है।
- इसका लक्ष्य भारत में बॉटनेट संक्रमणों का पता लगाकर सुरक्षित साइबरस्पेस का निर्माण करना और भविष्य के संक्रमणों को रोकने के लिए अंतिम उपयोगकर्ताओं की सफाई और सुरक्षा प्रणालियों को सक्षम करना है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>काजीरंगा ने आर्द्रभूमि पक्षियों की 96 प्रजातियों को रिकॉर्ड बनाया है।</u>**

- काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारियों द्वारा संचालित दूसरी आद्रभूमि पक्षी गणना के अनुसार, उद्यान में आद्रभूमि पक्षियों की 96 प्रजातियाँ हैं।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के संदर्भ में जानकारी

- यह असम में स्थित है।
- इस राष्ट्रीय उद्यान से होकर गुजरने वाली प्रमुख नदियाँ ब्रह्मपुत्र, डिफलू, मोरा डिफलू और मोरा धनसिरी हैं।
- इसे 2006 में टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था।
- वर्ष 1985 में, उद्यान को यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल के रूप में घोषित किया गया था।
- इसे एविफ्यूनल प्रजातियों के संरक्षण के लिए बर्डलाइफ इंटरनेशनल द्वारा एक महत्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- यह दुनिया के सबसे अधिक जनसंख्या वाले ग्रेट वन-हॉर्न गैंडों का निवास स्थान है जिन्हें आई.यू.सी.एन. सूची में कमजोर के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत-द हिंदू

7. **<u>नासा का आर्टेमिस मिशन</u>**

- नासा वर्ष 2024 तक पहली महिला और अगले पुरूष को चंद्रमा पर भेजना चाहता है, जिसे वह आर्टेमिस चंद्रमा अन्वेषण कार्यक्रम के माध्यम से करने की योजना बना रहा है।

आर्टेमिस मिशन के संदर्भ में जानकारी

- 2011 में, नासा ने एक पुनर्उद्देशित अंतरिक्ष यान की एक जोड़ी का उपयोग करके आर्टेमिस मिशन (एक्सीलिरेशन, रीकनेक्शन, टर्बुलेंस एंड इलेक्ट्रोडायनामिक्स ऑफ मून्स इंट्रैक्शन विद सन) शुरू किया है।
- आर्टेमिस कार्यक्रम के लिए, नासा के नए रॉकेट जिसे स्पेस लॉन्च सिस्टम (एस.एल.एस.) कहा जाता है, जो पृथ्वी से एक लाख मील की चौथाई दूरी पर ओरियन अंतरिक्ष यान में सवार अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा की कक्षा में भेजेगा।
- एक बार जब अंतरिक्ष यात्री गेटवे पर ओरियन को डॉक करते हैं- जो चंद्रमा के चारों ओर कक्षा में एक छोटा सा अंतरिक्ष यान है, तो अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा के चारों ओर रहने और काम करने में सक्षम होंगे।

स्पेससूट के संदर्भ में जानकारी

- आर्टेमिस कार्यक्रम के लिए जाने वाले अंतरिक्ष यात्री नए डिज़ाइन किए गए स्पेससूट पहनेंगे, जिन्हें एक्सप्लोरेशन एक्स्ट्रावेहिकुलर मोबिलिटी यूनिट या एक्स.ई.एम.यू. कहा जाता है।
- इन स्पेससूट्स में उन्नत गतिशीलता और संचार और विनिमेय भागों की सुविधा होती है, जिन्हें सूक्ष्मगुरूत्व में या किसी ग्रह की सतह पर स्पेसवॉक के लिए कॉन्फ़िगर किया जा सकता है।

नोट:

- अमेरिका के अतिरिक्त, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी, जापान, चीन और भारत ने चंद्रमा पर अन्वेषण करने के लिए मिशन भेजे हैं।
- चीन ने दो रोवर्स को सतह पर उतारा है, जिसमें 2019 में चंद्रमा के सबसे दूर पहली लैंडिंग शामिल है।
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने हाल ही में भारत के तीसरे चंद्र मिशन चंद्रयान-3 की घोषणा की है, जिसमें एक लैंडर और एक रोवर शामिल होगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

15.01.2020

1. **<u>रायसीना वार्तालाप का पांचवां संस्करण</u>**

- नई दिल्ली में भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र पर भारत का प्रमुख वैश्विक सम्मेलन, रायसीना वार्तालाप आयोजित हो रहा है।
- इस वर्ष की थीम 'नेवीगेटिंग अल्फा सेंचुरी' है।

रायसीना वार्तालाप के संदर्भ में जानकारी

- प्रतिष्ठित कार्यक्रम के पांचवें संस्करण का आयोजन विदेश मंत्रालय और ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।
- तीन दिवसीय सम्मेलन में रूस, ईरान, ऑस्ट्रेलिया, मालदीव, दक्षिण अफ्रीका, डेनमार्क, उजबेकिस्तान और यूरोपीय संघ सहित 12 विदेश मंत्रियों की भागीदारी होगी।

नोट:

- इस सम्मेलन का नाम "रायसीना हिल्स" के नाम पर रखा गया है, जो भारत सरकार और राष्ट्रपति भवन की सीट है।
- इस संवाद को शांगरी-ला संवाद की तर्ज पर डिजाइन किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **<u>ताल ज्वालामुखी: एक जटिल ज्वालामुखी</u>**

- फिलीपींस में, मनीला से 50 कि.मी. की दूरी पर लूज़ोन द्वीप पर ताल नामक एक ज्वालामुखी हाल ही में फट गया है, जो जमीन पर लावा उगल रहा है और राख और धुआं आकाश में फैला रहा है।

ज्वालामुखियों के संदर्भ में जानकारी

- एक ज्वालामुखी, पृथ्वी की पपड़ी में एक खुला हुआ भाग है जिसके माध्यम से गैसें, पिघली हुई चट्टानों की सामग्री (लावा), राख, भाप आदि विस्फोट के दौरान बाहर की ओर उत्सर्जित होती हैं।
- ज्वालामुखीय गतिविधि, सगोत्रीय प्रक्रिया का एक उदाहरण है।

ज्वालामुखियों के प्रकार

- ज्वालामुखियों को विस्फोट की प्रकृति और सतह पर विकसित रूप के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है।

जटिल ज्वालामुखी

- ताल को फिलीपीन ज्वालामुखी विज्ञान एवं भूकंप विज्ञान संस्थान (PHIVOLCS) द्वारा एक "जटिल" ज्वालामुखी के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- एक जटिल ज्वालामुखी को एक यौगिक ज्वालामुखी भी कहा जाता है, इसे उस ज्वालामुखी के रूप में परिभाषित किया जाता है जो दो या दो से अधिक छिद्रों के संयोजन से मिलकर बना होता है या एक ज्वालामुखी जिसमें या तो उसके गड्ढे में या उसके किनारे पर एक ज्वालामुखी गुंबद होता है।
- इसके उदाहरणों में ताल के अतिरिक्त वेसुवियस शामिल हैं।
- ये ज्वालामुखी सामान्यत: संयुक्त राज्य अमेरिका में विशेष रूप से माउंट सेंटहेलेंस और माउंट शास्ता, इटली, फिलीपींस, जापान इक्वाडोर और कनाडा में पाए जाते हैं।

शील्ड ज्वालामुखी

- ये दुनिया के सभी ज्वालामुखियों में सबसे बड़े हैं क्यों कि इनका लावा काफी दूर तक बहता है। हवाई ज्वालामुखी इसके सबसे प्रसिद्ध उदाहरण हैं।
- शील्ड ज्वालामुखी में कम ढलान होती हैं और लगभग पूरी तरह से जमे हुए लावा से युक्त होते हैं।
- ये ज्वालामुखी ज्यादातर बेसाल्ट (कम चिपचिपी) से बने होते हैं, जो एक प्रकार का लावा है, जो फूटने पर बहुत द्रवित होता है।
- इस कारण से, ये ज्वालामुखी बहुत ढालू नहीं होते हैं।

- ये सामान्य रूप से कम विस्फोटक होते हैं लेकिन यदि किसी तरह पानी दरार में जाता है तो इनमें विस्फोटक हो सकते हैं।

राख शंकु ज्वालामुखी:

- राख, बहिष्कृत आग्नेय चट्टानें होती हैं।
- ये छोटे ज्वालामुखी होते हैं।
- इन ज्वालामुखी लगभग पूरी तरह से ढीली, दानेदार राख से मिलकर बने होते हैं और इनमें लगभग कोई लावा नहीं होता है।
- इनके किनारे बहुत ढालू होते हैं और सामान्यत: शीर्ष पर एक छोटा गड्ढा होता है।

समग्र ज्वालामुखी:

- बेसाल्ट की तुलना में अधिक ठंडे और अधिक चिपचिपे लावे का विस्फोट इसकी विशेषता है।
- ये ज्वालामुखी प्राय: विस्फोटक रूप से फटते हैं।
- लावा के साथ, बड़ी मात्रा में पाइरोक्लास्टिक सामग्री और राख जमीन पर अपना रास्ता बना लेती है।
- यह सामग्री दरार के आसपास के क्षेत्र में जमा हो जाती है और परतों का निर्माण करती है और इससे माउंट समग्र ज्वालामुखी के रूप में प्रकट होता है।

काल्डेरा

- ये पृथ्वी के ज्वालामुखियों में सबसे विस्फोटक हैं।
- ये सामान्यत: इतने विस्फोटक होते हैं कि जब ये फटते हैं तो वे किसी भी लंबे ढांचे के निर्माण के बजाय खुद पर गिर जाते हैं। ढह चुके अवसादों को काल्डेरा कहा जाता है।
- उनकी विस्फोटकता से संकेत मिलता है कि इसका मैग्मा चेंबर बड़ा और निकट के क्षेत्र में है।
- एक कॉल्डेरा, एक क्रेटर से इस तरह से भिन्न होता है कि कॉल्डेरा, एक बड़े पैमाने पर विस्फोट के बाद पतन के कारण होने वाला एक विशाल अवसाद है, जब कि एक क्रेटर एक छोटा, ढालू, ज्वालामुखी अवसाद है जो एक विस्फोटक तनाव से उत्सर्जित हुआ है।

बाढ़ बेसाल्ट प्रांत

- ये ज्वालामुखी अत्यधिक द्रव लावा को फैलाते हैं, जो लंबी दूरी तक बहते हैं।
- भारत से दक्कन ट्रैप, जो वर्तमान में अधिकांश महाराष्ट्र पठार को कवर करता है, एक बहुत बड़ा बाढ़ बेसाल्ट प्रांत है।

मध्य महासागर चोटी ज्वालामुखी

- ये ज्वालामुखी समुद्री क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
- 70,000 कि.मी. से अधिक लंबी मध्य-महासागर चोटियों की एक प्रणाली है जो सभी महासागर घाटियों में फैली हुई है।
- इस चोटी के मध्य भाग में बार-बार विस्फोट का अनुभव होता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- टी.ओ.आई.

3. **<u>सरकार ने सड़क दुर्घटना डेटाबेस लॉन्च किया है।</u>**

- हाल ही में, सरकार ने एक केंद्रीय दुर्घटना डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली शुरू की है।
- यह देश में इस तरह की दुर्घटनाओं को कम करने के लिए सड़क दुर्घटनाओं के कारणों का विश्लेषण करने और सुरक्षा हस्तक्षेपों को तैयार करने में मदद करेगी।

सबसे अधिक मौतें

- इस प्रणाली को पहले परीक्षण आधार पर सड़क दुर्घटनाओं में सबसे ज्यादा मौतों वाले छह राज्यों- कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में शुरू किया जाएगा।
- आई.आर.ए.डी. में परीक्षण से सीखने के आधार पर सुधार किया जाएगा, जिसके बाद इसे पूरे देश में लागू किया जाएगा।

यह किस प्रकार काम करता है

- आई.आर.ए.डी. मोबाइल एप्लिकेशन, पुलिस कर्मियों को फ़ोटो और वीडियो के साथ एक सड़क दुर्घटना के बारे में विवरण दर्ज करने में सक्षम

करेगा, जिसके बाद घटना के लिए एक यूनिक आई.डी. बनाई जाएगी।

- इसके बाद, लोक निर्माण विभाग या स्थानीय निकाय के एक इंजीनियर को अपने मोबाइल डिवाइस पर अलर्ट प्राप्त होगा।
- वह दुर्घटना स्थल का दौरा करेगा, इसकी जांच करेगा और आवश्यक विवरण जैसे सड़क का डिज़ाइन आदि दर्ज करेगा।
- इस प्रकार एकत्र किए गए डेटा का विश्लेषण आई.आई.टी.-एम. में एक टीम द्वारा किया जाएगा, जो सुझाव देगा कि क्या सड़क डिजाइन में सुधारात्मक उपाय किए जाने की आवश्यकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

4. **व्याख्या: पुलिस कमिश्नरी प्रणाली क्या है?**

- उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने राज्य की राजधानी लखनऊ और नोएडा के लिए पुलिस कमिश्नरी प्रणाली को मंजूरी प्रदान की है।
- यह प्रणाली पुलिस महानिरीक्षक (आई.जी.) रैंक के आई.पी.एस. अधिकारियों को कमिश्नर के रूप में तैनात करती है और उन्हें मजिस्ट्रियल शक्तियों सहित अधिक जिम्मेदारियां प्रदान करती है।
- यहां सफलता के आधार पर पुलिसिंग प्रणाली धीरे-धीरे अन्य जिलों में भी लागू की जा सकती है।

पुलिस कमिश्नरी प्रणाली के संदर्भ में जानकारी

- संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत, 'पुलिस' राज्य सूची के अंतर्गत है, जिसका अर्थ है कि अलग-अलग राज्य सामान्यत: इस विषय पर कानून बनाने और नियंत्रण का अभ्यास कर सकते हैं।
- जिला स्तर पर फोर्स की व्यवस्था में, नियंत्रण की एक 'दोहरी प्रणाली' मौजूद है, जिसमें पुलिस अधीक्षक (एस.पी.) को पुलिस प्रशासन की निगरानी के लिए जिला मजिस्ट्रेट (डी.एम.) के साथ काम करना पड़ता है।
- महानगरीय स्तर पर, कई राज्यों ने दोहरी प्रणाली को कमिश्नरी प्रणाली से प्रतिस्थापित किया है क्यों कि यह जटिल शहरी केंद्रित मुद्दों को हल करने के लिए तेजी से निर्णय लेने की अनुमति देने वाला माना जाता है।
- कमिश्नरी प्रणाली में, पुलिस आयुक्त (सी.पी.), एक एकीकृत पुलिस कमान संरचना का प्रमुख होता है, जो शहर में फोर्स के लिए जिम्मेदार होता है और राज्य सरकार के प्रति जवाबदेह होता है।
- इस पद में मजिस्टेरियल शक्तियां भी शामिल होती हैं, जो विनियमन, नियंत्रण और लाइसेंसिंग से संबंधित हैं।
- सी.पी. को उप महानिरीक्षक रैंक या उससे ऊपर के रैंक से लाया जाता है और विशेष/ संयुक्त/ अतिरिक्त/ उपायुक्तों द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

यह कितने राज्यों में है?

- बिहार, मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश और कुछ पूर्वोत्तर राज्यों को छोड़कर लगभग सभी राज्यों में कमिश्नरी प्रणाली है।

इतिहास

- अंग्रेजों ने इस प्रणाली को सबसे पहले कोलकाता में लागू किया था और इसके बाद मुंबई और चेन्नई प्रेसीडेंसी में लागू किया था। दिल्ली, मोरारजी देसाई के शासन के दौरान एक कमिश्नरी में बदली थी।
- 1978 में, कानपुर से शुरुआत करके उत्तर प्रदेश में इस प्रणाली को शुरू करने की पहल कभी भी कार्यान्वित न हो सकी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- लाइवमिंट

5. **शास्त्रीय भाषा**

- हाल ही में, अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन ने मांग की थी कि मराठी को 'शास्त्रीय भाषा' का दर्जा दिया जाए।

भारत में 'शास्त्रीय' भाषाओं के संदर्भ में जानकारी

- वर्तमान में, छह भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्रदान किया गया है, ये भाषाएं तमिल (2004 में घोषित), संस्कृत (2005), कन्नड़ (2008), तेलुगु (2008), मलयालम (2013) और उडिया (2014) हैं।
- फरवरी, 2014 में राज्य सभा में संस्कृति मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, किसी भाषा को "शास्त्रीय" घोषित करने के लिए दिशानिर्देश निम्न हैं:
  - 1500-2000 वर्षों की अवधि में इसके शुरुआती ग्रंथों/ दर्ज इतिहास की उच्च प्राचीनता
  - प्राचीन साहित्य/ ग्रंथों का एक भाग, जिसे वक्ताओं की पीढ़ियों द्वारा एक मूल्यवान विरासत माना जाता है
  - साहित्यिक परंपरा मूल होनी चाहिए और दूसरे भाषा समुदाय से उधार नहीं ली जानी चाहिए
  - शास्त्रीय भाषा और साहित्य, आधुनिक से भिन्न होने के कारण शास्त्रीय भाषा और उसके बाद के रूपों या उसकी शाखाओं के बीच एक अनिरंतरता भी हो सकती है।

<u>भाषा को शास्त्रीय भाषा के रूप में अधिसूचित होने पर मिलने वाले लाभ</u>

- शास्त्रीय भारतीय भाषाओं में प्रख्यात विद्वानों के लिए दो प्रमुख वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार
- शास्त्रीय भाषाओं में अध्ययन के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया गया है
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुरोध है कि वह कम से कम केंद्रीय विश्वविद्यालयों में, शास्त्रीय भाषाओं के लिए घोषित व्यवसायिक पदों की एक निश्चित संख्या के साथ शुरुआत करें।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- पी.आई.बी.

6. **<u>डीगो: विशाल कछुआ</u>**

- गालापागोस राष्ट्रीय उद्यान ने कछुआ आबादी 15 से 2,000 तक हो जाने के कारण विशालकाय कछुआ बहाली पहल (जी.टी.आर.आई.) को बंद कर दिया है, यह राष्ट्रीय उद्यान का एक कैदी प्रजनन कार्यक्रम है।

गालापागोस कछुआ के संदर्भ में जानकारी

- डीगो, 1976 में प्रजनन कार्यक्रम में शामिल हुआ था।
- यह चेलोनोडिशूडेंसिस का एक सदस्य या विशालकाय कछुआ प्रजाति है।
- डिएगो की एक "लंबी चमड़े की गर्दन, हल्का पीला चेहरा और छोटी और चमकीली आँखें" हैं। पूरी तरह से फैलाने पर वह लगभग पांच फीट तक लंबा है और इसका वजन लगभग 176 पाउंड है।
- लंबी गर्दन उसकी प्रजातियों के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण है, नागफनी को खाने में यह लंबी गर्दन कछुओं की मदद करती है।
- यह सात गालापागोस द्वीप समूह में वितरित हैं, इक्वाडोर का हिस्सा है, जो इक्वाडोर की मुख्य भूमि से लगभग 1,000 कि.मी. पश्चिम में स्थित है।
- वनों में इसकी औसत जीवन अवधि 100 वर्ष से अधिक है।

संरक्षण स्तर

- आई.यू.सी.एन. रेड लिस्ट दर्जा गंभीर रूप से लुप्तप्राय है।
- यह वन्य जीवों एवं वनस्पतियों के लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन के परिशिष्ट I पर सूचीबद्ध है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –जैवविविधता

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>सरकार ने दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए नीति प्रकाशित की है।</u>**

- केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए एक राष्ट्रीय नीति प्रकाशित की है, जिसमें 450 बीमारियों को दुर्लभ के रूप में सूचीबद्ध किया गया लेकिन उपचार पर एक विस्तृत रोडमैप प्रदान नहीं किया है।

नीति के संदर्भ में जानकारी:

- नवीनतम नीति में दुर्लभ बीमारियों की तीन श्रेणियां हैं:
    - एक समय के रोगनिवारक उपचार वाली बीमारियां
    - ऐसी बीमारियाँ जिनके लिए दीर्घकालिक उपचार की आवश्यकता होती है लेकिन लागत कम होती है।
    - ऐसे रोग जिनके जीवन भर इलाज की आवश्यकता होती है और लागत अधिक होती है।
- नीति में कहा गया है कि केंद्र, एक समय के रोगनिवारक उपचार वाली दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित रोगियों को राष्ट्रीय आरोग्य निधि योजना के अंतर्गत 15 लाख रुपये की सहायता प्रदान करेगा।
- यह उपचार प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभार्थियों तक सीमित है।
- इस श्रेणी की कुछ बीमारियां ऑस्टियोपेट्रोसिस, प्रतिरक्षा की कमी के विकार और लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर हैं।

दुर्लभ रोगों के संदर्भ में जानकारी

- दुर्लभ बीमारी, निम्न संभावना की स्वास्थ्य स्थिति है जो सामान्य आबादी में अन्य प्रचलित बीमारियों की तुलना में कम संख्या में लोगों को प्रभावित करती हैं।
- भारत में, हीमोफिलिया, थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया और बच्चों में प्राथमिक प्रतिरक्षा की कमी, ऑटो-इम्यून रोग, पोम्पे रोग और गौचर रोग जैसे लाइसोसोमल स्टोरेज विकार दुर्लभ बीमारियों की सूची में हैं।

दुर्लभ बीमारियों पर नीति बनाने की सिफारिश करने के लिए सरकार द्वारा नियुक्त विभिन्न समितियाँ

- बाल रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली के प्रमुख प्रोफेसर वी.के. पॉल की अध्यक्षता में एक समिति- दुर्लभ आनुवंशिक विकारों के लिए चिकित्सा का प्राथमिकताकरण' बनाई गई थी।
- भारत में दुर्लभ बीमारियों पर उप-समिति- 'थेरेपी और प्रबंधन के लिए दिशानिर्देश' का गठन प्रो. आई.सी. वर्मा, निदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल जेनेटिक्स जेनोमिक्स, सर गंगा राम अस्पताल की अध्यक्षता में किया गया था
- डॉ. दीपक के. टेम्पे, डीन, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज (एम.ए.एम.सी.), नई दिल्ली की अध्यक्षता में दुर्लभ बीमारियों पर एक उच्च स्तरीय अंतःविषय समिति का गठन किया गया था।

नोट:

राष्ट्रीय आरोग्य निधि योजना

- यह योजना उन रोगियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जो गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं और जो चिकित्सा उपचार प्राप्त करने के लिए प्रमुख जानलेवा बीमारियों से पीड़ित हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

8. **<u>स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को '8 वंडर्स ऑफ एस.सी.ओ.' में जगह मिली है।</u>**

- हाल ही में, विदेश मंत्री ने घोषणा की है कि गुजरात में 182 मीटर ऊंची स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को शंघाई सहयोग संगठन के "8 वंडर्स ऑफ एस.सी.ओ." सूची में शामिल किया गया है।

एस.सी.ओ. वंडर सूची के संदर्भ में जानकारी

- एस.सी.ओ. के अजूबों में एस.सी.ओ. के पुरातात्विक और ऐतिहासिक स्मारक शामिल हैं।

उसमे समाविष्ट हैं

- भारत में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी
- ताजिकिस्तान में नवरुज पैलेस
- चीन में दमिंग पैलेस
- पाकिस्तान में मुगलों की विरासत
- कजाकिस्तान में तमगाली जॉर्ज
- उज्बेकिस्तान में पायो-ए-कलां कॉम्प्लेक्स
- गोल्डन रिंग ऑफ रूस लाहौर
- किर्गिस्तान में इस्किक-कुल झील

'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के संदर्भ में जानकारी

- स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है, जो भारत के पहले गृह मंत्री के साथ-साथ उप प्रधानमंत्री, सरदार वल्लभभाई पटेल को एक श्रद्धांजलि के रूप में समर्पित है।
- इस प्रतिमा का उद्घाटन अक्टूबर, 2018 में प्रधानमंत्री द्वारा पटेल जी की 143वीं जयंती के अवसर पर किया गया था।

शंघाई सहयोग संगठन के संदर्भ में जानकारी

- शंघाई सहयोग संगठन को शंघाई संधि के नाम से भी जाना जाता है, एक यूरेशियाई राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य संगठन है, जिसकी स्थापना 2001 में शंघाई में हुई थी।
- एस.सी.ओ. का सचिवालय चीन के बीजिंग में स्थित है।
- एस.सी.ओ. के सदस्य चीन, भारत, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

16.01.2020

1. **ब्लू फ्लैग प्रमाणन**

- हाल ही में, केंद्र ने कुछ समुद्र तटों के तटीय विनियमन क्षेत्र (सी.आर.जेड) क्षेत्रों में अनुमत गतिविधियों और सुविधाओं की एक सूची घोषित करते हुए एक असाधारण राजपत्र अधिसूचना जारी की है, जिसे ब्लू फ्लैग प्रमाणन प्राप्त करने के लिए पहचाना गया है।
- नवीनतम अधिसूचना के अनुसार, उच्च टाइड लाइन (एच.टी.एल.) से 10 मीटर की न्यूनतम दूरी बनाए रखने के संदर्भ में द्वीपों सहित समुद्र तटों के सी.आर.जेड. में निम्नलिखित गतिविधियों और सुविधाओं की अनुमति होगी:
  - पोर्टेबल टॉयलेट ब्लॉक, चेंज रूम और शॉवर पैनल
  - ग्रेवाटर उपचार संयत्र
  - ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र
  - सौर ऊर्जा संयंत्र
  - शुद्ध पेयजल सुविधा
  - तट की पहुँच वाले मार्ग
  - भूनिर्माण प्रकाश
  - बैठने के लिए बेंच और सिट-आउट अंब्रेला
  - आउटडोर खेल/ फिटनेस उपकरण
  - सी.सी.टी.वी. निगरानी और नियंत्रण कक्ष
  - प्राथमिक चिकित्सा स्टेशन
  - क्लोकरूम सुविधा
  - सुरक्षा निगरानी टॉवर और समुद्र तट सुरक्षा उपकरण
  - तटीय लेआउट, पर्यावरण सूचना बोर्ड और अन्य संकेत
  - बाड़ लगाना, अधिमानतः वनस्पतिक
  - पार्किंग सुविधाएं
  - प्रवेश द्वार, पर्यटक सुविधा केंद्र और
  - ब्लू फ्लैग प्रमाणन की आवश्यकताओं के अनुसार, अन्य संबद्ध सुविधाएं या बुनियादी ढाँचा
- अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि इन गतिविधियों और सुविधाओं को क्रमशः सी.आर.जेड. अधिसूचना, द्वीप संरक्षण क्षेत्र अधिसूचना और द्वीप तटीय विनियमन क्षेत्र अधिसूचना के प्रावधानों के अंतर्गत पूर्व मंजूरी से छूट प्रदान की जाएगी।

'ब्लू फ्लैग' प्रमाणन के संदर्भ में जानकारी

- 'ब्लू फ्लैग' एक प्रमाणन है जो समुद्र तट, मरीना या स्थायी नौका विहार पर्यटन ऑपरेटर द्वारा प्राप्त किया जा सकता है और एक पारिस्थितिक-लेबल के रूप में कार्य करता है।
- यह प्रमाणन डेनमार्क आधारित गैर-लाभकारी पर्यावरणीय शिक्षा संघ (एफ.ई.ई.) द्वारा समुद्र तटों के लिए चार मुख्य प्रमुखों के अंतर्गत 33 कठोर मानदंडों से सम्मानित किया गया है:
    - पर्यावरणीय शिक्षा और सूचना
    - नहाने के पानी की गुणवत्ता
    - पर्यावरण प्रबंधन एवं संरक्षण
    - सुरक्षा और सेवाएँ
- यह एफ.ई.ई. के सदस्य देशों में समुद्र तटों और मारिनों को प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है।

नोट:

जुलाई, 2019 की अपनी अधिसूचना में, पर्यावरण मंत्रालय ने ब्लू फ्लैग प्रमाणन के लिए भारत में निम्नलिखित समुद्र तटों की पहचान की है:

1. शिवराजपुर (देवभूमि द्वारका, गुजरात)
2. भोगावे (सिंधुदुर्ग, महाराष्ट्र)
3. घोघला (दीव, दमन और दीव)
4. मीरामार (पंजिम, गोवा)
5. कासरकोड (कारवार, कर्नाटक)
6. पदुबिद्री (उडुपी, कर्नाटक)
7. कप्पड (कोझिकोड, केरल)
8. ईडेन (पुदुचेरी)
9. महाबलीपुरम (कांचीपुरम, तमिलनाडु)
10. रुशिकोंडा (विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश)
11. गोल्डेन (पुरी, ओडिशा)
12. राधानगर (पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार)

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. **<u>केरल सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में नागरिकता अधिनियम को चुनौती दी है।</u>**

- केरल, सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सी.ए.ए.) को चुनौती देने वाला पहला राज्य बन गया है।
- केंद्र और राज्यों के बीच विवादों पर संविधान के अनुच्छेद 131 के अंतर्गत दायर याचिका में कहा गया है कि अधिनियम, भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 के अंतर्गत समानता के अधिकार, अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन के अधिकार और अनुच्छेद 25 के अंतर्गत धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करता है।

अनुच्छेद 131 के संदर्भ में जानकारी

- सर्वोच्च न्यायालय के तीन प्रकार के क्षेत्राधिकार हैं:
    - मूल
    - अपीलीय
    - सलाहकार
- अपने सलाहकार क्षेत्राधिकार के अंतर्गत, राष्ट्रपति को संविधान के अनुच्छेद 143 के अंतर्गत शीर्ष अदालत से राय लेने की शक्ति प्राप्त है।
- अपने अपीलीय क्षेत्राधिकार के अंतर्गत, सर्वोच्च न्यायालय, निचली अदालतों से अपील सुनता है।
- अपने असाधारण मूल क्षेत्राधिकार के अंतर्गत, सर्वोच्च न्यायालय के पास राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनावों से संबंधित विवादों को सुलझाने की विशेष शक्ति है, जो राज्यों और केंद्र को शामिल करते हैं और मौलिक अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित मामले शामिल हैं।
- संविधान के अनुच्छेद 131 के अंतर्गत, इसके प्रावधान के अंतर्गत सर्वोच्च न्यायालय पास निम्न के बीच किसी भी विवाद से निपटने के लिए मूल अधिकार क्षेत्राधिकार है:
    - केंद्र और एक राज्य
    - केंद्र और एक तरफ एक राज्य और दूसरी तरफ अन्य राज्य
    - दो या अधिक राज्य

- अनुच्छेद 131 का इस्तेमाल विभिन्न दलों के नेतृत्व वाली राज्य और केंद्र सरकारों के बीच राजनीतिक मतभेदों को सुलझाने के लिए नहीं किया जा सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. **<u>सोने के आभूषणों के लिए हॉलमार्किंग जरूर की जानी चाहिए।</u>**

- हाल ही में, उपभोक्ता मामलों के मंत्री रामविलास पासवान ने घोषणा की है कि 15 जनवरी, 2021 से भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार किसी भी जौहरी को बिना हॉलमार्क के सोने के आभूषण या कलाकृतियां बेचने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सोने की हॉलमार्किंग के संदर्भ में जानकारी

- यह एक शुद्धता प्रमाणन है जो कम कैरेट से जनता को बचाएगा और यह सुनिश्चित करेगा कि सोने के गहने खरीदते समय उपभोक्ताओं के साथ धोखा न हो सके।
- उपभोक्ताओं को हॉलमार्क वाले सोने के गहनों पर चार अंक देखने होंगे:
    - बी.आई.एस. मार्क
    - कैरेट में शुद्धता
    - परख केंद्र का नाम
    - ज्वैलर्स का पहचान चिह्न

नए नियम के अनुसार

- यदि 14, 18 और 22 कैरेट के सोने से बने आभूषण या कलाकृतियां बिना बी.आई.एस. हॉलमार्क के बेचे जाते हैं तो जौहरी पर वस्तु की लागत का पांच गुना जुर्माना या यहां तक कि एक साल तक के कारावास का दंड भी दिया जा सकता है।

भारतीय मानक ब्यूरो के संदर्भ में जानकारी

- भारतीय मानक ब्यूरो (बी.आई.एस.), भारत का राष्ट्रीय मानक निकाय है, जो भारत सरकार के उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तत्वावधान में काम करता है।
- यह भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 द्वारा स्थापित किया गया है, जो 23 दिसंबर, 1986 को लागू हुआ था।
- बी.आई.एस. का प्रशासनिक नियंत्रण रखने वाले मंत्रालय या विभाग के प्रभारी मंत्री, बी.आई.एस. के पदेन अध्यक्ष होते हैं।
- बी.आई.एस. अधिनियम, 2016 में केंद्र सरकार द्वारा स्वर्ण आभूषण और कलाकृतियों की अनिवार्य हॉलमार्किंग के लिए धारा 14 और धारा 16 के अंतर्गत प्रावधानों को सक्षम किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- पी.आई.बी.

4. **<u>इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने भारतीय नौसेना के लिए विशेष नाटो क्लास डीजल लॉन्च किया है।</u>**

- हाल ही में, वाइस एडमिरल जी.एस. पब्बी ने अपग्रेडेड हाई फ्लैश हाई-स्पीड डीजल (HFHSD-IN 512) लॉन्च किया है।

अपग्रेडेड हाई फ्लैश हाई-स्पीड डीजल (HFHSD- IN 512) के संदर्भ में जानकारी

- इसे इंडियन ऑयल कॉर्प (आई.ओ.सी.) द्वारा विकसित किया गया है।
- इसकी आपूर्ति हल्दिया और पारादीप रिफाइनरी से की जा रही है।
- इसमें कम निकलने और कोल्ड फिल्टर प्लगिंग पॉइंट (सी.एफ.पी.पी.) और हाई फ्लैश पॉइंट का एक अद्वितीय संयोजन है।
- सभी समुद्री डीजल ईंधनों में इसकी सीटेन संख्या सबसे अधिक है।
- ईंधन में निम्नलिखित विशेषताओं हैं
    - इसमें सर्वोत्तम रियोलॉजिकल और डिटर्जेंट विशेषताएं हैं
    - सल्फर की मात्रा कम होने के कारण इसका पर्यावरण पर भी कम प्रभाव पड़ता है

- यह द्विपक्षीय/ बहु-राष्ट्रीय रसद समर्थन संधि के अंतर्गत सभी विदेशी नौसेनाओं को अनिवार्य किए गए ईंधन की तुलना में बेहतर गुणवत्ता का ईंधन प्रदान करता है।

नोट:

सीटेन संख्या के संदर्भ में जानकारी

- सीटेन संख्या (सीटेन रेटिंग) डीजल ईंधन की दहन गति और प्रज्वलन के लिए आवश्यक दबाव का एक संकेतक है।
- यह डीजल के लिए भी वैसी ही भूमिका निभाता है जैसी ऑक्टेन रेटिंग, गैसोलीन के लिए निभाती है।
- सीटेन संख्या, डीजल ईंधन की गुणवत्ता का निर्धारण करने में एक महत्वपूर्ण कारक है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **<u>केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री 'सक्षम' लांच करने जा रहे हैं।</u>**

- केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री पी.सी.आर.ए. के वार्षिक एक महीने लंबे जन-केंद्रित ईंधन संरक्षण मेगा अभियान 'सक्षम' को लांच करने जा रहे हैं।

सक्षम के संदर्भ में जानकारी

- यह पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तत्वावधान में पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ का एक जन-केंद्रित ईंधन संरक्षण मेगा अभियान है।
- इस अभियान का उद्देश्य जन-केंद्रित गतिविधियों के माध्यम से ईंधन संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करना है।
- इसका उद्देश्य नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए पेट्रोलियम उत्पादों के संरक्षण और प्रभावी उपयोग के लिए जागरूक करने के प्रयासों को तेज करना है।

पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ के संदर्भ में जानकारी

- यह भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तत्वावधान में स्थापित एक पंजीकृत सोसायटी है।
- पी.सी.आर.ए. अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने में लगा हुआ है।
- यह तेल की आवश्यकताओं पर देश की अत्यधिक निर्भरता को कम करने के उद्देश्य से पेट्रोलियम संरक्षण के लिए नीतियां और रणनीतियां प्रस्तावित करने में भी सरकार की मदद करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>हेनले पासपोर्ट सूचकांक 2020</u>**

- हाल ही में, वार्षिक हेनले पासपोर्ट सूचकांक जारी किया गया है, जिसमें जापान के पास दुनिया का सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट है और सबसे कमजोर पासपोर्ट के साथ अफ़ग़ानिस्तान 107वें स्थान पर है।

हेनले पासपोर्ट सूचकांक के संदर्भ में जानकारी

- अपने नागरिकों के लिए यात्रा स्वतंत्रता के अनुसार हेनले पासपोर्ट सूचकांक, देशों की एक वैश्विक रैंकिंग है।
- इसकी शुरुआत 2006 में हेनली एंड पार्टनर्स वीजा प्रतिबंध सूचकांक के रूप में हुई थी और इसे जनवरी, 2018 में संशोधित किया गया था और नया नाम दिया गया था।
- यह रैंकिंग अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आई.ए.टी.ए.) के डेटा पर आधारित है, जो सभी प्रमुख कैरियर सहित कुछ 290 एयरलाइनों का एक व्यापारिक संघ है।
- इस सूचकांक में 199 विभिन्न पासपोर्ट और 227 विभिन्न यात्रा गंतव्य शामिल हैं। जब वीजा नीति में बदलाव होता है तो डेटा को वास्तविक समय में अपडेट किया जाता है।

- पासपोर्ट की क्षमता को उन देशों के रूप में परिभाषित किया गया है, जहां के धारक बिना वीजा के यात्रा करने के लिए पात्र हैं।
- इसका तात्पर्य है कि गंतव्य देश में प्रवेश करने पर पासपोर्ट धारक आगमन पर वीजा, इलेक्ट्रॉनिक यात्रा प्राधिकरण या आगंतुक का परमिट प्राप्त कर सकते हैं।

वैश्विक परिदृश्य

- जापान लगातार तीन वर्षों से सूचकांक में शीर्ष पर रहा है, 2020 के सूचकांक के अनुसार, इसके नागरिक अग्रिम में वीज़ा प्राप्त किए बिना 191 गंतव्यों तक पहुंचने में सक्षम हैं।
- सिंगापुर दूसरे स्थान पर (2019 में भी) है, सिंगापुर का वीजा-मुक्त/ वीज़ा-ऑन एराइवल स्कोर 190 है। जर्मनी 189 गंतव्यों तक पहुंच के साथ तीसरे (2019 में भी यही स्थिति है) स्थान पर है।
- अमेरिका और यू.के. क्रमागत सूचकांकों में लगातार नीचे जा रहे हैं।
- दोनों देश 2020 में आठवें स्थान पर हैं, 2015 में संयुक्त रूप से पहले स्थान से महत्वपूर्ण गिरावट दर्ज की गई है।

MOST POWERFUL PASSPORTS, 2020

Passport	Henley rank	Access to destinations
Japan	1	191
Singapore	2	190
S Korea	3	189
Germany	3	189
Italy	4	188
Finland	4	188
Spain	5	187
Luxembourg	5	187
Denmark	5	187

All information: Henley Passport Index 2020 and earlier editions

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

भारत का परिदृश्य:

- भारतीय पासपोर्ट की 2020 रैंकिंग में 84वें स्थान पर है, भारत के वीजाधारक 58 गंतव्यों पर वीजामुक्त यात्रा कर सकते हैं, जिसमें 33 वे शामिल हैं जो भारतीयों को आने पर वीजा देती हैं।
- 2006 में सूचकांक के शुरू होने से भारतीय पासपोर्ट 71वें से 88वें स्थान पर आ गया है।
- भारतीय पासपोर्ट 2019 (59 गंतव्यों तक वीजामुक्त पहुंच के साथ, 82वें स्थान पर) और 2018 (60 गंतव्यों तक वीजा मुक्त पहुंच के साथ 81वें स्थान पर) में उच्च स्थान पर रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>2020 के लिए वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियां</u>**

- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 2020 के लिए 13 अति आवश्यक वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों की एक सूची जारी की है।
- 13 संभावित खतरों की सूची में एक नया प्रवेश, पहुंच की कमी को दर्शाता है।
- ये 13 संभावित खतरे/ चुनौतियाँ हैं:
  - जलवायु संकट
  - संघर्ष और संकट में स्वास्थ्य सेवाएं वितरित करना
  - स्वास्थ्य देखभाल में समानता
  - दवाओं तक पहुंच का विस्तार
  - संक्रामक रोग
  - महामारी के लिए तैयारी करना
  - अर्जन सार्वजनिक ट्रस्ट
  - जीनोम एडिटिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी नई तकनीकों का दोहन करना
  - एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध का उदय
  - असुरक्षित भोजन और अस्वास्थ्यकर आहार जैसे खतरनाक उत्पाद
  - हमारे स्वास्थ्य की रक्षा करने वाले लोगों में निवेश करना

- किशोर को सुरक्षित रखना क्यों कि 10 से 19 वर्ष की आयु के एक लाख से अधिक किशोर प्रत्येक वर्ष मर जाते हैं।
- स्वच्छ जल, स्वच्छता, सफाई चार स्वास्थ्य सुविधाओं में से एक के रूप में विश्व स्तर पर बुनियादी पानी, स्वच्छता और स्वच्छता (WASH) सेवाओं का अभाव है

विश्व स्वास्थ्य संगठन के संदर्भ में जानकारी

- यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है, जो अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य से संबंधित है।
- इसका मुख्यालय स्विट्जरलैंड के जिनेवा में स्थित है।
- डब्ल्यू.एच.ओ., संयुक्त राष्ट्र विकास समूह का सदस्य है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – स्वास्थ्य मुद्दे

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

17.01.2020

1. **ब्रू शरणार्थी**

- केंद्रीय गृह मंत्री ने त्रिपुरा में स्थायी रूप से विस्थापित ब्रू लोगों को स्थायी रूप से बसाने के लिए त्रिपुरा, मिजोरम की राज्य सरकारों और ब्रू समुदाय के नेताओं के साथ एम.एच.ए. की एक चतुष्कोणीय संधि पर हस्ताक्षर करने की अध्यक्षता की है।

ब्रू लोगों के संदर्भ में जानकारी

- ब्रू समुदाय को रींग्स के नाम से भी जाना जाता है।
- ये लोग असम, मिजोरम और त्रिपुरा राज्यों में फैले हुए हैं।
- मिजोरम राज्य में वे ममित, लुंगली और ल्वांग्तलाई जिलों के छोटे इलाकों में निवास करते हैं।
- हालांकि, सबसे बड़ा हिस्सा त्रिपुरा के उत्तर त्रिपुरा जिले में स्थित ममित में निवास करता है।

मिज़ो और ब्रू के बीच क्या संघर्ष है?

- 1995 में बहुसंख्यक मिज़ो के साथ संघर्ष ने मिज़ो ज़िरलाई पावल (छात्र संघ) जैसे प्रभावशाली संगठनों ने मांग की थी कि ब्रू को गैर-स्वदेशी जनजाति के रूप में लेबल किया जाए और उन्हें मिज़ोरम के निर्वाचन तालिका से हटा दिया जाए।
- इसके कारण चरमपंथी ब्रू नेशनल लिबरेशन फ्रंट ने एक सशस्त्र आंदोलन किया था, जिसमें 21 अक्टूबर, 1997 को एक मिजो वन अधिकारी की हत्या कर दी थी।
- कई ब्रू गांवों को जला दिया गया था और कथित रूप से उनके साथ बलात्कार किया गया था और मार दिया गया था।
- हजारों ब्रू, उत्तरी त्रिपुरा में भाग गए थे, जहां उन्हें छह राहत शिविरों में शरण दी गई थी, कंचनपुर और पानीसागर उपखंडों में प्रत्येक में तीन-तीन राहत शिविर लगाए गए थे।
- अधिकांश शरणार्थी ममित से थे और कुछ शरणार्थी कोलासिब और लुंगली से थे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

2. **शंघाई सहयोग संगठन**

- हाल ही में, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को शंघाई सहयोग संगठन (एस.सी.ओ.) की सरकार प्रमुखों की परिषद की बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाएगा, जिसे भारत में 2020 में आयोजित किया जाएगा।

शंघाई सहयोग संगठन (एस.सी.ओ.) के संदर्भ में जानकारी

- इसकी स्थापना जून, 2001 में चीन, रूस और मध्य एशियाई राज्यों कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान द्वारा की गई थी।
- इसने गैर-पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियों के खिलाफ सहयोग करने का लक्ष्य रखा है, विशेष रूप से आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद की

तथाकथित "तीन बुराइयों" से लड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

- आश्चर्यजनक रूप से, 2017 में भारत और पाकिस्तान दोनों को पूर्ण सदस्य राज्यों के रूप में स्वीकार करने का निर्णय क्षेत्र के आंतरिक और बाहरी विशेषज्ञों दोनो द्वारा संशयात्मक रूप से स्वीकार किया गया था।
- तथ्य यह है कि एस.सी.ओ. भी अपने सदस्य राज्यों के बीच आपसी विश्वास और अच्छे पड़ोसी संबंधों को मजबूत करने का प्रयास करता है।
- 2017 में एस.सी.ओ. का पूर्णकालिक सदस्य बनने के बाद से भारत और पाकिस्तान दोनों ने कश्मीर में शत्रुता और तनाव के बावजूद एस.सी.ओ. और क्षेत्रीय आतंकवाद रोधी संरचना (आर.ए.टी.एस.) की कई बैठकों में भाग लिया है।
- शंघाई सहयोग संगठन की आधिकारिक कार्यकारी भाषाएँ चीनी और रूसी हैं।

क्षेत्रीय आतंकवाद रोधी संरचना के संदर्भ में जानकारी

- यह एस.सी.ओ. का एक स्थायी अंग है, जो आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद की तीन बुराइयों के खिलाफ सदस्य राज्यों के सहयोग को बढ़ावा देने का काम करता है।
- इसका मुख्यालय उज्बेकिस्तान के ताशकंद में स्थित है।
- आर.ए.टी.एस. के प्रमुख को तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए चुना जाता है। प्रत्येक सदस्य राज्य आर.ए.टी.एस. को एक स्थायी प्रतिनिधि भी भेजता है।

नोट:

- 2019 शंघाई सहयोग संगठन (एस.सी.ओ.), 21-22 मई, 2019 को बिश्केक (किर्गिज़ गणराज्य) में आयोजित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **<u>व्याख्या: भारत के राजकोषीय घाटे पर एक नया विवाद</u>**

- हाल ही में, आर्थिक मामलों के पूर्व सचिव, एस.सी. गर्ग ने अपने ब्लॉग में दावा किया है कि पिछले और वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए वास्तविक राजकोषीय घाटा, आधिकारिक आंकड़ों की तुलना में पूर्ण प्रतिशत से अधिक है।

विवाद का कारण

- सरकार के कुछ खर्चों को तथाकथित "ऑफ-बजट" आइटम द्वारा वित्त पोषित किया गया था।
- जिसके परिणामस्वरूप, जबकि यह अतिरिक्त व्यय आधिकारिक गणनाओं में नहीं उल्लिखित था, इसका मतलब था कि वास्तविक राजकोषीय घाटा या सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा लिया गया उधार, बजट में प्रस्तुत किए गए स्तर से अधिक था।
- अपने ब्लॉग में, उन्होंने कहा है कि वित्त वर्ष 2018-19 के लिए राजकोषीय घाटा 4.7% है, जो जुलाई में वित्त मंत्री बजट द्वारा दावा किए गए प्रतिशत की तुलना में पूर्ण प्रतिशत बिंदु से अधिक है।

राजकोषीय घाटे के संदर्भ में जानकारी

- राजकोषीय घाटा, राजस्व प्राप्तियों और गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियों (एन.डी.सी.आर.) के योग और कुल व्यय का अंतर है।
- दूसरे शब्दों में, राजकोषीय घाटा "सरकार की कुल उधार आवश्यकताओं का परावर्तक" है।

राजकोषीय घाटे का महत्व क्या है?

- अर्थव्यवस्था में, निवेश योग्य बचत का सीमित पूल है।
- इन बचतों का उपयोग बैंक जैसे वित्तीय संस्थानों द्वारा निजी व्यवसायों (बड़े और छोटे दोनों) और सरकारों (केंद्र और राज्य) को उधार देने के लिए किया जाता है।
- राजकोषीय घाटे का महत्व यह है कि यदि यह अनुपात बहुत अधिक है तो इसका मतलब है कि

निजी उद्यमियों और व्यवसायों को उधार देने के लिए बाजार में कम धनराशि बची है।

- इस धन की कम राशि के परिणामस्वरूप इस तरह के ऋण पर लगाए गए ब्याज की दर अधिक हो जाती है।
- अत: एक उच्च राजकोषीय घाटे का अर्थ है कि सरकार द्वारा अधिक उधारी ली गई है, जिसके परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था में ब्याज दर अधिक हो गई है।

राजकोषीय घाटे का स्वीकार्य स्तर क्या है?

- राजकोषीय घाटे का कोई ऐसा सार्वभौमिक स्तर नहीं है, जिसे अच्छा माना जाता हो।
- सामान्यत:, विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए, जहां निजी उद्यम कमजोर हो सकते हैं और सरकारें निवेश करने के लिए बेहतर स्थिति में हो सकती हैं, वहां राजकोषीय घाटा, विकसित अर्थव्यवस्था में राजकोषीय घाटे की तुलना में अधिक हो सकता है।
- विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में, सरकारों को भी राजस्व बढ़ाने के लिए पर्याप्त रास्ते न होने पर सामाजिक और भौतिक बुनियादी ढाँचे दोनो में अग्रिम निवेश करना होगा।

नोट:

- भारत में, राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम में केंद्र सरकार को अपने राजकोषीय घाटे को जी.डी.पी. के 3 प्रतिशत तक कम करने की आवश्यकता है।
- भारत इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- टी.ओ.आई.

4. **<u>महिला व्यापार एवं कानून (डब्ल्यू.बी.एल.) 2020 सूचकांक</u>**

- हाल ही में, विश्व बैंक ने महिला व्यापार एवं कानून (डब्ल्यू.बी.एल.) 2020 सूचकांक जारी किया है, जो महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को मापता है।

महिला व्यापार एवं कानून सूचकांक के संदर्भ में जानकारी

- यह सूचकांक उन देशों के औपचारिक कानूनों और विनियमों पर आधारित है जो महिलाओं की आर्थिक भागीदारी पर असर डालते हैं, जो आठ क्षेत्रों (जैसे: पितृत्व, वेतन की समानता) को शामिल करते हैं।
- यह पुरुषों और महिलाओं के बीच कानूनी अंतर को मापने के लिए 8 संकेतकों का उपयोग करता है क्यों कि वे कामकाजी जीवन के विभिन्न चरणों के माध्यम से संक्रमण करते हैं।
- ये संकेतक हैं:
- गतिशीलता, कार्यस्थल, तनख्वाह, विवाह, पितृत्व, उद्यमशीलता, परिसंपत्तियां और पेंशन

सूचकांक की मुख्य विशेषताएं

- **केवल आठ अर्थव्यवस्थाओं ने पूर्ण 100 स्कोर किया है, वे बेल्जियम, कनाडा, डेनमार्क, फ्रांस, आइसलैंड, लताविया, लक्जमबर्ग और स्वीडन हैं।**
- इन देशों ने सूचकांक के सभी आठ संकेतकों पर पुरुषों और महिलाओं के लिए समान कानूनी स्थिति सुनिश्चित की है।
- **जिन अर्थव्यवस्थाओं में सबसे ज्यादा सुधार हुआ है, वे सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल और दक्षिण सूडान हैं।**
- रिपोर्ट में दावा किया गया है कि "पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र", "यूरोप और मध्य एशिया" या "लैटिन अमेरिका और कैरिबियाई" में कोई अर्थव्यवस्था शीर्ष सुधारकों में शामिल नहीं थी।

भारत का प्रदर्शन

- भारत ने 74.4 स्कोर किया है और 190 देशों में 117वें स्थान पर है।
- इसने बेनिन और गाम्बिया के साथ 74.4 का स्कोर किया है और रवांडा और लेसोथो जैसे न्यूनतम विकसित देशों के नीचे स्थान प्राप्त किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महिला सशक्तीकरण

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>वैश्विक जोखिम रिपोर्ट 2020</u>**

- वैश्विक जोखिम रिपोर्ट 2020 को विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यू.ई.एफ.) द्वारा जारी किया गया है।

वैश्विक जोखिम रिपोर्ट के संदर्भ में जानकारी

- यह ग्लोबल रिस्क नेटवर्क के काम पर आधारित है, यह रिपोर्ट साल-दर-साल वैश्विक जोखिम परिदृश्य में होने वाले परिवर्तनों का वर्णन करती है और वैश्विक विनाशकारी जोखिमों की पहचान करती है।
- रिपोर्ट के 10 वर्ष के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि इस वर्ष विश्व को प्रभावित करने वाले संभावित शीर्ष पांच मुद्दों में से सभी पर्यावरणीय हैं।
- नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार संभावित शीर्ष 10 जोखिम:
  - चरम मौसमी घटनाएं
  - जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन की विफलता
  - प्रमुख प्राकृतिक आपदाएँ
  - डेटा धोखाधड़ी/ चोरी की एक बड़ी घटना
  - बड़े पैमाने पर साइबर हमले
  - मानव निर्मित पर्यावरणीय क्षति और आपदाएं
  - बड़े पैमाने पर अनैच्छिक प्रवास
  - बड़े स्तर पर जैव विविधता हानि और पारिस्थितिकी तंत्र का पतन
  - जल संकट
  - एक प्रमुख अर्थव्यवस्था में परिसंपत्ति बुलबुले

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- अगले 10 वर्षों में "संभावना के संदर्भ में शीर्ष पांच वैश्विक जोखिम" थे:
  - संपत्ति, बुनियादी ढांचे और मानव जीवन को नुकसान के साथ बड़े पैमाने पर चरम मौसमी घटनाएं
  - सरकारों और व्यवसायों द्वारा जलवायु-परिवर्तन शमन और अनुकूलन की विफलता
  - मानव निर्मित पर्यावरणीय क्षति और आपदाएँ, जिनमें पर्यावरण अपराध भी शामिल है जैसे कि तेल फैलना और रेडियोधर्मी संदूषण
  - पर्यावरण के लिए अपरिवर्तनीय परिणामों के साथ प्रमुख जैवविविधता हानि और पारिस्थितिकी तंत्र का पतन, जिसके परिणामस्वरूप मानव जाति के साथ-साथ उद्योगों के लिए गंभीर रूप से कमजोर संसाधन हैं।
  - पिछले दशक में, आर्थिक और वित्तीय संकट कुछ सबसे खतरनाक थे।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक तापमान इस सदी के अंत तक 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने के लिए निर्धारित किया गया है।
- यह "दो बार जलवायु विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यह सबसे गंभीर आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय परिणामों से बचने की सीमा है"।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द गार्डियन

6. **<u>रोजगारसंगी ऐप</u>**

- हाल ही में, छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण ने एक मोबाइल फोन ऐप- रोज़गारसंगी लॉन्च किया है।

रोजगारसंगी एप्लीकेशन के संदर्भ में जानकारी

- यह एक मोबाइल एप्लिकेशन है, जिसका उद्देश्य प्रशिक्षित उम्मीदवारों को नौकरियों दिलाना है।
- यह स्टार्ट-अप कंपनियों की कार्यालय कर्मचारियों को काम पर रखने में भी मदद करेगा।
- ऐप को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एन.आई.सी.) की मदद से विकसित किया गया है।

- यह कुशल और प्रशिक्षित उम्मीदवारों के लिए पहुंच बढ़ाएगा जिसके परिणामस्वरूप नौकरी के अवसर बढ़ेंगे।

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के संदर्भ में जानकारी

- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, भारत सरकार द्वारा 1976 में देश में अपनी तकनीक और ई-गवर्नेंस पहलों के संचालन हेतु स्थापित किया गया एक संस्थान है।
- यह संस्थान, भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के विभाग का हिस्सा है।
- एन.आई.सी. सरकार के "सूचना विज्ञान-नेतृत्व-विकास" कार्यक्रम में एक सक्रिय उत्प्रेरक और सूत्रधार रहा है (इसे ई-गवर्नमेंट प्रोग्राम, ई-गवर्नेंस प्रोग्राम भी कहा जा सकता है)।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

7. **<u>केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण</u>**

- केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सी.ए.आर.ए.) ने नई दिल्ली में अपना पांचवाँ वार्षिक दिवस मनाया है।

केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण के संदर्भ में जानकारी

- यह देश के भीतर गोद लेने को बढ़ावा देने और सुविधाजनक बनाने के लिए भारत सरकार का एक सर्वोच्च निकाय है और केंद्रीय अंतर-देश दत्तक ग्रहण विनियमन प्राधिकरण के रूप में नामित किया गया है।
- यह अपनी संबंधित/ मान्यता प्राप्त गोद लेने वाली एजेंसियों के माध्यम से अनाथ, छोड़े गए और आत्मसमर्पित बच्चों को गोद लेने से भी संबंधित है।
- इसे 2003 में भारत सरकार द्वारा अनुमोदित अंतर-देशीय दत्तक ग्रहण पर हेग सम्मेलन, 1993 के प्रावधानों के अनुसार अंतर-देशीय दत्तक ग्रहण से संबंधित मामलों से निपटने के लिए केंद्रीय प्राधिकरण के रूप में नामित किया गया है।

हेग सम्मेलन के संदर्भ में जानकारी

- बच्चों के संरक्षण और अंतर-देशीय दत्तक ग्रहण के सापेक्ष सहयोग पर हेग सम्मेलन, निजी अंतर्राष्ट्रीय कानून पर हेग सम्मेलन द्वारा विकसित एक बहुपक्षीय संधि है।
- यह सम्मेलन 1993 में सम्पन्न हुआ था और वर्ष 1995 में अपनाया गया था।
- यह सम्मेलन 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों पर लागू होता है।
- यह सम्मेलन बच्चों और उनके परिवारों को विदेशों में अवैध, अनियमित, समय से पहले या बीमार दत्तक ग्रहण के जोखिमों से बचाता है।
- यह सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा उपाय भी करता है कि सभी अंतर-देशीय दत्तक ग्रहण बच्चे के सर्वोत्तम हित में हों और उनके मानवाधिकारों का सम्मान करते हों।
- यह गारंटी देने हेतु देशों के बीच सहयोग को भी सुनिश्चित करता है कि इन सुरक्षा उपायों का सम्मान किया जाए और बच्चों के अपहरण, बिक्री या तस्करी को रोका जा सके।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

8. **<u>व्याख्या: पंजाब का नया व्यापारिक अधिकार विधेयक क्या है?</u>**

- पंजाब मंत्रिमंडल ने पंजाब व्यापारिक अधिकार विधेयक, 2020 को अपनी मंजूरी प्रदान की है।

विधेयक के संदर्भ में जानकारी

- व्यापार का अधिकार अधिनियम का उद्देश्य राज्य में एम.एस.एम.ई. की स्थापना और संचालन के लिए कुछ निश्चित स्वीकृतियों और निरीक्षणों से छूट प्रदान करना और स्व-घोषणा के सक्षम प्रावधान प्रदान करके नए शामिल किए गए

एम.एस.एम.ई. पर विनियामक बोझ को कम करना है।

- अधिनियम में विभिन्न विनियामक सेवाओं को शामिल किया जाएगा, जिसमें भवन योजनाओं की मंज़ूरी, भवनों के लिए पूर्णता/ कब्जे का प्रमाण पत्र जारी करना, पंजाब नगरपालिका अधिनियम, 1911 और पंजाब नगर निगम अधिनियम 1976 के अंतर्गत नए व्यापार लाइसेंस का पंजीकरण करना शामिल हैं।

अन्य निर्णय

- मंत्रिमंडल ने 16 और 17 जनवरी को दो दिनों के लिए संविधान के अनुच्छेद 174 (1) के अनुसार राज्यपाल को 15वी पंजाब विधानसभा के 10वें सत्र को बुलाने की सिफारिश करने का भी निर्णय लिया है।
- इसने संवैधानिक (126वां संशोधन) विधेयक की पुष्टि करने के लिए प्रस्ताव पारित करने हेतु भी आगे का रास्ता भी दिया है।
- संविधान (126वां संशोधन) विधेयक, 2019 पंजाब में अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण को 25 जनवरी, 2020 से अगले एक दशक के लिए विस्तारित करता है।
- मंत्रिमंडल ने प्रासंगिक बिल के साथ पंजाब उत्पाद एवं सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश, 2019 के अधिनियमन को भी मंज़ूरी प्रदान की है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

20.01.2020

1. **<u>कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के खिलाफ सख्त कानून हेतु केंद्र</u>**

- गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में मंत्रियों के समूह ने अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप प्रदान किया है, जिसे कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए कानूनी ढांचे को मजबूत करने हेतु गठित किया गया था।
- वे सिफारिशें, जिनमें भारतीय दंड संहिता में नए प्रावधानों को जोड़ना शामिल है, उन सिफारिशों को जनता के समक्ष टिप्पणियां प्राप्त करने हेतु रखा जाएगा।

समिति के संदर्भ में जानकारी

- अक्टूबर, 2018 में #मीटू आंदोलन के परिणामस्वरूप कई महिलाओं द्वारा सोशल मीडिया पर अपनी परख साझा करने के बाद पहले मंत्रियों के समूह का गठन किया गया था।
- श्रीमान शाह के अंतर्गत जुलाई, 2019 में इसका पुनर्गठन किया गया था।
- इसके अन्य सदस्यों में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, मानव संसाधन विकास (एच.आर.डी.) मंत्री, रमेश पोखरियाल और महिला एवं बाल विकास, मंत्री स्मृति ईरानी हैं।

महिला एवं कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न अधिनियम, 2013 के संदर्भ में जानकारी

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 2013 में महिला एवं कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न अधिनियम (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम को अधिनियमित किया था।
- यह अधिनियम सरकारी कार्यालयों, निजी क्षेत्र, गैर सरकारी संगठनों और असंगठित क्षेत्रों पर लागू होगा।
- प्रस्तावित संशोधन काफी हद तक 1997 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित विशाखा दिशानिर्देशों पर आधारित होंगे, जिस पर 2013 अधिनियम आधारित था।
- इसने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की गतिविधियों को रोकने या निरूद्ध करने के लिए नियोक्ता को जिम्मेदार बनाया है।
- यह अधिनियम यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के शीघ्र निवारण की सुविधा के लिए

शिकायत दर्ज करने के लिए एक मंच प्रदान करने हेतु 10 या अधिक कर्मचारियों को नियुक्त करने वाले संगठन के प्रत्येक कार्यालय या शाखाओं में आंतरिक शिकायत समिति (आई.सी.सी.) की स्थापना के लिए प्रावधान प्रदान करता है।

- यह असंगठित क्षेत्र या उन प्रतिष्ठानों के लिए जहां आई.सी.सी. का गठन नहीं किया गया है और 10 से कम कर्मचारी हैं, के यौन उत्पीड़न की शिकायतों की जांच करने और उनके निवारण के लिए सरकार द्वारा जिला स्तर पर स्थानीय शिकायत समिति (एल.सी.सी.) की स्थापना के लिए प्रावधान प्रदान करता है।

नोट:

- केंद्र सरकार ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के पंजीकरण के लिए एक ऑनलाइन शिकायत प्रबंधन प्रणाली शुरू की है, जिसे "यौन उत्पीड़न इलेक्ट्रॉनिक-बॉक्स (SHe-Box)" कहा जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महिला सशक्तीकरण

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>सूर्य प्रकाश समिति</u>**

- राज्यसभा टेलीविजन (आर.एस.टी.वी.) और लोकसभा टेलीविजन (एल.एस.टी.वी.) का विलय अंतिम चरण में है, छह सदस्यीय समिति द्वारा इस महीने के अंत तक एक रिपोर्ट उच्च सदन के अध्यक्ष और लोकसभा अध्यक्ष को प्रस्तुत करने की उम्मीद है।

समिति के संदर्भ में जानकारी

- नवंबर, 2019 में गठित समिति का नेतृत्व प्रसार भारती के अध्यक्ष सूर्य प्रकाश कर रहे हैं।
- इसका जनादेश "दो चैनलों के विलय के लिए संसाधनों, श्रमशक्ति और प्रौद्योगिकी के लिए दिशानिर्देश तैयार करना और उनके तौर-तरीकों पर काम करना है"।
- सूत्रों के अनुसार, समिति दो विकल्पों के बीच मूल्यांकन कर रही है।
    - पहला, एक ही चैनल होना और संसद सत्र के दौरान, दोनों सदनों की लाइव डिबेट को प्रसारित करने के लिए एक "संस्करण" है।
    - सूत्रों के अनुसार, दूसरा विकल्प है कि दो चैनलों के साथ जारी रखना लेकिन तकनीकी और मानव संसाधनों के एक सामान्य पूल के साथ "एकीकृत प्रबंधन" के अंतर्गत जारी रखना।
- संसद एक वर्ष में लगभग 100 दिनों के लिए सत्र में रहती है और शेष अवधि के लिए, हमें वास्तविकता में दो चैनलों की आवश्यकता नहीं है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **<u>पल्स पोलियो कार्यक्रम</u>**

- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कम उम्र में बच्चों को प्रभावित करने वाली बीमारी की जांच के लिए अभियान शुरू किया है।

पोलियो के संदर्भ में जानकारी

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने पोलियो या पोलियोमाइलाइटिस को "अत्यधिक संक्रामक विषाणुजनित बीमारी" के रूप में परिभाषित किया है, जो मुख्य रूप से छोटे बच्चों को प्रभावित करती है।

हस्तांतरण

- वायरस व्यक्ति-से-व्यक्ति द्वारा प्रेषित होता है, मुख्य रूप से मल-मौखिक मार्ग के माध्यम से फैलता है या एक सामान्य वाहक (जैसे दूषित पानी या भोजन) द्वारा कम फैलता और आंत में गुणज के रूप में बढ़ता है, जहां से यह तंत्रिका तंत्र पर आक्रमण कर सकता है और लकवा का कारण बन सकता है।

- पोलियो के शुरुआती लक्षणों में बुखार, थकान, सिरदर्द, उल्टी, गर्दन में अकड़न और अंगों में दर्द होना शामिल हैं। मामलों के एक छोटे से अनुपात में रोग, लकवा का कारण बनता है, जो प्राय: स्थायी होता है।
- पोलियो का कोई इलाज नहीं है, इसे केवल टीकाकरण द्वारा रोका जा सकता है।

भारत का पल्स पोलियो कार्यक्रम

- भारत ने 1988 में विश्व स्वास्थ्य सभा (डब्ल्यू.एच.ए.) द्वारा अपनाई गई पोलियो उन्मूलन की वैश्विक पहल के लिए एक प्रस्ताव के बाद 1995 में पल्स पोलियो प्रतिरक्षा कार्यक्रम की शुरूआत की है।
- 0-5 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों को प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय टीकाकरण राउंड (उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में) के दौरान पोलियो की बूंदें पिलाई जाती हैं।
- स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में पोलियो का आखिरी मामला जनवरी, 2011 में पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले से सामने आया था।
- 24 फरवरी, 2012 को डब्ल्यू.एच.ओ. ने भारत को उन देशों की सूची से हटा दिया है, जहां सक्रिय स्थानिक जंगली पोलियो वायरस संक्रमण है।

राज्य और केन्द्र शासित प्रदेशों की पहल

- पल्स पोलियो कार्यक्रम के अंतर्गत, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने देश में किसी भी पोलियो के प्रकोप का जवाब देने के लिए रैपिड रिस्पांस टीम (आर.आर.टी.) विकसित की है।
- राज्यों द्वारा आपातकालीन तैयारी एवं प्रतिक्रिया योजना (ई.पी.आर.पी.) भी विकसित की गई है, जो एक पोलियो मामले का पता लगाने के मामले में उठाए जाने वाले कदमों का संकेत है।
- वायरस को भारत आने से रोकने के लिए सरकार ने मार्च, 2014 के बाद से भारत और पोलियो से प्रभावित देशों जैसे कि अफगानिस्तान, नाइजीरिया, पाकिस्तान, इथियोपिया, केन्या, सोमालिया, सीरिया और कैमरून के बीच यात्रा करने वालों के लिए ओरल पोलियो टीकाकरण (ओ.पी.वी.) अनिवार्य कर दिया है।

नोट:

- इस वर्ष के पल्स पोलियो कार्यक्रम की शुरुआत को चिन्हित करने के लिए राष्ट्रपति भवन, पोलियो टीकाकरण अभियान का स्थल बन गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. **केंद्र ने पर्यावरणीय मंज़ूरी से खोजपूर्ण अभ्यास को छूट प्रदान की है।**

- पर्यावरण मंत्रालय ने उन तेल और गैस फर्मों को छूट प्रदान की है, जो पर्यावरणीय मंज़ूरी लेने से लेकर खोजपूर्ण अभ्यास का संचालन करना चाहते हैं।

पृष्ठभूमि

- समुद्र के निकट और अपतटीय अभ्यास अन्वेषण दोनों के लिए मंज़ूरी है और यह प्रक्रिया एक पारिस्थितिक रूप से गहन अभ्यास है जिसमें कई कुओं को खोदना और भूकंपीय सर्वेक्षण अपतटीय का संचालन करना शामिल है।
- आज तक, यहां तक कि खोजपूर्ण सर्वेक्षणों ने पर्यावरणीय जांच के उच्चतम स्तर को प्राप्त किया है- जिसे श्रेणी 'ए' कहा जाता है- जिसे पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन (ई.आई.ए.) योजना तैयार करने के लिए परियोजना प्रस्तावकों की आवश्यकता होती है।
- इसकी विशेषज्ञों की एक केंद्रीय गठित समिति द्वारा जांच की जाती है और प्रस्तावित परियोजना स्थल के स्थानीय निवासियों को शामिल करने के लिए एक सार्वजनिक सुनवाई के प्रस्ताव को प्रस्तावित करती है।
- नए संशोधन खोजकर्ता परियोजनाओं को 'बी 2' की श्रेणी में पदावनत करते हैं।

- इसका अर्थ है कि यह संबंधित राज्यों द्वारा संचालित किया जाएगा और इसके लिए पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन की आवश्यकता नहीं होगी।
- एक हाइड्रोकार्बन ब्लॉक के रूप में एक अपतटीय या समुद्र के निकट अभ्यास स्थल का विकास करना हालांकि "श्रेणी ए" उपचार को जारी रखना होगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- पी.आई.बी.

5. **<u>यदा यदा वायरस: एक नई रोगज़नक़ खोज</u>**

- शोधकर्ताओं ने "यदा यदा वायरस" नामक एक नए विषाणु की खोज की सूचना दी है।

यदा यदा वायरस के संदर्भ में जानकारी

- यह एक अल्फ़ावायरस, जो वायरस का एक समूह होता है, जिसे शोधकर्ताओं ने "छोटे, एकल-फंसे हुए सकारात्मक-समझ वाले आर.एन.ए. वायरस" के रूप में वर्णित किया है, जिसमें मानव और पशु स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण प्रजातियां शामिल हैं।
- ये मुख्य रूप से मच्छरों द्वारा प्रसारित होते हैं और अपने कशेरुकी मेजबानों में रोगजनक होते हैं।
- कुछ अन्य अल्फ़ावायरसों के विपरीत, यदा यदा मानव के लिए खतरा नहीं है।
- विक्टोरिया, ऑस्ट्रेलिया में तीन स्थानों में रात भर स्थापित किए गए एन्सेफलाइटिस वायरस निगरानी जाल में विक्टोरियन अरबोवायरस डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम के हिस्से के रूप में फंसे मच्छरों में इस वायरस का पता चला था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- टी.ओ.आई.

6. **<u>29वां सरस्वती सम्मान</u>**

- प्रख्यात सिंधी लेखक वासदेव मोहि को उनके लघु कथा संग्रह- चेकबुक के लिए 29वें सरस्वती सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

वासदेव मोहि के संदर्भ में जानकारी

- उन्होंने कविता, कहानी और अनुवाद की 25 किताबें लिखी हैं।
- उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार भी मिला है।

सरस्वती सम्मान के संदर्भ में जानकारी

- यह पुरस्कार प्रतिवर्ष संविधान की अनुसूची 8 में उल्लिखित किसी भी भाषा में पिछले 10 वर्षों के दौरान एक भारतीय नागरिक को उनके प्रकाशित उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदान किया जाता है।
- 1991 में के.के. बिड़ला फाउंडेशन द्वारा इस पुरस्कार की स्थापना की गई थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1–कला एवं संस्कृति

स्रोत- ए.आई.आर.

7. **<u>अपना यूरिया- सोना उगले</u>**

- केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री ने हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एच.यू.आर.एल.) के "अपना यूरिया-साना उगले" ब्रांड को लॉन्च किया है।

हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड के संदर्भ में जानकारी

- यह प्रमुख प्रमोटरों के रूप में तीन महारत्न कंपनियों अर्थात कोल इंडिया लिमिटेड (सी.आई.एल.), एनटीपीसी. लिमिटेड (एन.टी.पी.सी.) और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आई.ओ.सी.एल.) द्वारा अन्य दो साझेदारों एफ.सी.आई.एल. और एच.एफ.सी.एल. के साथ संवर्धित संयुक्त उद्दम कंपनी है।
- यह 2016 में स्थापित किया गया था।
- 2016 में, भारत सरकार ने गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी में स्थित तीन निष्क्रिय यूरिया संयंत्रों के पुनरुद्धार को मंजूरी प्रदान की थी, जो एच.यू.आर.एल. द्वारा शुरू किए गए हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- टी.ओ.आई.

8. **<u>मस्ट रन दर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्रों के लिए कोई बिजली कटौती नहीं है।</u>**

- भारतीय विद्युत ग्रिड कोड (आई.ई.जी.सी.) की समीक्षा करने वाले एक विशेषज्ञ समूह ने दावा किया है कि नवीकरणीय ऊर्जा ऊर्जा संयंत्रों को "मस्ट रन" दर्जे के रूप में माना जाना चाहिए और इन संयंत्रों से बिजली किसी भी व्यावसायिक कारणों से बंद नहीं की जाएगी।

मस्ट रन दर्जे के संदर्भ में जानकारी

- 'मस्ट रन' दर्जे का अर्थ है कि संबंधित ऊर्जा संयत्र को सभी शर्तों के अंतर्गत ग्रिड को बिजली की आपूर्ति करनी है।
- पवन, सौर, पवन-सौर हाइब्रिड और जल संयत्र (छलकाव का कारण बनने वाले पानी की अधिकता के कारण) को मस्ट रन ऊर्जा संयत्र के रूप में माना जाएगा और योग्यता क्रम प्रेषण या किसी अन्य वाणिज्यिक विचार के कारण ये कटौती के अधीन नहीं होंगे।

पृष्ठभूमि

- राज्य बिजली वितरण कंपनियों के ग्रिड से अपनी उत्पादन क्षमता को अनप्लग करने और भुगतान में देरी के कारण हाल के महीनों में नवीकरणीय खिलाड़ियों ने चिंताओं का मुद्दा उठाया है।
- अनप्लगिंग, जिसे बैकिंग-डाउन भी कहा जाता है, यह डिस्कॉम की खराब वित्तीय स्थिति से उपजा है जिसके कारण से उनमें से कई सौर और पवन ऊर्जा उत्पादकों के साथ पी.पी.ए. प्रतिबद्धताओं पर वापस जाने लगे हैं।
- नवीकरणीय क्षेत्र को पहले 2010 आई.ई.जी.सी. में मस्ट रन का दर्जा दिया गया था, जिसके बावजूद तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों ने ऐसे स्रोतों से बिजली कटौती की है।

नोट:

- मार्च, 2019 में तमिलनाडु विद्युत विनियमन आयोग (टी.एन.ई.आर.सी.), टैनगेडको, टी.एन.एस.एल.डी.सी., टैनट्रास्को और एम.एन.आर.ई. के खिलाफ एक मामले में यह देखा गया था कि तमिलनाडु डेटा "प्रदान करने" में विफल रहा था, जो सौर परियोजनाओं को बैक डाउन या कटौती निर्देश जारी करने का इसका निर्णय, ग्रिड सुरक्षा या उपकरण या कर्मियों की सुरक्षा के कारण लिया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –ऊर्जा क्षेत्र

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>सैन्य मामलों का विभाग</u>**

- रक्षा मंत्रालय ने नए गठित सैन्य मामलों के विभाग (डी.एम.ए.) के लिए व्यापार के नियमों को मंजूरी प्रदान की है, जिसकी अध्यक्षता चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सी.डी.एस.) करते हैं।

सैन्य मामलों के विभाग के संदर्भ में जानकारी

- डी.एम.ए., एम.ओ.डी. में पांचवां विभाग है- अन्य रक्षा विभाग, रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग और भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग हैं।
- इसकी अध्यक्षता जनरल बिपिन रावत कर रहे हैं।
- सेवाओं को डी.एम.ए. के दायरे में लाया गया है, जिसमें प्रादेशिक सेना के अतिरिक्त और तीनों सेवाओं से संबंधित कार्य और पूंजी अधिग्रहण को छोड़कर सेवा विशिष्ट खरीद को शामिल किया गया है।
- प्रशिक्षण नीति, सेवाओं के अधिकांश प्रशिक्षण प्रतिष्ठान और कैडर प्रबंधन डी.एम.ए. के दायरे में होंगे।
- डी.एम.ए. के शासनादेश में शामिल हैं:
    - खरीद में संयुक्तता को बढ़ावा देना
    - सेवाओं के लिए प्रशिक्षण और स्टाफ
    - संचालन में संयुक्तता लाकर संसाधनों के इष्टतम उपयोग के लिए सैन्य कमांड के पुनर्गठन की सुविधा
    - संयुक्त/ थियेटर कमांड की स्थापना के माध्यम से और स्वदेशी उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा देना

- रक्षा मंत्रालय ने सशस्त्र सेवाओं के प्रशासनिक और राजस्व खरीद मामलों को डी.एम.ए. में स्थानांतरित कर दिया गया है लेकिन रक्षा नीति से संबंधित किसी भी महत्वपूर्ण मामले को रक्षा सचिव द्वारा निपटाया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- द हिंदू

10. **इर्रावड्डी डॉल्फ़िन**

- हाल ही में 146 लुप्तप्राय इर्रावड्डी डॉल्फ़िन को चिलिका झील में देखा गया है, जो दुनिया में जलीय स्तनपायी की सबसे अधिक एकल लैगून आबादी का दावा करती है।
- पिछले वर्ष की जनगणना के अनुसार, चिलिका में इर्रावड्डी डॉल्फिन की आबादी 151 थी।

इर्रावड्डी डॉल्फिन के संदर्भ में जानकारी

- इर्रावड्डी डॉल्फिन, एक वास्तविक नदी डॉल्फिन नहीं है बल्कि एक समुद्री डॉल्फिन है जो दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में तटों, नदी के मुहानों और ज्वारनदमुखों के निकट खारे पानी में रहती है।
- इसने गंगा और मेकोंग के साथ ही इर्रावड्डी नदी सहित मीठे पानी की नदियों में उप-केंद्र स्थापित किए हैं, जहां से इसका नाम लिया गया है।
- इसकी निवास सीमा बंगाल की खाड़ी से न्यू गिनी और फिलीपींस तक फैली हुई है।

संरक्षण स्थिति

- आई.यू.एन.सी. ने इसे रेड डाटा सूची में लुप्तप्राय के रूप में वर्गीकृत किया है।

चिलिका झील के संदर्भ में जानकारी

- यह देश की सबसे बड़ी खारे पानी की लैगून है, जिसने इर्रावड्डी डॉल्फ़िन की आबादी में मामूली गिरावट दर्ज की है।
- यह बंगाल की खाड़ी में बहने वाली दया नदी के मुहाने पर भारत के पूर्वी तट पर ओडिशा राज्य के पुरी, खुर्दा और गंजम जिलों में फैली हुई है।
- यह भारत में सबसे बड़ी तटीय लैगून है और द न्यू कैलेडोनियन बैरियर रीफ के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी खारे पानी की लैगून है।
- इसे एक प्रयोगात्मक यूनेस्को विश्व विरासत स्थल के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

21.01.2020

1. **प्रत्यागामी क्षेत्र**

- विधि एवं न्याय मंत्रालय ने एक असाधारण राजपत्र अधिसूचना जारी की है, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात को नागरिक प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 44 ए के अंतर्गत "प्रत्यागामी क्षेत्र" घोषित किया गया है।
- अधिसूचना ने यू.ए.ई. में एक ही खंड के अंतर्गत "सर्वोच्" न्यायालय" होने की अदालतों की सूची भी घोषित की है।

सी.पी.सी. की धारा 44

- धारा 44 ए, जिसका शीर्षक "प्रत्यागामी क्षेत्र में न्यायालयों द्वारा पारित किए गए आदेशों का निष्पादन" है, यह भारत में न्यायालयों के आदेशों के निष्पादन के विषय पर कानून प्रदान करता है और इसके विपरीतत: है।

यह कदम क्यों महत्वपूर्ण है?

- ऐसा माना जाता है कि यह निर्णय दोनों देशों के बीच आदेशों को लागू करने में लगने वाले समय को कम करने में मदद करता है।
- अब यू.ए.ई. में भारतीय प्रवासियों को यू.ए.ई. में नागरिकता मामले में दोषी ठहराए जाने पर अपने गृह देश में सुरक्षित आश्रय नहीं मिल पाएगा।

नोट:

- दुबई के अतिरिक्त, "प्रत्यागामी क्षेत्र" घोषित किए गए अन्य देश यूनाइटेड किंगडम, सिंगापुर, बांग्लादेश, मलेशिया, त्रिनिदाद और टोबैगो,

न्यूज़ीलैंड, कुक आइलैंड्स (नीयू सहित) और पश्चिमी समोआ के ट्रस्ट प्रदेश, हांगकांग, पापुआ न्यू गिनी, फिजी, अदन हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. **<u>भशन चार द्वीप: 100,000 रोहिंग्या शरणार्थियों का घर</u>**

- बांग्लादेश सरकार ने अपने भशन चार द्वीप में 100,000 रोहिंग्या शरणार्थियों को समायोजित करने की योजना बनाई है।

भशन चार द्वीप के संदर्भ में जानकारी

- दक्षिण पूर्व बांग्लादेश में हटिया द्वीप के लगभग 30 किलोमीटर पूर्व में भशन चार, एक निर्जन द्वीप है।
- भशन चार द्वीप का निर्माण लगभग दो दशक पहले मेघना नदी के मुहाने पर हुआ था।
- भशन चार, पारिस्थितिक रूप से कमजोर क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां बाढ़, कटाव और चक्रवात का जोखिम है।
- हालांकि बांग्लादेश सरकार ने चक्रवातों के दौरान ज्वारीय हिलोरों से बचने के लिए इसकी परिधि पर तीन मीटर ऊंचा तटबंध बनाया है।

रोहिंग्या के संदर्भ में जानकारी

- रोहिंग्या 15वीं शताब्दी में बसे म्यांमार में राखीन राज्य (अराकान के रूप में भी जाना जाता है) के स्वदेशी लोग हैं।
- ये बड़े पैमाने पर मुस्लिमों से मिलकर बने जातीय समूह भी हैं।
- म्यांमार में, उन्हें निवासी विदेशियों या सहयोगी नागरिकों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

3. **<u>ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र</u>**

- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एन.आई.सी.) ने कर्नाटक के बेंगलुरू में ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र (सी.ओ.ई.) की स्थापना की है।
- इस केंद्र का उद्देश्य ब्लॉकचेन को एक सेवा के रूप में प्रदान करना और सभी हितधारकों को साझा किए गए शिक्षण, अनुभवों और संसाधनों से लाभान्वित करने की अनुमति देना है।

ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी के संदर्भ में जानकारी

- ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी आगामी और आला तकनीक है और स्वास्थ्य, वित्त, कृषि और विभिन्न अन्य क्षेत्रों में ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी को अपनाने से सरकार को विभिन्न कार्यक्रमों को लागू करने और परिसंपत्तियों पर विश्वास और अपरिवर्तनीयता प्रदान करने में मदद मिलेगी।
- सरकार में ब्लॉकचैन के अनुप्रयोगों से ई-शासन प्रणाली में पारदर्शिता, पारगम्यता और विश्वास के बढ़ने की उम्मीद है।

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के संदर्भ में जानकारी

- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, देश में अपनी तकनीक और ई-गवर्नेंस पहलों को चलाने के लिए भारत सरकार द्वारा 1976 में स्थापित किया गया एक संस्थान है।
- यह संस्थान, भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग का हिस्सा है।
- एन.आई.सी., सरकार के "सूचना विज्ञान-नेतृत्व-विकास" कार्यक्रम में एक सक्रिय उत्प्रेरक और सूत्रधार रहा है (इसे ई-गवर्नमेंट प्रोग्राम, ई-गवर्नेंस प्रोग्राम भी कहा जा सकता है)।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- पी.आई.बी.

4. **<u>वैश्विक सामाजिक गतिशीलता रिपोर्ट</u>**

- विश्व आर्थिक मंच ने अपनी पहली वैश्विक सामाजिक गतिशीलता रिपोर्ट जारी की है, जिसमें भारत को 82 देशों में 72वें स्थान पर रखा गया है।

- डब्ल्यू.ई.एफ. का वैश्विक सामाजिक गतिशीलता सूचकांक, सामाजिक गतिशीलता के निम्नलिखित पांच प्रमुख आयामों में प्रसारित "10 स्तंभों" पर 82 अर्थव्यवस्थाओं का आकलन करता है:
    - स्वास्थ्य
    - शिक्षा तक पहुंच
    - शिक्षा में गुणवत्ता और समानता
    - आजीवन शिक्षण
    - प्रौद्योगिकी तक पहुंच
    - काम के अवसर
    - उचित मजदूरी वितरण
    - काम करने की स्थिति
    - सामाजिक संरक्षण
    - समावेशी संस्थान

सामाजिक गतिशीलता के संदर्भ में जानकारी

सामाजिक गतिशीलता की अवधारणा में कई चिंताएँ शामिल हैं जैसे:

- **इंट्राजनरेशनल गतिशीलता:** किसी व्यक्ति की अपने जीवनकाल के दौरान सामाजिक आर्थिक वर्गों के बीच स्थानांतरित होने की क्षमता है।
- **इंटरजनरेशनल गतिशीलता**: एक या अधिक पीढ़ियों की अवधि के दौरान सामाजिक-आर्थिक सीढ़ी को ऊपर या नीचे ले जाने की पारिवारिक समूह की क्षमता है।
- **पूर्ण आय गतिशीलता:** किसी व्यक्ति के लिए वास्तविक रूप से एक ही उम्र में अपने माता-पिता की तुलना में जितना संभव हो या अधिक कमाने की क्षमता है।
- **पूर्ण शैक्षिक गतिशीलता**: किसी व्यक्ति की अपने माता-पिता की तुलना में उच्च शिक्षा के स्तर को प्राप्त करने की क्षमता है।
- **सापेक्षिक आय गतिशीलता:** किसी व्यक्ति की आय का कितना हिस्सा उसके माता-पिता की आय से निर्धारित होता है।
- सापेक्षिक शैक्षिक गतिशीलता: किसी व्यक्ति की शैक्षिक प्राप्ति, उनके माता-पिता की शैक्षिक प्राप्ति से कितनी निर्धारित होती है।

भारत की स्थिति

- भारत की समग्र रैंकिंग 82 देशों में से 76 है, जो कि एक खराब रैंकिंग है। इस प्रकार यह किसी भी आश्चर्य के रूप में नहीं आना चाहिए कि भारत की रैंकिंग व्यक्तिगत मापदंडों में भी कम है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण रिपोर्ट

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **<u>संयुक्त राष्ट्र विश्व आर्थिक स्थिति एवं संभावनाएँ (डब्ल्यू.ई.एस.पी.) 2020</u>**

- हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र ने अपनी विश्व आर्थिक स्थिति एवं संभावनाएं (डब्ल्यू.ई.एस.पी.) 2020 जारी की है।

डब्ल्यू.ई.एस.पी. रिपोर्ट 2020 के संदर्भ में जानकारी

- विश्व आर्थिक स्थिति एवं संभावनाएं, वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिति पर एक वार्षिक संयुक्त राष्ट्र फ्लैगशिप प्रकाशन है, जिसे सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा के दृष्टिकोण के माध्यम से देखा जाता है।
- यह संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग, संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन और संयुक्त राष्ट्र के पांच क्षेत्रीय आयोगों का एक संयुक्त उत्पाद है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर रिपोर्ट

- दीर्घकालिक व्यापारिक विवादों के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था घटकर 2019 में एक दशक के सबसे कम वृद्धि दर 2.3 प्रतिशत पर आ गई है।
- रिपोर्ट ने वैश्विक विकास में मामूली तेजी का अनुमान लगाया है, 2020 में 2.5% और 2021 में 2.7% तक पहुंचने का अनुमान लगाया है।
- लेकिन व्यापारिक तनाव, वित्तीय उथल-पुथल या भूराजनीतिक तनाव के बढ़ने से 2020 में विकास दर 1.8% तक गिर सकती है।

- पूर्वी एशिया, दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है और वैश्विक विकास में सबसे बड़ा योगदानकर्ता है।

भारत की वृद्धि पर रिपोर्ट:

- इस रिपोर्ट ने वित्त वर्ष 2019-20 में भारत के लिए अपने जी.डी.पी. विकास अनुमान को 7.6% से कम करके 5.7% कर दिया है।
- हालांकि, संयुक्त राष्ट्र ने 2020-21 में भारत की जी.डी.पी. वृद्धि के 6.6 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान लगाया है।
- इसके अतिरिक्त, रिपोर्ट में 2021 में शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए 6.3% की वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया है।
- रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पांच में से एक देश इस वर्ष प्रति व्यक्ति आय में कमी या गिरावट दर्ज करेगा।
- लेकिन भारत उन कुछ देशों में शामिल होगा, जहां 2020 में प्रति व्यक्ति जी.डी.पी. विकास दर 4% के स्तर से अधिक हो सकती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र (महत्वपूर्ण रिपोर्ट)

स्रोत- द न्यूयॉर्क टाइम्स

6. **भारतीय सेना ने सबसे बड़े हवाई युद्धाभ्यास "विंग्ड रायडर" का आयोजन किया है।**

- भारतीय सेना ने अपने सबसे बड़े हवाई अभ्यास "विंग्ड रायडर" का आयोजन किया है, जिसमें पूर्वोत्तर थिएटर में 500 से अधिक स्पेशल फोर्स के जवान शामिल थे।

विंग्ड रायडर युद्धाभ्यास के संदर्भ में जानकारी

- इस युद्धाभ्यास ने हवाई मिशनों को करने के लिए पैराट्रूपर्स और हवाई योद्धाओं की परिचालन तैयारियों का प्रदर्शन किया है।
- इस युद्धाभ्यास ने चीन के साथ सीमा पर सेना के फोकस में बदलाव का संकेत दिया है।
- इसमें बड़ी संख्या में स्पेशल फोर्स की टुकड़ी और वायु सेना के सभी प्रकार के हवाई परिवहन प्लेटफार्म शामिल है।
- सेना और वायु सेना के बीच घड़ी की सटीकता और निर्बाध एकीकरण के साथ युद्धाभ्यास के दौरान नए शामिल किए गए हवाई प्लेटफार्मों और उपकरणों को भी मान्यता प्रदान की गई है।

हिम विजय युद्धाभ्यास के संदर्भ में जानकारी

- अक्टूबर, 2019 में भारतीय सेना ने कठिन इलाके में तेजी से बढ़ते सैनिकों के इतने विशालकाय समूह की गतिशीलता, संचार और समन्वय का परीक्षण करने के लिए अरुणाचल प्रदेश में 'हिम विजय' युद्धाभ्यास का आयोजन भी किया था।
- एकीकृत युद्ध समूहों ने पहली बार युद्धाभ्यास में भाग लिया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- ए.आई.आर.

7. **50वां विश्व आर्थिक मंच**

- स्विट्जरलैंड के दावोस में 50वां विश्व आर्थिक मंच शुरू हुआ है।
- इस वर्ष के डब्ल्यू.ई.एफ. की थीम 'एक संयोगशील और स्थायी विश्व हेतु हितधारक' है।
- यह फोरम संस्थापक क्लाउस श्वाब के विचार पर जोर देता है कि प्रबंधकों का ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं और व्यापक अर्थव्यवस्था के लिए एक कर्तव्य है न कि केवल लाभांश-भूखे शेयरधारकों का कर्तव्य है।

विश्व आर्थिक मंच के संदर्भ में जानकारी

- विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यू.ई.एफ.), स्विट्जरलैंड के कोलोन-जिनेवा में स्थित एक एन.जी.ओ. है, जिसकी स्थापना 1971 में की गई थी।
- डब्ल्यू.ई.एफ. के मिशन को "वैश्विक, क्षेत्रीय और उद्योग एजेंडा को आकार देने के लिए व्यापार, राजनीतिक, शैक्षणिक और समाज के अन्य नेताओं

को संलग्न कर दुनिया की स्थिति को सुधारने हेतु प्रतिबद्धता" के रूप में उद्धृत किया गया है।

- यह एक सदस्यता-आधारित संगठन है और सदस्यता दुनिया के सबसे बड़े निगमों से बनाई जाती है।

डब्ल्यू.ई.एफ. द्वारा प्रकाशित महत्वपूर्ण रिपोर्ट

- वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी रिपोर्ट
- वैश्विक लिंग अंतर रिपोर्ट
- वैश्विक जोखिम रिपोर्ट
- वित्तीय विकास रिपोर्ट
- वैश्विक सक्षम व्यापार रिपोर्ट
- वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता रिपोर्ट
- वैश्विक यात्रा एवं पर्यटन रिपोर्ट

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण संगठन

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>K-4 परमाणु-सक्षम मिसाइल</u>**

- हाल ही में, भारत ने 3,500 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली परमाणु क्षमता वाली मिसाइल का सफल परीक्षण किया है, जिसे K-4 परमाणु सक्षम मिसाइल कहा जाता है, जिसे पनडुब्बी से लॉन्च किया जा सकता है।

K-4 मिसाइल के संदर्भ में जानकारी

- इस मिसाइल को भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित किया गया है, जो एक परमाणु-सक्षम मध्यम श्रेणी की पनडुब्बी-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल है।
- इस मिसाइल की अधिकतम मारक क्षमता लगभग 3500 कि.मी. है, जो ठोस रॉकेट प्रणोदकों द्वारा संचालित है।
- इस मिसाइल को भारतीय नौसेना के स्वदेश निर्मित अरिहंत-श्रेणी के परमाणु-संचालित पनडुब्बियों में फिट किया जाना है।
- केवल अमेरिका, रूस और चीन के पास 3,500 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली पनडुब्बी से लॉन्च की जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

22.01.2020

1. **<u>आई.एम.एफ. ने भारत की अनुमानित विकास दर को घटाकर 4.8% कर दिया है।</u>**

- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार, वैश्विक विकास दर के 2019 में अनुमानित 2.9% से बढ़कर 2020 में 3.3% और 2021 के लिए 3.4% होने का अनुमान है।

भारत के लिए अनुमान

- आई.एम.एफ. ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान को घटाकर 4.8% कर दिया है।
- यह अक्टूबर, 2019 में किए गए 6.1% के अपने अनुमान को कम करता है।
- वैश्विक विकास में नवीनतम रूझान, आई.एम.एफ. के अक्टूबर, 2019 में विश्व आर्थिक आउटलुक (डब्ल्यू.ई.ओ.) के पूर्वानुमान की तुलना में 2019 और 2020 के लिए 10 आधार अंकों और 2021 के लिए 20 आधार अंकों की कमी के संशोधन को दर्शाते हैं।

वैश्विक विकास के लिए अनुमान:

- आई.एम.एफ. के नए अनुमानों का अनुमान है कि वैश्विक विकास 2019 में 2.9% और 2020 में बढ़कर 3.3% और 2021 में बढ़कर 3.4% हो जाएगा।
- हालांकि, अक्टूबर 2019 के डब्ल्यू.ई.ओ. पूर्वानुमान की तुलना में, 2019 और 2020 के लिए अनुमान प्रत्येक वर्ष के लिए 0.1 प्रतिशत की कमी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जब कि 2021 के लिए अनुमान 0.2 प्रतिशत की कमी का प्रतिनिधित्व करते है।
- यह ऑटो क्षेत्र में आंशिक सुधार के कारण है और नो-डील ब्रेक्सिट की आशंकाओं को कम करता है।

- नो-डील ब्रेक्सिट का अर्थ है कि यू.के., यूरोपीय संघ (ई.यू.) को छोड़ देगा और भविष्य में यू.के. और यूरोपीय संघ के बीच क्या संबंध होंगे, इस संदर्भ में कोई समझौता नहीं होगा।
- इसके अतिरिक्त, यदि अमेरिका-चीन चरण 1 समझौता (दोनों राष्ट्रों के बीच व्यापार से संबंधित तनाव को कम करने के लिए) स्थायी है तो 2020 के अंत तक वैश्विक जी.डी.पी. पर व्यापारिक तनाव के संचयी नकारात्मक प्रभाव के 0.8% से 0.5% तक कम होने की उम्मीद है।
- यूरो मुद्रा का उपयोग करने वाले 19 देशों में सामूहिक वृद्धि दर के धीरे-धीरे 2019 में 1.2% से 2020 में 1.3% और 2021 में 1.4% होने की उम्मीद है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. **<u>कोराना वायरस</u>**

- हाल ही में, चीन में नोवेल कोरोना वायरस के कारण छह मौतें हुई हैं।
- यह कोरोना वायरस का एक नया प्रारूप है और इसे पहले मनुष्यों में नहीं देखा गया है।

कोरोना वायरस के संदर्भ में जानकारी

- यह विषाणुओं का एक बड़ा परिवार बनाता है और उनके द्वारा होने वाली बीमारी सामान्य जुकाम से लेकर गंभीर बीमारियों जैसे मध्य पूर्व रेस्पिरेटरी सिंड्रोम (MERS-CoV) और सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम (SARS-CoV) तक हो सकती है।
- ये विषाणु ज़ूनोटिक हैं, जिसका अर्थ है कि ये जानवरों और व्यक्तियों के बीच संचारित होता हैं।
- कोरोना वायरस के अन्य उपभेदों को पहले सिवेट बिल्लियों से मनुष्यों (SARS-CoV के मामले में) में और सॉड़नी ऊंट से मनुष्यों (MERS-CoV के मामले में) में प्रेषित होते देखा गया है।
- इस विषाणु के कारण होने वाली बीमारियों की स्पष्ट श्रेणी के बारे में सीमित जानकारी है, इसका प्रभाव खांसी और बुखार से लेकर गुर्दे की विफलता और यहां तक कि मृत्यु तक हो सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>ऑनलाइन युवा संसद कार्यक्रम</u>**

- मानव संसाधन विकास मंत्रालय और संसदीय मामलों का मंत्रालय, संविधान के 70 वर्षों का जश्न मनाने हेतु ऑनलाइन युवा संसद कार्यक्रम के लिए एक साथ साझेदारी कर रहे हैं।

राष्ट्रीय युवा संसद योजना के संदर्भ में जानकारी

- इसे 1966 में शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार के एन.सी.टी. और एन.डी.एम.सी., केंद्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय और विश्वविद्यालयों/ कॉलेजों के अंतर्गत स्कूलों में लॉन्च किया गया था।
- यह योजना संसदीय मामलों के मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की जाती है।
- इस योजना में प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता आयोजित करना शामिल है।
- वेब-पोर्टल की मुख्य विशेषताएं हैं:-
  - देश के सभी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान, इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पात्र हैं।
  - प्रतिभागियों के ऑनलाइन स्वाध्याय के लिए पोर्टल पर ई-प्रशिक्षण मॉड्यूल, वीडियो, फोटोग्राफ और स्क्रिप्ट उपलब्ध हैं।
  - इस बैठक में भाग लेने वाले प्रत्येक छात्र को एक डिजिटल "भागीदारी का प्रमाणपत्र" मिलेगा और शिक्षक-प्रभारी और संसथान के प्रमुख को वेब पोर्टल के माध्यम से "प्रशंसा प्रमाणपत्र" मिलेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. **तोपची युद्धाभ्यास**

- हाल ही में, भारतीय सेना ने नासिक के निकट देओलाली कैंप में तोपची युद्धाभ्यास में अपने तोपखाने की मारक क्षमता का प्रदर्शन किया है।

तापेची युद्धाभ्यास के संदर्भ में जानकारी

- इसका अंग्रेजी में अर्थ गनर है, यह स्कूल ऑफ आर्टिलरी, देओलाली द्वारा आयोजित किया जाने वाला एक वार्षिक युद्धाभ्यास है।
- इस युद्धाभ्यास का उद्देश्य भारतीय सेना की तोपखाने की मारक क्षमता, विमानन और निगरानी क्षमताओं का प्रदर्शन करना है।

स्कूल ऑफ आर्टिलरी के संदर्भ में जानकारी

- स्कूल ऑफ आर्टिलरी की स्थापना भारतीय सेना के लिए अप्रैल, 1918 में काकुल में की गई थी, जो अब पाकिस्तान मे है, जिसे बाद में यह जून, 1941 में देओलाली में स्थानांतरित किया गया था।
- 1947 से, भारतीय सेना के आधुनिकीकरण और विस्तार के अनुपालन और इसके परिणामस्वरूप रेजिमेंट ऑफ आर्टिलरी के गठन के रूप में कई बदलाव हुए हैं।

देओलाली कैंप के संदर्भ में जानकारी

- देओलाली महाराष्ट्र के नासिक जिले में एक छोटा सा हिल-स्टेशन है।
- इसमें भारत का सबसे पुराना सैन्य केंद्र है।
- यह 1869 में स्थापित किया गया था और दरना नदी के तट पर स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- टी.ओ.आई.

5. **न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन**

- सरकार, सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (यू.आई.पी.) के अंतर्गत न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन (पी.सी.वी.) को राष्ट्रव्यापी करने की योजना बना रही है।
- यह यू.आई.पी. टोकरी में सबसे महंगा टीका है, जिसे पहली बार 2017 में यू.आई.पी. टोकरी में शामिल किया गया था।
- वर्तमान में यह हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, बिहार, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 26 मिलियन जन्म समूहों का केवल 50 प्रतिशत है।

वैक्सीन के संदर्भ में जानकारी

- यह वैक्सीन, न्यूमोकोकी परिवार के कई जीवाणुओं का मिश्रण है, जिन्हें निमोनिया के कारण के रूप में जाना जाता है, इसलिए इसके नाम में कंजुगेट लगा है।
- न्यूमोकोकस बैक्टीरिया के कारण होने वाला निमोनिया, सबसे सामान्य माना जाता है।

वैक्सीन के संदर्भ में चिंता

- सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पी.सी.वी. के एक देशव्यापी रोलआउट में यू.आई.पी. के बजट का लगभग 50% (कर्मचारियों के वेतन, स्थापना लागत आदि जैसी साझा लागत) की आवश्यकता होगी।
- भारत के टीकाकरण कार्यक्रम के लिए लागत चुनौती आगे और कठिन होने के लिए तैयार है क्यों कि ग्लोबल अलायंस फॉर वैक्सीन एंड इम्यूनाइजेशन (जी.ए.वी.आई.) ने 2022 से भारत के लिए अपना समर्थन वापस लेना निर्धारित किया है।

सार्वभैमिक टीकाकरण कार्यक्रम के संदर्भ में जानकारी:

- यह 1985 में शुरू किया गया था, जिससे कि बच्चों और गर्भवती महिलाओं में 12 वैक्सीन-रोकथाम योग्य बीमारियों से होने वाली मृत्यु और रूग्णता को रोका जा सके।
- यू.आई.पी. के अंतर्गत 12 वैक्सीन-निवारक बीमारियों के खिलाफ नि:शुल्क टीकाकरण प्रदान किया जाता है।
- ये बीमारियां तपेदिक, डिप्थीरिया, पर्टुसिस, रूबेला, जापानी एन्सेफलाइटिस (जे.ई.), टेटनस,

पोलियो, हेपेटाइटिस बी, निमोनिया और हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी (हिब), खसरा और रोटावायरस डायरिया के कारण होने वाला मेनिनजाइटिस हैं।

- यू.आई.पी. 1 वर्ष से कम उम्र के केवल 65% बच्चों को पूरी तरह से प्रतिरक्षित करने में सक्षम है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –स्वास्थ्य मुद्दा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **युवा सह: प्रयोगशाला**

- अटल नवाचार मिशन, नीति आयोग और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू.एन.डी.पी.) ने तीन दिवसीय युवा सह: प्रयोगशाला: नई दिल्ली में राष्ट्रीय नवाचार चुनौती की मेजबानी की है।

युवा सह: प्रयोगशाला के संदर्भ में जानकारी

- यह 2017 में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू.एन.डी.पी.) और सिटी फाउंडेशन द्वारा सहयोगी रूप से बनाया गया है।
- इसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी, भारत में युवा नेतृत्व और सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा देना है।
- यह एशिया-प्रशांत देशों के लिए नेतृत्व, सामाजिक नवाचार और उद्यमिता के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए निवेश करने और युवाओं को सशक्त बनाने के लिए एक साझा एजेंडा स्थापित करने का लक्ष्य रखता है।

अटल इनोवेशन मिशन (ए.आई.एम.) के संदर्भ में जानकारी

- अटल इनोवेशन मिशन (ए.आई.एम.) की स्थापना 2016 में नीति आयोग द्वारा की गई थी।
- इसका उद्देश्य नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देना है।
- यह उन संस्थानों और कार्यक्रमों का निर्माण करना चाहता है जो सामान्य रूप से स्कूलों, कॉलेजों और उद्यमियों में नवाचार को बढ़ाते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

7. **स्टेपी ईगल: एक दुर्लभ प्रवासी ईगल**

- हाल ही में, एक लुप्तप्राय स्टेपी ईगल (एक्विला निपालेंसिस) को विजयवाड़ा के निकट वेलागलेरु में एक धान के खेत में बर्डवॉचर्स के एक समूह द्वारा देखा गया है।

स्टेपी ईगल के संदर्भ में जानकारी

- इस चील का वैज्ञानिक नाम एक्विला निपालेंसिस है।
- इसे आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- वे सर्दियों के मौसम के दौरान रूस, कजाकिस्तान और मंगोलिया में प्रजनन करते हैं।
- इसके अतिरिक्त वह भारत में दूसरी सबसे बड़ी प्रवासी ईगल प्रजाति भी है।

राष्ट्रीय पहचान

- स्टेपी ईगल, कजाकिस्तान के ध्वज पर दिखाई देता है।
- यह मिस्र का राष्ट्रीय पक्षी (पशु) भी है और इसके झंडे पर दिखाई देता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

8. **लिविंग रोबोट: जीनोबॉट**

- संयुक्त राज्य अमेरिका के वैज्ञानिकों ने दुनिया का पहला "लिविंग मशीन" जीनोबॉट बनाया है।

जीनोबॉट के संदर्भ में जानकारी

- यह अफ्रीकी पंजे वाले मेंढक की कोशिकाओं से निर्मित छोटा रोबोट है जो अपने आप ही घूम सकता है।
- उन्हें मिलिमीटर-वाइड रोबोट "ज़ीनोबॉट" नाम दिया गया है, उन्हें नाइजीरिया और सूडान से दक्षिण अफ्रीका, ज़ीनोपस लेविस के पार पाए जाने वाले जलीय मेंढक की प्रजातियों के बाद यह नाम दिया गया है।

महत्व

- जीनोबॉट "एक लक्ष्य की ओर बढ़ सकते हैं, शायद एक पेलोड (जैसे दवा जो एक रोगी के अंदर एक विशिष्ट स्थान पर ले जाने की आवश्यकता होती है) उठा सकते हैं और कट जाने के बाद खुद को ठीक करते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डाउन टू अर्थ

9. **सर्वोच्च न्यायालय ने संसद को लोकसभा अध्यक्षों की शक्तियों की समीक्षा करने और विधानसभा से सदस्यों का अयोग्य घोषित करने के लिए कहा है।**

- एक अग्रणी फैसले में, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि संसद को इस बात पर पुनर्विचार करना चाहिए कि क्या अयोग्य ठहराए जाने वाली याचिकाओं को एक अध्यक्ष को एक अर्ध-न्यायिक प्राधिकारी के रूप में सौंपा जाना चाहिए, जब ऐसे अध्यक्ष या तो कानूनन या वास्तविकता में किसी विशेष पार्टी से संबंधित होते हैं।
- सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि तेज और निष्पक्ष निर्णय सुनिश्चित करने के लिए संसद, एक स्थायी अधिकरण के साथ अयोग्यता मुद्दे के मध्यस्थ के रूप में लोकसभा और विधानसभाओं के अध्यक्षों को बदलने के लिए संविधान में संशोधन करने पर विचार कर सकती है, इस अधिकरण की अध्यक्षता सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश या एक उच्च न्यायालय के सेवानिवृत मुख्य न्यायाधीश या किसी अन्य तंत्र द्वारा की जानी चाहिए।
- न्यायमूर्ति आर.एफ. नरीमन की अध्यक्षता वाली पीठ ने सांसदों द्वारा अयोग्य ठहराए जाने की दलीलों को स्वीकार करने में देरी और अयोग्य ठहराए जाने वाली भूमिका पर ध्यान दिया है और मणिपुर विधानसभा अध्यक्ष से भाजपा सांसदों और मणिपुर के वन मंत्री ठा. श्यामकुमार की अयोग्यता की मांग करने वाली कांग्रेस की याचिका पर चार सप्ताह के भीतर निर्णय लेने को कहा है।
- पीठ ने कहा है कि यदि चार सप्ताह की अवधि के बाद भी कोई निर्णय नहीं होता है तो यह मामला आगे के निर्देशों/ राहत के लिए इस अदालत में आवेदन करने के लिए कार्यवाही हेतु किसी भी पक्ष के लिए खुला होगा।
- शीर्ष अदालत मणिपुर उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ कांग्रेस नेता कीशम मेघाचंद्र सिंह की अपील पर सुनवाई कर रही थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –संविधान

स्रोत- ए.आई.आर.

23.01.2020

1. **सरकार ने राष्ट्रीय स्टार्टअप सलाहकार परिषद का गठन किया है।**

- सरकार ने देश में नवाचार और स्टार्ट-अप के पोषण के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने के लिए आवश्यक उपायों पर केंद्र को सलाह देने के लिए एक राष्ट्रीय स्टार्टअप सलाहकार परिषद का गठन किया है।

परिषद की संरचना

- इसकी अध्यक्षता वाणिज्य मंत्री करेंगे।
- इसमें केंद्र द्वारा नामित गैर-आधिकारिक सदस्यों, सफल स्टार्ट-अप के संस्थापकों, भारत में कंपनियों को विकास और उन्नति पर पहुँचाने वाले अनुभवी व्यक्तियों, स्टार्ट-अप में निवेशकों के हितों का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम व्यक्तियों को भी शामिल किया जाएगा।
- गैर-आधिकारिक सदस्यों का कार्यकाल दो वर्ष की अवधि का होगा।
- मंत्रालय ने कहा है कि संबंधित मंत्रालयों, विभागों और संगठनों के वे नामित व्यक्ति, जो संयुक्त सचिव के पद से नीचे नहीं हैं, वे पदेन सदस्य होंगे।

सलाहकार परिषद के शासनादेश

- यह देश में स्टार्टअप को स्थायी आर्थिक विकास और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करने में मदद करता है।
- यह सार्वजनिक संगठनों की सुविधा के लिए उपाय भी सुझाएगा
    - नवाचार को आत्मसात करना
    - सृजन को बढ़ावा देना
    - बौद्धिक संपदा अधिकारों का संरक्षण और व्यावसायीकरण
    - विनियामक अनुपालन और लागतों को कम करके व्यवसायों को शुरू करना, संचालित करना, बढ़ाना और बाहर निकलना आसान बनाता है।
- यह स्टार्ट-अप के लिए पूंजी तक पहुंच में आसानी को बढ़ावा देने, निवेश के लिए घरेलू पूंजी को प्रोत्साहित करने, निवेश के लिए वैश्विक पूंजी जुटाने और मूल प्रवर्तकों के साथ स्टार्ट-अप का नियंत्रण रखने के तरीके भी सुझाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. **<u>मंत्रिमंडल ने दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव के विलय को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- मंत्रिमंडल ने दमन और दीव और दादरा और नगर हवेली के विलय किए गए केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यालय के रूप में दमन के पदनाम को मंजूरी प्रदान की है।
- दादरा और नगर हवेली मूल्य वर्धित कर विनियमन, 2005 को दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव मूल्यवर्धित कर (संशोधन) विनियम, 2020 के रूप में संशोधित किया जाना है।
- इन संशोधनों से सामान्य कराधान प्राधिकरण होने के माध्यम से न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन को बढ़ावा मिलेगा:
    - काम के दोहराव को कम करके और प्रशासनिक दक्षता में सुधार करके नागरिकों को सेवाओं का बेहतर वितरण करना
    - जी.एस.टी., वैट और राज्य सीमा शुल्क से संबंधित कानूनों में अधिक एकरूपता लाने में भी मदद मिलेगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **<u>विश्व रोजगार एवं सामाजिक आउटलुक 2020</u>**

- अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आई.एल.ओ.) ने विश्व रोजगार एवं सामाजिक आउटलुक: रूझान 2020 (डब्ल्यू.ई.एस.ओ.) नामक एक नई रिपोर्ट जारी की है।

वार्षिक विश्व रोजगार एवं सामाजिक आउटलुक (डब्ल्यू.ई.एस.ओ.) रुझान रिपोर्ट के संदर्भ में जानकारी

- यह अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आई.एल.ओ.) द्वारा जारी की जाती है।
- इसने प्रमुख श्रम बाजार के मुद्दों के विश्लेषण के बाद अपनी रिपोर्ट प्रकाशित की है, जैसे:
    - बेरोजगारी
    - श्रम को उपयोगिता के अंतर्गत रखना
    - काम करने वाली गरीबी
    - आय असमानता
    - श्रम आय का हिस्सा और कारक, जो लोगों को सभ्य काम से बाहर करते हैं।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं:

- वैश्विक आर्थिक विकास धीमा होने के कारण 2020 में वैश्विक बेरोजगारी में लगभग 2.5 मिलियन की वृद्धि का अनुमान है।
- वैश्विक स्तर पर, विशेषकर विकासशील देशों में आय असमानता पहले के अनुमान से काफी अधिक है।
- दुनिया भर में, श्रम (उत्पादन के अन्य कारकों के बजाय) से आने वाली राष्ट्रीय आय का हिस्सा 2004 से 2017 के बीच 54% से 51% तक काफी कम हो गया है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक संगठन

- भारत, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन का एक संस्थापक सदस्य है, जो 1919 में अस्तित्व में आया था।
- वर्तमान में, आई.एल.ओ. में 186 सदस्य हैं।
- आई.एल.ओ. की एक अनूठी विशेषता इसका त्रिपक्षीय चरित्र है।

आई.एल.ओ. के तीन अंग हैं:

- अंतर्राष्ट्रीय श्रम सम्मेलन:- आई.एल.ओ. की महासभा- प्रत्येक वर्ष जून के महीने में होती है।
- शासी निकाय:- आई.एल.ओ. की कार्यकारी परिषद मार्च, जून और नवंबर के महीनों में एक वर्ष में तीन बार बैठक करती है।
- अंतर्राष्ट्रीय श्रम कार्यालय:- एक स्थायी सचिवालय है

आई.एल.ओ. के आठ प्रमुख सम्मेलन (जिसे मौलिक/ मानवाधिकार सम्मेलन भी कहा जाता है) हैं:

- बलपूर्वक श्रम सम्मेलन
- बलपूर्वक श्रम सम्मेलन का उन्मूलन
- समान पारिश्रमिक सम्मेलन
- भेदभाव (रोजगार अधिग्रहण) सम्मेलन
- न्यूनतम आयु सम्मेलन
- बाल श्रम सम्मेलन के सबसे खराब रूप
- संघ की स्वतंत्रता और संगठित अधिकार संरक्षण सम्मेलन
- संगठित और सामूहिक सौदेबाजी अधिकारी सम्मेलन

नोट: भारत ने उपर्युक्त सम्मेलन के पहले 6 की पुष्टि की है जबकि अंतिम दो को भारत द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण रिपोर्ट

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. **<u>प्रदूषित शहर पर ग्रीनपीस रिपोर्ट: 2018</u>**

- ग्रीनपीस इंडिया ने भारत के सबसे प्रदूषित शहरों पर एक वार्षिक रिपोर्ट जारी की है।
- ग्रीनपीस रिपोर्ट, 287 शहरों में कणिका तत्व डेटा के विश्लेषण पर आधारित है।
- इसने भारत में सबसे प्रदूषित शहरों को स्थान प्रदान करने के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के डेटा का उपयोग किया है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- झरिया और धनबाद, दोनों झारखंड में हैं, इन्हें 2018 में देश के पहले और दूसरे प्रदूषित शहर के रूप में स्थान दिया गया है।
- ये शहर अपने भूमिगत कोयले की आग के लिए जाने जाते हैं।
- दिल्ली 2017 के मुकाबले दो स्थानों के सुधारों के साथ 2018 में 10वां सबसे प्रदूषित शहर था।
- मिजोरम में लुंगलेई भारत का सबसे कम प्रदूषित शहर था, उसके बाद मेघालय का डोकी सबसे प्रदूषित शहर था।
- शीर्ष-10 प्रदूषित शहरों में से अन्य छह उत्तर प्रदेश में नोएडा, गाजियाबाद, बरेली, इलाहाबाद, मुरादाबाद और फिरोजाबाद हैं।

ग्रीनपीस इंडिया के संदर्भ में जानकारी

- ग्रीनपीस इंडिया, वैश्विक पर्यावरण समूह ग्रीनपीस की भारतीय शाखा है, जो एक गैर-लाभकारी एन.जी.ओ. है, जिसकी यूरोप, अमेरिका और एशिया के 55 देशों में मौजूदगी है।
- ग्रीनपीस इंडिया ने कानूनी रूप से पंजीकृत 4 स्थानों में सोसाइटी को बेंगलुरु मुख्यालय के साथ दिल्ली, चेन्नई, पटना में अन्य शाखाएं हैं।
- यह स्थायी रूप से मुख्यालय एम्स्टर्डम, नीदरलैंड में स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- टी.ओ.आई.

5. **<u>लोकतंत्र सूचकांक 2019</u>**

- हाल ही में, इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट ने लोकतंत्र सूचकांक जारी किया है।

लोकतंत्र सूचकांक के संदर्भ में जानकारी

- यह इकोनॉमिस्ट ग्रुप के अनुसंधान और विश्लेषण प्रभाग, इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट द्वारा तैयार किया गया है।
- यह 165 स्वतंत्र राज्यों और दो क्षेत्रों में दुनिया भर में लोकतंत्र की स्थिति का एक स्नैपशॉट प्रदान करता है।
- यह चुनावी प्रक्रिया और बहुलवाद, सरकार के कामकाज, राजनीतिक भागीदारी, राजनीतिक संस्कृति और नागरिक स्वतंत्रता पर आधारित है।

सूचकांक की मुख्य विशेषताएं

- लोकतंत्र सूचकांक ने 2019 को एशियाई लोकतंत्रों के लिए एक "अशांतिप्रिय वर्ष" के रूप में वर्णित किया है।
- नॉर्वे 9.87 के स्कोर के साथ शीर्ष पर रहा है, जब कि उत्तर कोरिया 1.08 के स्कोर के साथ वैश्विक रैंकिंग में सबसे नीचे है।
- चीन का स्कोर 2.26 रहा है और यह अब रैंकिंग के निचले हिस्से के करीब 153वें स्थान पर है।
- तीन देश- चिली, फ्रांस और पुर्तगाल- "त्रुटिपूर्ण लोकतंत्र" श्रेणी से "पूर्ण लोकतंत्र" श्रेणी में चले गए हैं।
- माल्टा विपरीत दिशा में चला गया है, यह "पूर्ण लोकतंत्र" से बाहर निकलकर "त्रुटिपूर्ण लोकतंत्र" बन गया है।

भारत और सूचकांक

- लोकतंत्र सूचकांक की वैश्विक रैंकिंग में भारत 10 पायदान गिरकर 51वें स्थान पर पहुँच गया है।

रैंकिंग कम होने के कारण

- देश में नागरिक स्वतंत्रता के क्षरण का वर्णन करने वाला सर्वेक्षण, लोकतांत्रिक प्रतिगमन का प्राथमिक कारण है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>हाइड्रोक्लोरोफ्लोरो कार्बन (एच.सी.एफ.सी.)-141 बी.: सबसे शक्तिशाली ओजोन-क्षयकारी रसायन</u>**

- भारत ने हाइड्रोक्लोरोफ्लोरोकार्बन (एच.सी.एफ.सी.)-141 बी. का पूर्ण चरण-आउट सफलतापूर्वक प्राप्त किया है।

हाइड्रोक्लोरोफ्लोरोकार्बन (एच.सी.एफ.सी.) -141 बी. के संदर्भ में जानकारी

- यह फोम निर्माण उद्यमों द्वारा प्रयोग किया जाने वाला और क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सी.एफ.सी.) के बाद सबसे शक्तिशाली ओजोन-क्षयकारी रसायनों में से एक है।
- इसका उपयोग मुख्य रूप से कठोर पॉलीयूरेथेन (पी.यू.) फोम के उत्पादन में ब्लोइंग एजेंट के रूप में किया जाता है।

लाभ

- देश से एच.सी.एफ.सी.-141 बी. के फेज-आउट में दोहरे पर्यावरण लाभ हैं
  - समताप मंडल की ओजोन परत के उपचार में सहायता करना
  - ग्लोबल वार्मिंग संभावित वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों को कम करने हेतु एच.पी.एम.पी. के अंतर्गत इस पैमाने पर फोम विनिर्माण उद्यमों के संक्रमण के कारण जलवायु परिवर्तन शमन की ओर

ओजोन-क्षयकारी पदार्थों के संदर्भ में जानकारी

- ओजोन-क्षयकारी पदार्थ, मानव निर्मित गैसें हैं जो ओजोन परत तक पहुंचने के बाद ओजोन को नष्ट कर देती हैं। ओजोन परत ऊपरी वायुमंडल (समताप मंडल) में रहती है और सूर्य से पृथ्वी पर पहुंचने वाले हानिकारक पराबैंगनी विकिरण की मात्रा को कम करती है।
- पराबैंगनी विकिरण का मानव और पर्यावरण दोनों पर हानिकारक प्रभाव पड़ सकता है जैसे त्वचा का कैंसर और मोतियाबिंद को प्रेरित करना, पौधों की

वृद्धि को विकृत करना और समुद्री पर्यावरण को नुकसान पहुंचाना हैं।

ओजोन-क्षयकारी पदार्थों में शामिल हैं:

- क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सी.एफ.सी.)
- हाइड्रोक्लोरोफ्लोरोकार्बन (एच.सी.एफ.सी.)
- हाइड्रोब्रोमोफ्लोरोकार्बन (एच.बी.एफ.सी.)
- हैलोन्स
- मिथाइल ब्रोमाइड
- कार्बन टेट्राक्लोराइड
- मिथाइल क्लोरोफॉर्म

नोट:

- सरकार ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत जारी ओजोन क्षयकारी पदार्थ (विनियमन और नियंत्रण) संशोधन नियम, 2019 के अंतर्गत 1 जनवरी 2020 से एच.सी.एफ.सी.-141बी. को प्रतिबंधित कर दिया है।
- फोम निर्माण उद्योग द्वारा ओजोन क्षयकारी पदार्थ (विनियमन और नियंत्रण) संशोधन नियम, 2014 के अंतर्गत एच.सी.एफ.सी.-141बी का उपयोग भी 1 जनवरी, 2020 को बंद कर दिया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने सेल सेवा योजना शुरू की है।</u>**

- इस्पात मंत्री ने सेल कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक SAIL एंप्लॉयी रेंडरिंग वोलंटररिज्म एंड इनिशिएटिव्स फॉर कम्युनिटी एंगेजमेंट (सर्विस)" का शुभारंभ किया है।

योजना के संदर्भ में जानकारी

- "SAIL एंप्लॉयी रेंडरिंग वोलंटाररिज्म एंड इनिशिएटिव्स फॉर कम्युनिटी एंगेजमेंट (सर्विस)" नामक योजना, संरचित तरीके से कर्मचारियों द्वारा परोपकारी गतिविधियों को बढ़ावा और सुविधा प्रदान करेगी।
- यह 24 जनवरी से चालू होगा, जो पी.एस.यू. का स्थापना दिवस है।
- इसके अंतर्गत, पी.एस.यू. के कर्मचारी शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण और पोषण सहित अन्य क्षेत्रों में योगदान देंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

24.01.2020

1. **<u>केंद्रीय सूची में अन्य पिछड़ा वर्ग के भीतर उप-वर्गीकरण के मुद्दे की जांच के लिए आयोग का गठन किया गया है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अन्य पिछड़ा वर्ग के उप-वर्गीकरण के मुद्दे की जांच करने के लिए आयोग के कार्यकाल के विस्तार को मंजूरी प्रदान की है, जो छह महीने के लिए 31.7.2020 तक विस्तारित की गई है।

प्रभाव:

- ओ.बी.सी. की मौजूदा सूची में शामिल वे समुदाय, जिन्हें केंद्र सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिए और केंद्र सरकार के शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश के लिए ओ.बी.सी. के आरक्षण की योजना का कोई प्रमुख लाभ नहीं मिल पाया है, उनके आयोग की सिफारिशें लागू होने पर लाभान्वित होने की उम्मीद है।
- आयोग के द्वारा ओ.बी.सी. की केंद्रीय सूची में ऐसे सीमांत समुदायों के लाभ के लिए सिफारिशें करने की संभावना है।

वित्तीय सम्भावनाए:

- इसमें शामिल व्यय, आयोग की स्थापना और प्रशासन की लागत से संबंधित है, जो सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा वहन किया जाएगा।

लाभ:

- एस.ई.बी.सी. की केंद्रीय सूची में शामिल जातियों/ समुदायों से संबंधित सभी व्यक्तियों लेकिन जिन्हें केंद्र सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिए और केंद्र सरकार के शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश के लिए ओ.बी.सी. के आरक्षण की योजना का कोई प्रमुख लाभ नहीं मिल पाया है, उन्हें लाभान्वित किया जाएगा।

पृष्ठभूमि:

- इस आयोग का गठन 2 अक्टूबर, 2017 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से संविधान के अनुच्छेद 340 के अंतर्गत किया गया था।
- न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) श्रीमती जी. रोहिणी की अध्यक्षता में आयोग ने 11 अक्टूबर, 2017 को कामकाज शुरू किया था और तब से उन सभी राज्यों/ संघ शासित प्रदेशों के साथ बातचीत की है, जिनके पास उपवर्गीकृत ओ.बी.सी. और राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **<u>राष्ट्रीय डेटा एवं विश्लेषण प्लेटफॉर्म</u>**

- नीति आयोग ने राष्ट्रीय डेटा एवं विश्लेषण प्लेटफ़ॉर्म (एन.डी.ए.पी.) के लिए अपना दृष्टिकोण जारी किया है।

नेशनल डेटा एवं विश्लेषण प्लेटफॉर्म के संदर्भ में जानकारी

- इस प्लेटफॉर्म का लक्ष्य सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सरकारी डेटा तक पहुंच का लोकतंत्रीकरण करना है।
- यह विभिन्न सरकारी वेबसाइटों के नवीनतम डेटासेट की मेजबानी करेगा, उन्हें सुसंगत रूप से प्रस्तुत करेगा और विश्लेषण और विज़ुअलाइज़ेशन के लिए उपकरण प्रदान करेगा।
- प्लेटफॉर्म का पहला संस्करण 2021 में लॉन्च होने की उम्मीद है।
- यह प्रक्रिया एक उपयोगकर्ता-केंद्रित दृष्टिकोण का अनुसरण करेगी और अपने विकास के दौरान विभिन्न उपयोगकर्ताओं और हितधारकों से प्राप्त फीडबैक को शामिल करेगी।
- एन.डी.ए.पी. उन फॉरमेटों के मानकीकरण को बढ़ावा देगा जिसमें डेटा को क्षेत्रों में प्रस्तुत किया जाता है और नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, नवप्रवर्तनकर्ताओं, डेटा वैज्ञानिकों, पत्रकारों और नागरिकों के व्यापक दर्शकों को पूरा करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

3. **<u>गति वेब पोर्टल</u>**

- केंद्रीय मंत्री ने प्रगति (PRAGATI) की तर्ज पर एक ऑनलाइन वेब पोर्टल 'गति (GATI)' लॉन्च किया है, इस पोर्टल का उपयोग परियोजनाओं की निगरानी करने हेतु प्रधानमंत्री के अधिकारियों द्वारा किया जाएगा।

गति पोर्टल के संदर्भ में जानकारी

- यह पोर्टल भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एन.एच.ए.आई.) द्वारा प्रगति की तर्ज पर बनाया गया है।
- 'गति' पोर्टल को एन.एच.ए.आई. की वेबसाइट से एक्सेस किया जा सकता है और ठेकेदार और रियायतकर्ता परियोजना से संबंधित किसी भी मुद्दे को मंच पर उठा सकते हैं।
- 'गति' पर उठाए गए मुद्दों की एन.एच.ए.आई. अधिकारियों की एक टीम द्वारा दैनिक निगरानी की जाएगी और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लगातार समीक्षा की जाएगी।
- इससे राजमार्ग निर्माण में पारदर्शिता आएगी और निर्णय लेने में तेजी आएगी।

प्रगति प्लेटफार्म के संदर्भ में जानकारी

- प्रगति (पूर्व-सक्रिय शासन एवं समयबद्ध कार्यान्वन) एक बहुउद्देश्यीय और बहु-मॉडल प्लेटफार्म है।

- इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य आम आदमी की शिकायतों का समाधान करना और इसके साथ ही भारत सरकार और राज्य सरकारों द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और परियोजनाओं की निगरानी और समीक्षा करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

4. **<u>व्योम मित्र: गगनयान के लिए लेडी रोबोट</u>**

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने एक मानव-रोबोट का अनावरण किया है, जिसका नाम व्योम मित्र है, जिसे गगनयान मिशन के हिस्से के रूप में अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।

व्योम मित्र के संदर्भ में जानकारी

- व्योमित्र आधा मानव है, जो मानव क्रियाओं की नकल कर सकता है और उसका शरीर धड़ पर रुक जाता है और उसके पैर नहीं हैं।

गगनयान मिशन में व्योम मित्र की भूमिका

- वह पैनल संचालन को बदलने में, पर्यावरण नियंत्रण और लाइफ सपोर्ट प्रणाली कार्यों का प्रदर्शन करने, अंतरिक्ष यात्रियों के साथ बातचीत करने, उन्हें पहचानने और उनके प्रश्नों को हल करने में सक्षम है।
- यदि केबिन के भीतर वातावरण बदलता है तो ह्यूमनॉइड इसका पता लगा सकता है और चेतावनी दे सकता है।
- यह ह्यूमनॉइड अगस्त, 2022 के पहले वास्तविक अंतरिक्ष यात्री के उड़ने से पहले अंतरिक्ष के लिए आवश्यक मानव कार्यों का अनुकरण करेगा।
- इसे 2020 के अंत या 2021 की शुरुआत में अंतरिक्ष कैप्सूल में यह अध्ययन करने के लिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा कि कैसे अंतरिक्ष यात्री नियंत्रित शून्य-गुरुत्वाकर्षण स्थितियों में पृथ्वी के बाहर रहने पर प्रतिक्रिया करते हैं।
- इसे इसरो इनर्शियल सिस्टम यूनिट, तिरुवनंतपुरम द्वारा विकसित किया गया है।

अंतरिक्ष में अन्य रोबोट

- रोबोनॉट 2: नासा, अमेरिका
- फेडॉर (फाइनल एक्सपेरिमेंटल डिमांस्ट्रेशन ऑब्जेक्ट रिसर्च): रूस
- किरोबो: जापान

गगनयान मिशन के संदर्भ में जानकारी

- यह 2022 तक भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा शुरू किया जाने वाला भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>1org</u>**

- विश्व आर्थिक मंच के 50वें वार्षिक संस्करण में, अमेरिका की मदद से दावोस ने हाल ही में शुरू की गई 1org पहल में शामिल होने की घोषणा की है।

1t.org पहल के संदर्भ में जानकारी

- यह जैव विविधता को बहाल करने और जलवायु परिवर्तन से लड़ने में मदद करने के लिए- दुनिया भर में 1 ट्रिलियन पेड़ों को उगाने, बहाल करने और संरक्षित करने के लिए एक वैश्विक पहल है।
- इस पहल का उद्देश्य दुनिया भर में धन जुटाने और राजनीतिक समर्थन के माध्यम से पुनर्वितरण के प्रयासों को एकजुट करना और बढ़ावा देना है।
- Org, अभिनव तकनीकें प्रदान करता है, जो दुनिया भर के उन हजारों छोटे और बड़े समूहों को जोड़ने का काम करेगा जो पेड़ लगाने और वन बहाली में लगे हुए हैं।

पारिस्थितिक तंत्र बहाली पर संयुक्त राष्ट्र दशक 2021-2030

- इसका उद्देश्य जलवायु संकट से लड़ने और खाद्य सुरक्षा, जल आपूर्ति और जैव विविधता को बढ़ाने के लिए डिग्रेडेड और नष्ट किए गए पारिस्थितिक तंत्र की बहाली को बड़े पैमाने पर शुरू करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>ओफिचथुस्काइलाश्चंद्राइ</u>**

- बंगाल की खाड़ी में रहने वाली एक नई साँप ईल प्रजाति की खोज ओडिशा के गोपालपुर-ऑन-सी में भारतीय प्राणि सर्वेक्षण (जेड.एस.आई.) द्वारा की गई है।

ओफिचथुस्काइलाश्चंद्राइ के संदर्भ में जानकारी

- यह भारतीय तट पर पाए जाने वाले ओफ़िचथुस वंश की आठवीं प्रजाति है।
- इन नई समुद्री प्रजातियों को भारतीय पशु वर्गीकरण के लिए जेड.एस.आई. के निदेशक डॉ. कैलाश चंद्र के विशाल योगदान का सम्मान करने के लिए ओफिचथुस्काइलाश्चंद्राइ नाम दिया गया है।
- ओफिचथुस्काइलाश्चंद्राइ समुद्र में लगभग 50 मीटर की गहराई पर रहता है।
- यह छोटी मछलियों और केकड़ों पर निर्भर रहता है।

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण के संदर्भ में जानकारी

- भारतीय प्राणि सर्वेक्षण (जेड.एस.आई.) की स्थापना 1916 में भारत सरकार के पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा की गई थी।
- यह देश में जीवों के सर्वेक्षण, अन्वेषण और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए प्राणि विज्ञान अनुसंधान और अध्ययन में एक अग्रणी भारतीय संगठन है।
- इसका मुख्यालय कोलकाता में स्थित है।

भारत के अन्य प्रमुख राष्ट्रीय सर्वेक्षण संगठन

- जेड.एस.आई. (प्राणी विज्ञान) के साथ-साथ ए.एस.आई. (पुरातत्व), बी.एस.आई. (वनस्पति विज्ञान), एफ.एस.आई. (वन), एफ.आई.एस.आई. (मत्स्य पालन), जी.एस.आई. (भूविज्ञान), आई.आई.ई.ई. (पारिस्थितिकी), एन.आई.ओ. (समुद्र विज्ञान), आर.जी.सी.सी.आई. (भारत की जनगणना) और एस.आई. (मानचित्रण) हैं।

नोट:

- 2019 में, इस जेड.एस.आई. केंद्र द्वारा समुद्री ईल, जिमनोथोरैक्सेन्डामेनिसिस और जिमनोथोरैक्सस्मिथिविरे की दो नई प्रजातियों की खोज की गई है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>नेचर रिस्क राइजिंग रिपोर्ट</u>**

- विश्व आर्थिक मंच ने नेचर रिस्क राइजिंग रिपोर्ट जारी की है।

नेचर रिस्क राइजिंग रिपोर्ट के संदर्भ में जानकारी

- इसका निर्माण डब्ल्यू.ई.एफ. ने पी.डब्ल्यू.सी. के साथ मिलकर किया है और न्यू नेचर इकोनॉमी रिपोर्ट की श्रृंखला में पहली रिपोर्ट है।
- यह बताता है कि प्रकृति से संबंधित जोखिम व्यवसाय के लिए कैसे महत्वपूर्ण हैं, क्यों उन्हें तत्काल रूप से जोखिम प्रबंधन रणनीतियों में शामिल किया जाना चाहिए।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया की कुल जी.डी.पी. का आधे से अधिक हिस्सा सामान्य रूप से या अधिकतम रूप से प्रकृति और उसकी सेवाओं पर निर्भर करता है और जिसके परिणामस्वरूप, प्रकृति के नुकसान से जोखिमों के संपर्क में है।
- चीन, यूरोपीय संघ और अमेरिका का प्रकृति-निर्भर उद्योगों में सबसे अधिक निरपेक्ष आर्थिक मूल्य है।
- निर्माण, कृषि और खाद्य और पेय पदार्थ तीन सबसे बड़े उद्योग हैं जो प्रकृति पर सबसे अधिक निर्भर करते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संस्थान

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>ब्लू कॉर्नर नोटिस</u>**

- गुजरात पुलिस द्वारा एजेंसी के हस्तक्षेप की मांग करने के कुछ सप्ताह बाद इंटरपोल ने भगोड़े स्वयंभू भगवान नित्यानंद का पता लगाने में मदद

करने के लिए एक ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया है।

इंटरपोल नोटिस के संदर्भ में जानकारी

- इंटरपोल वेबसाइट के अनुसार, "नोटिस, सदस्य देशों में पुलिस को गंभीर अपराध से संबंधित जानकारी साझा करने के लिए सहयोग या अलर्ट के लिए अंतर्राष्ट्रीय अनुरोध हैं।"
- सात प्रकार के नोटिस- रेड नोटिस, येलो नोटिस, ब्लू नोटिस, ब्लैक नोटिस, ग्रीन नोटिस, ऑरेंज नोटिस और पर्पल नोटिस है।

विभिन्न प्रकार के नोटिस

- **रेड नोटिस:** प्रत्यर्पण या समान कानूनी कार्रवाई के लिए वांछित व्यक्तियों के स्थान और गिरफ्तारी की मांग करना
- **ब्लू नोटिस**: किसी अपराध के संबंध में किसी व्यक्ति की पहचान, स्थान या गतिविधियों के बारे में अतिरिक्त जानकारी एकत्र करना
- **ग्रीन नोटिस:** उन लोगों के बारे में चेतावनी और खुफिया जानकारी प्रदान करना जिन्होंने आपराधिक अपराध किए हैं और अन्य देशों में इन अपराधों के दोहराए जाने की संभावना है।
- **इंटरपोल-अन सिक्योरिटी काउंसिल स्पेशल नोटिस:** उन समूहों और व्यक्तियों के लिए जारी की जाती है, जो सी.आई.एन. सिक्योरिटी काउंसिल प्रतिबंध समितियों के लक्ष्य हैं।
- **येलो नोटिस:** लापता व्यक्तियों का पता लगाने, प्राय: नाबालिगों की या उन व्यक्तियों की पहचान करने में मदद करने के लिए जारी की जाती है जो स्वयं को पहचानने में असमर्थ हैं।
- **ब्लैक नोटिस:** अज्ञात निकायों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए जारी की जाती है।
- **ऑरेंज नोटिस:** किसी घटना, किसी व्यक्ति, वस्तु या प्रक्रिया को सार्वजनिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर और आसन्न खतरे का प्रतिनिधित्व करने की चेतावनी देने के लिए जारी की जाती है।
- **पर्पल नोटिस:** अपराधियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली कार्यप्रणाली, वस्तुओं, उपकरणों और छिपने के तरीकों के बारे में जानकारी प्राप्त करने या प्रदान करने के लिए जारी की जाती है।

इंटरपोल (अंतर्राष्ट्रीय पुलिस) के संदर्भ में जानकारी

- अंतर्राष्ट्रीय आपराधी पुलिस संगठन (इंटरपोल), 1923 में स्थापित एक अंतर सरकारी संगठन है।
- इसका मुख्यालय फ्रांस के ल्यॉन में स्थित है।
- यह लगभग 194 देशों में दुनिया भर में पुलिस सहयोग और अपराध नियंत्रण की सुविधा प्रदान करता है।
- प्रत्येक सदस्य देश एक इंटरपोल नेशनल सेंट्रल ब्यूरो (एन.सी.बी.) की मेजबानी करता है।
- यह अन्य देशों और इंटरपोल के महासचिवालय के साथ उनके राष्ट्रीय कानून प्रवर्तन को जोड़ता है।
- केंद्रीय जांच ब्यूरो को भारतीय राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो के रूप में नामित किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संस्थान

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

27.01.2020

1. **राष्ट्रीय फ्लैगशिप कार्यक्रमों को सहायता प्रदान करने के लिए संचार संसाधन इकाई का गठन किया गया है।**

- हाल ही में, राष्ट्रीय ग्रामीण एवं पंचायती राज विकास संस्थान (एन.आई.आर.डी.पी.आर.) ने "संचार संसाधन इकाई" स्थापित करने के लिए यूनिसेफ (संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष) के साथ साझेदारी की है।

संचार संसाधन इकाई के संदर्भ में जानकारी

- यह राष्ट्रीय फ्लैगशिप कार्यक्रमों को रणनीतिक संचार सहायता प्रदान करने के लिए एक संस्थागत तंत्र के रूप में कार्य करता है।
- यह इकाई राज्य सरकारों के साथ-साथ केंद्र सरकार की योजनाओं जैसे पोशन अभियान, राष्ट्रीय

स्वास्थ्य मिशन और स्वच्छ भारत मिशन सहित अन्य को सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार (एस.बी.सी.सी.) प्रदान करती है।

- यह वर्तमान में तीन राज्यों आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में काम कर रही है।
- इसका उद्देश्य परामर्श, तकनीकी सहायता और क्षमता निर्माण के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों की रणनीतिक संचार आवश्यकताओं को पूरा करना है।

एन.आई.आर.डी.पी.आर. के संदर्भ में जानकारी

- राष्ट्रीय ग्रामीण एवं पंचायती राज विकास संस्थान, केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संगठन है।
- यह ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज में उत्कृष्टता का एक अग्रणी राष्ट्रीय केंद्र है।
- यह तेलंगाना के हैदराबाद में स्थित है।

यूनिसेफ के संदर्भ में जानकारी:

- संयुक्त राष्ट्र बाल कोष, पूर्व में संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष का गठन 1946 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा किया गया था।
- इसका मुख्यालय अमेरिका के न्यूयॉर्क में स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2–गवर्नेंस

स्रोत-द हिंदू

2. **<u>जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने लद्दाख को 6वां अनुसूची क्षेत्र का दर्जा देने का प्रस्ताव किया है।</u>**

- केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को 6वां अनुसूची क्षेत्र का दर्जा देने का प्रस्ताव किया है।

छठी अनुसूची के संदर्भ में जानकारी

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 244 के अनुसार, छठी अनुसूची में असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन के प्रावधान हैं।
- यह स्वायत्त जिला परिषदों के गठन के माध्यम से आदिवासी आबादी के अधिकारों की रक्षा करना चाहता है।
- यह एक स्वायत्त क्षेत्र के रूप में गठित प्रत्येक क्षेत्र के लिए अलग-अलग क्षेत्रीय परिषद भी प्रदान करता है।
- इन चार राज्यों के राज्यपालों को इन राज्यों के कुछ आदिवासी बहुल जिलों/ क्षेत्रों को स्वायत्त जिला और स्वायत्त क्षेत्र घोषित करने का अधिकार है।

स्वायत्त जिला परिषदों के संदर्भ में जानकारी

- ये भारतीय संविधान की छठी अनुसूची, अनुच्छेद 244 (2) और अनुच्छेद 275 (1) के अनुसार गठित प्रशासनिक निकाय हैं।

नोट:

पांचवीं अनुसूची के संदर्भ में जानकारी

- यह अनुसूचित क्षेत्रों के साथ-साथ असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के अतिरिक्त किसी भी राज्य में रहने वाले अनुसूचित जनजातियों के प्रशासन और नियंत्रण से संबंधित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –संविधान

स्रोत- ए.आई.आर.

3. **<u>औद्योगिक संपत्ति के संरक्षण हेतु पेरिस सम्मेलन</u>**

- खादी ग्रामोद्योग निगम किसी भी उत्पाद को खादी के रूप में राष्ट्रीय या विश्व स्तर पर प्रदर्शित करने से रोकने के लिए औद्योगिक संपत्ति के संरक्षण हेतु पेरिस समझौते के अंतर्गत 'खादी' के लिए अंतर्राष्ट्रीय ट्रेडमार्क पर ध्यान लगाए हुए है।

औद्योगिक संपत्ति के संरक्षण हेतु पेरिस सम्मेलन के संदर्भ में जानकारी

- इसे 1883 में अपनाया गया था।
- पेरिस समझौता व्यापक अर्थों में औद्योगिक संपत्ति पर लागू होता है, जिसमें शामिल हैं
    - पेटेंट
    - ट्रेडमार्क
    - औद्योगिक डिजाइन

- यूटिलिटी मॉडल (कुछ देशों के कानूनों द्वारा प्रदान किए गए "छोटे पैमाने के पेटेंट" का एक प्रकार)
    - सर्विस मार्क
    - व्यापार नाम (पदनाम जिसके अंतर्गत औद्योगिक या वाणिज्यिक गतिविधि संचालित की जाती है)
    - भौगोलिक संकेत (उत्पत्ति के स्रोत और उत्पत्ति के नाम)
    - अनुचित प्रतिस्पर्धा का दमन
- यह अंतर्राष्ट्रीय समझौता रचनाकारों की मदद कर यह सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया पहला बड़ा कदम था कि उनके बौद्धिक कार्यों को अन्य देशों में संरक्षित किया गया था।
- 1883 के पेरिस समझौते का अनुच्छेद 6 सैन्य अधिग्रहण, सम्मेलन में राज्य पार्टियों के झंडे और राज्यों के अन्य राज्यों के प्रतीकों को संरक्षित करता है, जिसमें आधिकारिक संकेत और नियंत्रण और वारंट का संकेत देने वाले हॉलमार्क शामिल हैं।
- यह विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यू.आई.पी.ओ.) द्वारा प्रशासित है।

<u>विश्व बौद्धिक संपदा संगठन के संदर्भ में जानकारी</u>

- यह बौद्धिक संपदा (आई.पी.) सेवाओं, नीति, सूचना और सहयोग हेतु एक वैश्विक मंच है।
- इसका शासनादेश शासी निकाय और प्रक्रियाएं डब्ल्यू.आई.पी.ओ. सम्मेलन में स्थापित की गई हैं, जिन्होंने 1967 में डब्ल्यू.आई.पी.ओ. की स्थापना की थी।
- इसका उद्देश्य एक संतुलित और प्रभावी अंतर्राष्ट्रीय आई.पी. प्रणाली के विकास का नेतृत्व करना है जो सभी के लाभ के लिए नवाचार और रचनात्मकता को सक्षम बनाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –बौद्धिक संपदा अधिकार

स्रोत- टी.ओ.आई.

4. **<u>वैश्विक भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक</u>**

- ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2019 जारी किया गया है।

भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक के संदर्भ में जानकारी

- विशेषज्ञों और कारोबारियों के अनुसार, यह सार्वजनिक क्षेत्र के भ्रष्टाचार के कथित स्तरों के आधार पर 180 देशों और क्षेत्रों को रैंक प्रदान करता है।
- यह 0 (अत्यधिक भ्रष्ट) के 100 (बहुत ईमानदार) के पैमाने का उपयोग करता है।

भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2019 की मुख्य विशेषताएं

- 2019 के लिए वैश्विक औसत स्कोर 43 है।
- शीर्ष क्रम के देशों में न्यूजीलैंड और डेनमार्क हैं, जिनमें से प्रत्येक के 87 अंक हैं, इसके बाद फिनलैंड (86), सिंगापुर (85), स्वीडन (85) और स्विट्जरलैंड (85) हैं।
- सूची में सबसे नीचे के देशों में सोमालिया, दक्षिण सूडान और सीरिया हैं।

भारत और सूचकांक

- भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (सी.पी.आई.-2019) में भारत की रैंकिंग 2018 की तुलना में 78 से 80 पर फिसल गई है।
- दोनो वर्षों में भारत का स्कोर 100 में से 41 समान रहा है।

<u>ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के संदर्भ में जानकारी</u>

- यह एक अंतर्राष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन है जो जर्मनी के बर्लिन में स्थित है और इसकी स्थापना 1993 में हुई थी।
- इसका गैर-लाभकारी उद्देश्य, नागरिक सामाजिक भ्रष्टाचार विरोधी उपायों के साथ वैश्विक भ्रष्टाचार का मुकाबला करना और भ्रष्टाचार से उत्पन्न होने वाली आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए कार्रवाई करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संस्थान

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **<u>सागरमाथा संवाद</u>**

- नेपाल ने भारत और पाकिस्तान के प्रधानमंत्रियों के साथ-साथ कई अन्य सरकारों के प्रमुखों और राज्यों के प्रमुखों को सागरमाथा संबाद के लिए आमंत्रित किया है।
- इसमें दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) के सदस्य देशों के नेताओं के अतिरिक्त कई वैश्विक हस्तियों द्वारा भाग लिया जाएगा।
- 2020 सागरमाथा संबाद की थीम: **जलवायु परिवर्तन, पर्वत और मानवता का भविष्य'** है।

सागरमाथा संबाद के संदर्भ में जानकारी

- यह नेपाल के काठमांडू में मुख्यालय के साथ एक बहु-हितधारक, स्थायी वैश्विक संवाद मंच है।
- यह नेपाल के विदेश मंत्रालय, विदेशी मामलों के संस्थान और नीति अनुसंधान संस्थान की एक संयुक्त सहयोगी पहल है।
- संवाद का उद्देश्य वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय महत्व के सबसे प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- लाइवमिंट

6. **<u>उत्तर कोरिया पहली बार म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेने जा रहा है।</u>**

- उत्तर कोरिया शीर्ष राजनयिक सभा के 56 वर्षों के इतिहास में पहली बार म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में एक प्रतिनिधिमंडल भेजेगा।

म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के संदर्भ में जानकारी

- यह 1963 से जर्मनी के म्यूनिख में होने वाली अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा नीति पर एक वार्षिक सम्मेलन है।
- यह नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों के लिए दिन और भविष्य के सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा मुद्दों के संदर्भ में खुली और रचनात्मक चर्चा के लिए एक स्वतंत्र स्थल है।
- इसका आदर्श वाक्य डायलॉग के माध्यम से शांति है।
- यह म्यूनिख सुरक्षा रिपोर्ट, महत्वपूर्ण सुरक्षा चुनौतियों पर प्रासंगिक आंकड़ों का एक वार्षिक डाइजेस्ट, नक्शा और शोध प्रकाशित करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- टी.ओ.आई.

7. **<u>विश्वविद्यालयों में प्रख्यात महिलाओं के नाम पर अध्यक्षों की स्थापना की जाएंगी।</u>**

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए अनुसंधान गतिविधियों को करने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों में 10 अध्यक्षों की स्थापना करेगा।

प्रख्यात महिलाओं के नाम पर विश्वविद्यालयों में अध्यक्षों की स्थापना के संदर्भ में जानकारी

- यह प्रख्यात महिला प्रशासकों, कलाकारों, वैज्ञानिकों और साहित्यकारों के नाम पर विभिन्न विश्वविद्यालयों में 10 अध्यक्षों की स्थापना की परिकल्पना करता है।
- इसका उद्देश्य महिलाओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना और उनके चुने हुए क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करना है।
- प्रति वर्ष प्रत्येक अध्यक्ष का खर्च 50 लाख और 5 वर्षों की अवधि के लिए स्थापित किया जाएगा।
- अध्यक्षों के शैक्षणिक कार्य अनुसंधान में संलग्न होंगे और इसके बदले में, अध्ययन के क्षेत्र में ज्ञान की उन्नति में योगदान करेंगे।
- यह सार्वजनिक नीति निर्धारण में विश्वविद्यालय/ शिक्षाविदों की भूमिका को मजबूत करने और उच्च शिक्षा में शिक्षकों के लिए अल्पकालिक क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को डिजाइन और निष्पादित करने में भी मदद करता है।
- यू.जी.सी. द्वारा प्रस्तावित और मंत्रालय द्वारा अनुमोदित अध्यक्ष हैं:
  - प्रशासन- देवी अहिल्याबाई होल्कर (अध्यक्ष का प्रस्तावित नाम)

- साहित्य- महादेवी वर्मा
- स्वतंत्रता सेनानी (उत्तर पूर्व)- रानी गाइंदिन्ल्यू
- दवा एवं स्वास्थ्य- आनंदीबाई गोपालराव जोशी
- प्रदर्शन कला- मदुरई शनमुख वादिवु सुबुलक्ष्मी
- वन/ वन्यजीव संरक्षण- अमृता देवी (बेनीवाल)
- गणित– लीलावती
- विज्ञान- कमला सोहोनी
- कविता और रहस्यवाद- लाल देद
- शैक्षिक सुधार- हंसा मेहता

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महिला सशक्तीकरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>वैश्विक प्रतिभा सूचकांक 2020</u>**

- मानव संसाधन फर्म एडेको और गूगल के सहयोग से इनसीड द्वारा संकलित 2020 वैश्विक प्रतिभा प्रतिस्पर्धा सूचकांक रिपोर्ट स्विट्जरलैंड के दावोस में जारी की गई थी।

वैश्विक प्रतिभा सूचकांक के संदर्भ में जानकारी

- इसे 2013 में पहली बार लॉन्च किया गया था।
- यह एक वार्षिक बेंचमार्किंग रिपोर्ट है जो प्रतिभाओं के लिए प्रतिस्पर्धा करने की देशों की क्षमता को मापती है।

सूचकांक की मुख्य विशेषताएं

- भारत, 2020 वैश्विक प्रतिभा प्रतिस्पर्धा सूचकांक (जी.टी.सी.आई.) में आठ स्थान उछलकर 72वें स्थान पर पहुँच गया है, इस सूचकांक में स्विट्जरलैंड, अमेरिका और सिंगापुर शीर्ष पर हैं।
- ब्रिक्स समूह में चीन 42वें, रूस (48वें), दक्षिण अफ्रीका (70वें) और ब्राजील 80वें स्थान पर है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण सूचकांक

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

9. **<u>25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया है।</u>**

- दसवां राष्ट्रीय मतदाता दिवस, 25 जनवरी को मनाया गया है।
- इस वर्ष की थीम "मजबूत लोकतंत्र हेतु चुनावी साक्षरता" थी।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के संदर्भ में जानकारी

- यह दिवस वर्ष 2011 से भारत के चुनाव आयोग के स्थापना दिवस को चिह्नित करने के लिए मनाया जाता है, जिसे 25 जनवरी, 1950 को स्थापित किया गया था।
- राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद चुनाव आयोग द्वारा आयोजित दसवें राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे।

नोट:

- लद्दाख में, दसवें मतदाता दिवस का सबसे बड़ा उत्सव कारगिल के द्रास में आयोजित किया गया था, जो दुनिया का दूसरा सबसे ठंडा स्थान है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

10. **<u>केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण</u>**

- केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण ने सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए एक राष्ट्रव्यापी क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू किया है, जो दत्तक परिवार की उपयुक्तता का आकलन करने और एक नए घर के लिए एक बच्चे को तैयार करने में मदद करता है।

केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण के संदर्भ में जानकारी

- यह भारतीय बच्चों को गोद लेने के लिए नोडल निकाय है, जो केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की एक स्वायत्त संस्था है।
- यह देश में और अंतर-देशीय दत्तक ग्रहण (2003 में भारत सरकार द्वारा अनुमोदित अंतर-देशीय दत्तक ग्रहण पर 1993 हेग सम्मेलन के प्रावधानों के अनुसार) को विनियमित करता है।

- बाल देखभाल संस्थानों (सी.सी.आई.) का अनिवार्य पंजीकरण और सी.ए.आर.ए. से लिंक करने को किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 में प्रदान किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वपूर्ण संगठन

स्रोत- द हिंदू

11. **<u>भारत की भावना का जश्न मनाने के लिए लाल किले पर 'भारत पर्व 2020' शुरू हुआ है।</u>**

- भारत पर्व 2020, भारत की भावना का जश्न मनाने के लिए नई दिल्ली के लाल किला मैदान में शुरू हुआ एक महोत्सव है। यह इस महीने की 31 तारीख तक मनाया जाएगा।
- भारत पर्व का उद्देश्य लोगों को देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों की यात्रा के लिए प्रोत्साहित करना और 'देखो अपना देश' की भावना को नागरिकों के मन में बैठाना है।
- भारत पर्व में जनता के लिए कई आकर्षण हैं, जिसमें गणतंत्र दिवस की परेड की झांकी का प्रदर्शन, सशस्त्र सेना बैंडों का प्रदर्शन और देश के विभिन्न क्षेत्रों से सांस्कृतिक प्रदर्शन शामिल हैं।
- इस वर्ष के भारत पर्व की थीम 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' और 'महात्मा गांधी के 150 वर्षों का उत्सव' है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

28.01.2020

1. **<u>भारत ने कच्छ की खाड़ी में प्रवाल भित्तियों की बहाली शुरू की है।</u>**

- भारतीय प्राणि सर्वेक्षण (जेड.एस.आई.) ने गुजरात के वन विभाग की मदद से पहली बार जैव चट्टानों या खनिज अभिवृद्धि तकनीक का उपयोग कर प्रवाल भित्तियों को बहाल करने की प्रक्रिया का प्रयास किया है।

जैव चट्टान के संदर्भ में जानकारी

- 19 जनवरी को कच्छ की खाड़ी में मीठापुर तट से एक नॉटिकल मील की दूरी पर एक जैव चट्टान संरचना स्थापित की गई थी।
- जैव चट्टान, स्टील संरचनाओं पर समुद्री तल में घुलने वाले खनिजों के विद्युत संचय से बने पदार्थ को दिया गया नाम है, जो समुद्र तल पर नीचे रहते है और एक शक्ति स्रोत से जुड़ा होता है, इस संदर्भ में, सौर पैनल हैं जो सतह पर तैरते हैं।

जैव चट्टान या खनिज अभिवृद्धि प्रौद्योगिकी का कार्य करना

- तकनीक, पानी में इलेक्ट्रोड के माध्यम से थोड़ी विद्युत धारा को प्रवाहित करके काम करती है।
- जब एक धनात्मक आवेशित एनोड और ऋणात्मक आवेशित कैथोड को समुद्री तल पर रखा जाता है तो उनके बीच विद्युत धारा प्रवाहित होती है, कैल्शियम आयन, कार्बोनेट आयनों के साथ संयोजन करते हैं और संरचना (कैथोड) का अनुपालन करते हैं।
- इसके परिणामस्वरूप कैल्शियम कार्बोनेट का निर्माण होता है जो प्रवाल लार्वा $CaCO_3$ का पालन करता है और जल्दी से बढ़ता है।

प्रवाल भित्तियों के संदर्भ में जानकारी

- एक प्रवाल भित्ति, पानी के नीचे का पारिस्थितिकी तंत्र है जिसकी विशेषता भित्ति निर्माण करने वाले प्रवाल है। भित्तियां, कैल्शियम कार्बोनेट द्वारा एक साथ आयोजित प्रवाल जंतुओं की कॉलोनियों से बनते हैं।
- अधिकांश प्रवाल भित्तियों का निर्माण पथरीले प्रवालों से होता है, जिनके जंतु समूह में इकठ्ठे रहते हैं।

प्रवाल भित्ति निर्माण के प्रकार

वैज्ञानिक सामान्यत: प्रवाल भित्तियों को चार वर्गों में बांटते हैं:

- **फ्रिंजिंग भित्ति**

- वे द्वीपों और महाद्वीपों के आसपास समुद्र तट के पास बढ़ते हैं।
- वे संकीर्ण, उथले लैगून द्वारा किनारे से अलग हो जाते हैं।
- फ्रिंजिंग भित्ति सबसे सामान्य प्रकार की भित्ति हैं, जो हम देखते हैं।

- **बैरियर भित्ति**
  - वे समुद्र तट के समानांतर भी होते हैं, लेकिन गहरे, व्यापक लैगून द्वारा अलग किए गए हैं।
  - ऑस्ट्रेलिया में ग्रेट बैरियर भित्ति दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे प्रसिद्ध बैरियर भित्ति है।
- **एटॉल भित्ति**
  - एटॉल, प्रवाल के छल्ले हैं जो संरक्षित लैगून बनाते हैं और सामान्यत: समुद्र के बीच में स्थित होते हैं।
  - एटॉल सामान्यत: तब बनते हैं, फ्रिंजिंग भित्तियों से घिरे द्वीप समुद्र में डूब जाते हैं या समुद्र का जलस्तर उनके आस-पास बढ़ जाता है (ये द्वीप सामान्यत: पानी के नीचे ज्वालामुखियों के सबसे ऊपर होते हैं)।
  - फ्रिंजिंग भित्तियां निरंतर बढ़ती रहती हैं और अंततः लैगून के अंदर घुमावों का निर्माण करती हैं।
- **पैच भित्तियां**
  - ये छोटी, अलग-थलग भित्तियां हैं जो द्वीप मंच या महाद्वीपीय शेल्फ के खुले तल से ऊपर बढ़ती हैं।
  - ये सामान्यत: फ्रिंजिंग भित्तियों और बैरियर भित्तियों के बीच होती हैं।
  - वे आकार में बहुत भिन्न होती हैं और वे बहुत ही कम मामलों में पानी की सतह तक पहुंचती हैं।

नोट:

- भारत में, प्रवाल भित्तियाँ 7 क्षेत्रों: गोवा तट, केरल तट, पाल्क खाड़ी, कच्छ की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी, लक्षद्वीप द्वीप समूह, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में स्थित हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

2. **<u>राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980</u>**

- हाल ही में, दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजाल ने एक आदेश जारी किया है, जिसमें पुलिस आयुक्त को कठोर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए), 1980 के अंतर्गत व्यक्तियों को हिरासत में रखने की शक्ति दी गई है।

राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 के संदर्भ में जानकारी

- एन.एस.ए. को "कुछ निश्चित मामलों और उससे संबंधित मामलों के लिए निवारक निरोध प्रदान करने हेतु एक अधिनियम के रूप में वर्णित किया गया है"।
- निवारक निरोध की शक्तियां सरकार को प्रदान करने के कारण "सख्त" होने के कारण इस अधिनियम की व्यापक रूप से आलोचना की गई है।
- एन.एस.ए. के अंतर्गत हिरासत 12 महीने तक बढ़ सकती है या इससे भी अधिक समय तक बए सकती है यदि सरकार हिरासत के खिलाफ और अधिक सबूत पेश करने में सक्षम है।

पृष्ठभूमि

1818 का बंगाल विनियमन III

- 1818 का बंगाल विनियमन III को सरकार को व्यक्ति को न्यायिक कार्यवाही का सहारा दिए बिना सार्वजनिक व्यवस्था के रखरखाव या सुरक्षा के लिए किसी को भी गिरफ्तार करने का अधिकार देने के लिए अधिनियमित किया गया था।

1919 का रोलेट अधिनियम

- ब्रिटिश सरकार ने 1919 के रौलट अधिनियमों को अधिनियमित किया था, जिसने बिना किसी परीक्षण के एक संदिग्ध को जब्त करने की अनुमति प्रदान की थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –आंतरिक सुरक्षा

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **<u>गंगा-वोल्गा संवाद</u>**

- गंगा-वोल्गा संवाद, नई दिल्ली में भारत और रूस के बीच आयोजित किया गया था, जिसे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन के सहयोग से विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया था।

गंगा-वोल्गा संवाद के संदर्भ में जानकारी

- गंगा वोल्गा संवाद की 2018 में रूस के राष्ट्रपति और भारतीय प्रधानमंत्री के बीच भारत रूस शिखर सम्मेलन के दौरान परिकल्पना की गई थी।
- इस वार्तालाप का उद्देश्य भारत और रूस के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान करना था।
- संवाद की थीम: **<u>कनेक्टिविटी</u>** है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- ए.आई.आर.

4. **<u>पारादीप बंदरगाह</u>**

- एक अंतर-मंत्रिस्तरीय पैनल ने पारादीप बंदरगाह ट्रस्ट की आंतरिक बंदरगाह सुविधाओं को गहन करने और अनुकूलन हेतु शिपिंग मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।

<u>पारादीप बंदरगाह के संदर्भ में जानकारी</u>

- पारादीप बंदरगाह ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले में भारत के पूर्वी तट पर एक प्राकृतिक, गहरे पानी का बंदरगाह है।
- यह महानदी नदी और बंगाल की खाड़ी के संगम पर स्थित है।
- इस बंदरगाह का संचालन पारादीप बंदरगाह ट्रस्ट (पी.पी.टी.) द्वारा किया जाता है, जो भारत सरकार के पूर्ण स्वायत्त निगम है।

नोट:

- भारत का 95% व्यापार समुद्री परिवहन के माध्यम से किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –महत्वपूर्ण बंदरगाह

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>वाकटका वंश</u>**

- हाल ही में, नागपुर के पास रामटेक तालुका में नागार्दन में पुरातात्विक उत्खनन से वाकटका वंश के जीवन, धार्मिक जुड़ाव और व्यापारिक प्रथाओं पर ठोस सबूत मिले हैं।

वाकटका वंश के संदर्भ में जानकारी

- वे ब्राह्मणवादी राजवंश के हैं।
- उन्होंने मध्य और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में तीसरी और पाँचवीं शताब्दी के बीच शासन किया है।
- विंध्यशक्ति, इस राजवंश के संस्थापक थे।
- रॉक-कट बौद्ध विहार और अजंता गुफाओं के चैत्य (वाकटका सम्राट, हरिशेना के संरक्षण में बनाए गए थे।)

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –इतिहास

स्रोत- टी.ओ.आई.

6. **<u>ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित प्लैटिपस का जलवायु परिवर्तन से खतरा है: अध्ययन</u>**

- हाल ही में पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, जैविक संरक्षण ने आग के कारण ऑस्ट्रेलिया में प्लैटिपस आबादी के लिए खतरों के संभावित विनाशकारी संयोजन की जांच की है।

प्लैटिपस के संदर्भ में जानकारी

- प्लैटिपस (ऑर्निथोरिनच्यूस एनाटिनस) तस्मानिया सहित पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में एक अर्द्धजलीय अंडे देने वाला स्तनपायी जीव है।

- वे एकमात्र स्तनधारी हैं, जो जीवित बच्चों को जन्म देने के बजाय अंडे देते हैं।
- प्लैटिपस की अनूठी विशेषताएं इसे विकासवादी जीव विज्ञान के अध्ययन में एक महत्वपूर्ण विषय बनाती हैं और ऑस्ट्रेलिया का एक पहचान योग्य और प्रतिष्ठित प्रतीक बनाती है।
- यह अंडजस्तनी की पांच विलुप्त प्रजातियों में से एक है, ये एकमात्र स्तनधारी जो जीवित बच्चों को जन्म देने के बजाय अंडे देते हैं।
- प्लैटिपस को विषैले स्तनधारियों के रूप में भी जाना जाता है क्यों कि पुरुष प्लैटिपस के टखने के अंदर एक विषैला स्पर होता है।

संरक्षण स्तर

- इन्हें आई.यू.सी.एन. रेड लिस्ट के अंतर्गत लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत-लाइवमिंट

7. **<u>नागोबा जतारा</u>**

- नागोबा जतारा महोत्सव, तेलंगाना राज्य में मेसराम राज गोंडों और परधान द्वारा मनाया जा रहा है।

नागोबा जतारा के संदर्भ में जानकारी

- नागोबा जतारा, भारत के तेलंगाना के केसलापुर गाँव में आयोजित एक आदिवासी महोत्सव है।
- यह दूसरा सबसे बड़ा जनजातीय महोत्सव है और गोंड जनजाति के मेसराम वंश द्वारा मनाया जाता है।
- मेसराम वंश से संबंधित महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और मध्य प्रदेश के आदिवासी लोग भी त्योहार पर प्रार्थना करते हैं।
- गोंड जनजाति के नर्तकियों द्वारा गुसाड़ी नृत्य प्रदर्शन इस आयोजन का एक विशेष आकर्षण है।

गोंड जनजाति के संदर्भ में जानकारी

- वे दुनिया के सबसे बड़े आदिवासी समूहों में से एक हैं।
- वे ज्यादातर मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, गुजरात, झारखंड, कर्नाटक, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में रहते हैं।
- वे मुख्य रूप से गोंडी बोलते हैं, जो द्रविड़ परिवार की अलिखित भाषा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- पी.आई.बी.

8. **<u>केरल में देश की पहली सुपर फैब प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया है।</u>**

- भारत की पहली सुपर फैब प्रयोगशाला को केरल स्टार्टअप मिशन (के.एस.यू;एम.) के एकीकृत स्टार्टअप कॉम्प्लेक्स में लॉन्च किया गया था।
- यह मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.आई.टी.) के सहयोग से कार्य करेगा।

फैब प्रयोगशाला के संदर्भ में जानकारी

- ये प्रयोगशालाएं डिजिटल निर्माण और अभिकलन की पेशकश करने वाली निर्माण प्रयोगशालाएं हैं, जो आविष्कारक और वैज्ञानिक प्रोफेसर नील गेर्शेनफेल्ड के दिमाग की उपज थीं।
- यह उद्यमियों को उन्नत डिजिटल विनिर्माण प्रौद्योगिकी तक पहुंच प्रदान करके अपने विचारों को नए उत्पादों और प्रोटोटाइप में बदलने में सक्षम बनाता है।
- यह 2002 में भारत के पुणे में विज्ञान आश्रम में एम.आई.टी. के बाहर स्थापित होने वाली भारत की पहली फैब लैब थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इकोनॉमिक्स टाइम्स

29.01.2020

1. **<u>दया याचिका</u>**

- हाल ही में, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि दया याचिका को अस्वीकार करने के राष्ट्रपति के फैसले की न्यायिक समीक्षा का दायरा "बहुत सीमित" है।

भारतीय कानून के अंतर्गत प्रावधान

- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 72 कुछ मामलों में सजा को माफ करने, निलंबित करने, छूट देने या परिवर्तित करने की शक्ति राष्ट्रपति को प्रदान करता है।
- इस अनुच्छेद के अंतर्गत, केवल राष्ट्रपति के पास मंत्रियों की परिषद की सहायता और सलाह पर आपराधिक मामलों में दया याचिका देने का एकमात्र अधिकार है।
- उन सभी मामलों में जहां सजा या निर्णय, कोर्ट-मार्शल द्वारा होती है
- उन सभी मामलों में जहां किसी भी कानून के खिलाफ अपराध के लिए सजा या निर्णय एक ऐसे मामले से संबंधित है जिसमें संघ की कार्यकारी शक्ति का विस्तार होता है
- उन सभी मामलों में जहां सजा, मौत की सजा है।
- राष्ट्रपति की क्षमा शक्ति, न्यायपालिका से स्वतंत्र होती है जो कार्यकारी शक्ति है।
- राष्ट्रपति को शक्ति प्रदान करने के उद्देश्य दो हैं:
- कानून के संचालन में किसी भी न्यायिक त्रुटि को ठीक करने के लिए दरवाजा खुला रखने हेतु
- उस सजा से राहत देने के लिए जिसे राष्ट्रपति अनुचित मानते हैं।

राष्ट्रपति की क्षमा शक्ति में निम्नलिखित शामिल हैं:

- **क्षमा:** राष्ट्रपति, किसी व्यक्ति को अपराध के लिए पूरी तरह से दोषमुक्त/ बरी कर सकते हैं और उसे एक सामान्य नागरिक की तरह मुक्त कर सकते हैं।
- **परिवर्तित करना**: अधिक कठोर सजा को कम कठोर सजा में परिवर्तित करने हेतु है, उदाहरण के लिए कठोर कारावास को साधारण कारावास में परिवर्तित करना।
- **छूट**: सजा की प्रकृति को बदले बिना सजा को कम करना है। उदाहरण के लिए: 20 वर्ष सश्रम कारावास को 10 वर्ष सश्रम कारावास करना।
- **दंडविराम**: एक सजा के निष्पादन में देरी की अनुमति दी जाती है, सामान्यत: दोषी व्यक्ति को उसकी निर्दोषता साबित करने के लिए मौत की सजा के मामले में देरी की अनुमति दी जाती है।
- स्थगितकरण: गर्भावस्था, बुढ़ापे आदि जैसे विशिष्ट आधारों को देखते हुए सजा को कम करना है।
- इसके अतिरिक्त, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 161 में राज्यपाल को किसी भी कानून के खिलाफ अपराध के लिए सजा या निर्णय एक ऐसे मामले से संबंधित है जिसमें संघ की कार्यकारी शक्ति का विस्तार होता है, में किसी व्यक्ति की सजा माफ करने, निलंबित करने या छूट देने या परिवर्तित करने की शक्ति प्रदान की गई है।

नोट:

- कोर्ट-मार्शल, सशस्त्र बलों के एक सदस्य के सैन्य अदालत में एक मुकदमे है, जिन पर सैन्य कानून तोड़ने का आरोप लगाया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –संविधान

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>नौसेना ने मेडागास्कर की मदद के लिए ऑपरेशन वनीला शुरू किया है|</u>**

- हाल ही में, नौसेना ने मेडागास्कर में राष्ट्रीय आपदा के समर्थन में ऑपरेशन वनीला शुरू किया है और सहायता प्रदान करने के लिए एक बड़े उभयचर जहाज को भेजा है।
- मेडागास्कर, एक चक्रवात की चपेट में आ गया है और पिछले सप्ताह से भारी बाढ़ और भूस्खलन हुआ है, जिससे काफी जनहानि हुई है।

मेडागास्कर के संदर्भ में जानकारी

- मेडागास्कर को लाल द्वीप, इंद्रधनुष द्वीप, आठवें महाद्वीप के रूप में भी जाना जाता है।
- यह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा द्वीप है।
- यहां बोली जाने वाली भाषाएँ मालागासी और फ्रेंच हैं।

स्थान:

- मेडागास्कर, अफ्रीका के तट से पूर्व हिंद महासागर के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित है जो मोज़ाम्बिक के तट से लगभग 400 कि.मी. दूर स्थित है।
- इस द्वीप को जैव विविधता के लिए विश्व के शीर्ष दस हॉटस्पॉट में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है।

जातीय समूह

- मेडागास्कर में मलायो-इंडोनेशियाई, मिश्रित अफ्रीकी और मलयो-इंडोनेशियाई और अरब वंश के विभिन्न जातीय समूहों का निवास है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- ए.आई.आर.

3. **<u>फिलिस्तीनियों ने ओस्लो शांति समझौते को छोड़ने की धमकी दी है।</u>**

- हाल ही में, फिलिस्तीनी अधिकारियों ने ओस्लो समझौते के प्रमुख प्रावधानों से हटने की धमकी दी है।

ओस्लो समझौते के संदर्भ में जानकारी

- ओस्लो समझौता, मध्य पूर्व में शांति की खोज में एक ऐतिहासिक क्षण था।
- यह वास्तविकता में इजराइल सरकार और फिलिस्तीन लिबरेशन ऑर्गेनाइजेशन के नेतृत्व में हस्ताक्षरित दो अलग-अलग समझौतों का एक सेट है, इस क्षेत्र में एक फिलिस्तीनी राज्य बनाने के लिए 1964 में स्थापित एक उग्रवादी संगठन है।
- 1993 में ओस्लो समझौते की वाशिंगटन, डी.सी., (ओस्लो I) में और 1995 में ताबा, मिस्र में (ओस्लो II) में पुष्टि की गई थी।
- जब कि वार्ता के दौरान बनाए गए प्रावधान आज भी प्रभावी हैं, दोनों पक्षों के बीच संबंध निरंतर रूप से संघर्ष द्वारा बिगड़ रहे हैं।
- हालांकि ओस्लो समझौते में यह उल्लेखनीय था कि पी.एल.ओ. औपचारिक रूप से इजरायल राज्य को मान्यता देने के लिए सहमत हो गया था और इसके बदले में, इजराइल ने फिलिस्तीनियों को गाजा और वेस्ट बैंक (तथाकथित अधिकृत क्षेत्रों) में सीमित स्व-शासन के कुछ प्रकार की अनुमति प्रदान की थी।
- हालांकि, ओस्लो समझौते की अभी तक कोई स्थायी शांति नहीं हुई है और उनका समग्र प्रभाव बहस के लिए बना हुआ है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द टाइम्स ऑफ इजराइल

4. **<u>आंध्र प्रदेश मंत्रिमंडल ने विधान परिषद को खत्म करने की अनुमति प्रदान की है।</u>**

- आंध्र प्रदेश मंत्रिमंडल ने विधान परिषद के उन्मूलन के लिए डेक को मंजूरी प्रदान की है।

विधान परिषद के संदर्भ में जानकारी

- भारत में एक द्विसदनीय प्रणाली अर्थात संसद के दो सदन हैं।
- राज्य स्तर पर, लोकसभा का समतुल्य विधानसभा या विधानसभा होती है और राज्यसभा के समतुल्य विधान परिषद या विधान परिषद होती है।

संवैधानिक प्रावधान

- संविधान, राज्यों में विधायी परिषदों के उन्मूलन या निर्माण का प्रावधान प्रदान करता है।
- इसके अनुसार, संसद एक विधान परिषद (जहां यह पहले से मौजूद है) का उन्मूलन कर सकती है या बना सकती है (जहां इसका अस्तित्व नहीं है), यदि संबंधित राज्य की विधान सभा उस प्रभाव का प्रस्ताव पारित करती है।
- इस प्रकार के एक विशिष्ट प्रस्ताव को राज्य विधानसभा द्वारा विशेष बहुमत से पारित किया जाना चाहिए अर्थात विधानसभा की कुल सदस्यता का बहुमत और विधानसभा के वर्तमान और मतदान के कम से कम दो-तिहाई सदस्यों के बहुमत से पारित किया जाना चाहिए।

विधान परिषद का निर्माण

- संविधान के अनुच्छेद 169 के अंतर्गत, संसद कानून द्वारा किसी राज्य में दूसरा चैंबर बना सकती है या समाप्त कर सकती है यदि उस राज्य की विधान सभा विशेष बहुमत से उस आशय का प्रस्ताव पारित करती है।

विधान परिषद की शक्ति

- अनुच्छेद 171 खंड (1) के अनुसार, विधान परिषद में सदस्यों की कुल संख्या, उस राज्य की विधानसभा की कुल सदस्यता के एक तिहाई से अधिक नहीं होनी चाहिए और किसी भी मामले में 40 से कम सदस्य नहीं होने चाहिए।

विधान परिषद का चुनाव

- एक-तिहाई सदस्यों का चुनाव विधानसभा के सदस्यों द्वारा किया जाता है।
- राज्य में नगर पालिकाओं, जिला बोर्डों और अन्य स्थानीय प्राधिकरणों के सदस्यों के निर्वाचक मंडल द्वारा एक-तिहाई का चुनाव किया जाता है।
- 1/12 का चुनाव शिक्षक मतदाता द्वारा किया जाता है।
- पंजीकृत स्नातकों द्वारा 1/12 का चुनाव किया जाता है।
- शेष सदस्यों को राज्यपाल द्वारा उन लोगों में से नामित किया जाता है जिन्होंने साहित्य, विज्ञान, कला, सहकारी आंदोलन और समाज सेवा में खुद को प्रतिष्ठित किया है।

पृष्ठभूमि

- आंध्र प्रदेश को 1957 में विधान परिषद मिली थी और 1985 में इसे समाप्त कर दिया गया था।
- आंध्र प्रदेश विधान परिषद अधिनियम, 2005 के अधिनियमन के बाद 2007 में आंध्र प्रदेश में विधान परिषद को पुन: स्थापित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –संविधान

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **<u>भारत में दस और आर्द्रभूमि को रामसर स्थल के रूप में घोषित किया गया है।</u>**

- केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने घोषणा की है कि भारत ने रामसर सम्मेलन द्वारा संरक्षित स्थलों में 10 और आद्रभूमि जोड़ी हैं।
- दस नए आद्रभूमि स्थल हैं:
- महाराष्ट्र के लिए पहला नंदूर मधामेश्वर
- केशोपुर-मियानी, ब्यास संरक्षण रिजर्व और नंगल (पंजाब)
- उत्तर प्रदेश में नवाबगंज, पार्वती आगरा, समन, समसपुर, सांडी और सरसाई नवार
- अन्य रामसर स्थल राजस्थान, केरल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, असम, पश्चिम बंगाल, जम्मू और कश्मीर, आंध्र प्रदेश, मणिपुर, गुजरात, तमिलनाडु और त्रिपुरा में स्थित हैं।

रामसर सम्मेलन के संदर्भ में जानकारी

- इस सम्मेलन पर ईरानी शहर रामसर में 1971 में हस्ताक्षर किए गए थे, यह आर्द्रभूमि की पारिस्थितिक विशेषताओं के संरक्षण के लिए सबसे पुराने अंतर-सरकारी समझौते में से एक है।
- इसे आद्रभूमि पर सम्मेलन के रूप में भी जाना जाता है, जिसका उद्देश्य जैविक विविधता के संरक्षण और मानव जीवन को बनाए रखने के लिए आर्द्रभूमि का एक वैश्विक नेटवर्क विकसित करना है।
- रामसर स्थलों के रूप में घोषित आद्रभूमियां, सम्मेलन के सख्त दिशानिर्देशों के अंतर्गत संरक्षित हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>सर्वोच्च न्यायालय ने भारत में उपयुक्त निवास स्थान पर अफ्रीकी चीते को पेश करने के लिए केंद्र को अनुमति प्रदान की है।</u>**

- सर्वोच्च न्यायालय ने प्रायोगिक आधार पर नामीबिया से अफ्रीकी चीतों को भारतीय निवास में पेश करने के प्रस्ताव पर सात साल की रोक हटा दी है।

- न्यायालय ने तीन सदस्यीय समिति का भी गठन किया है, जिसमें इस मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए एन.टी.सी.ए. का मार्गदर्शन करने हेतु भारत के पूर्व वन्यजीव निदेशक रणजीत सिंह, भारत के वन्यजीव महानिदेशक धनंजय मोहन और उप-महानिरीक्षक, वन्यजीव, पर्यावरण एवं वानिकी मंत्रालय शामिल हैं।

देरी के कारण?

- मई 2012 में, शीर्ष अदालत ने मध्य प्रदेश में पालपुर कुनो अभयारण्य में विदेशी चीतों को रखने की योजना को इस डर से रोक दिया था कि वे समान अभयारण्य में शेरों को फिर से संगठित करने के लिए एक समानांतर और एक बहुत विलंबित परियोजना के साथ संघर्ष में आ सकते हैं।
- न्यायालय यह भी चिंतित था कि क्या अफ्रीकी चीता, अभयारण्य में एक अनुकूल जलवायु पाएंगे, यहां तक शिकार की बहुतायत चिंतनीय है।

चीता के संदर्भ में जानकारी

- चीता (एसिनोनिक्स जुबेटस) उपमिली फेलिना की एक बड़ी बिल्ली है जो उत्तर, दक्षिणी और पूर्वी अफ्रीका और ईरान के कुछ इलाकों में पाई जाती है।
- यह शुष्क जंगलों, झाड़ियों के जंगलों और सवाना जैसे ज्यादातर शुष्क आवासों की एक किस्म में निवास करते हैं।

संरक्षण स्तर:

- चीता को आई.यू.सी.एन. द्वारा लुप्तप्राय के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- इसे सी.आई.टी.ई.एस. के परिशिष्ट I (लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर सम्मेलन) के अंतर्गत सूचीबद्ध किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>प्रीसोलर ग्रेन: पृथ्वी पर सबसे पुराना ठोस पदार्थ</u>**

- वैज्ञानिकों ने 50 साल पहले ऑस्ट्रेलिया में दुर्घटनाग्रस्त हुए एक उल्कापिंड के अंदर फंसे स्टारडस्ट के रूप में पृथ्वी पर पाए जाने वाले सबसे पुराने ठोस पदार्थ की खोज की है।

संबंधित जानकारी

- यह स्टारडस्ट 7 अरब वर्ष पहले बने नए सितारों के 'बेबी बूम' के लिए साक्ष्य प्रदान करता है।
- ये अब तक पाए गए सबसे पुराने ठोस पदार्थ हैं और वे हमें बताते हैं कि हमारी आकाशगंगा में तारों का निर्माण कैसे हुआ है।
- शोधकर्ताओं ने जिन सामग्रियों की जांच की उन्हें प्रीसोलर ग्रेन कहते हैं जो सूर्य के पैदा होने से पहले बने हैं।
- स्टारडस्ट के ये टुकड़े उल्कापिंडों में फंस गए थे जहां वे अरबों वर्षों तक अपरिवर्तित रहे थे, जिससे वे सौरमंडल से पहले लौकिक समय के कैप्सूल बन गए थे।
- हालांकि, प्रीसोलर ग्रेन बहुत छोटे और दुर्लभ हैं, जो केवल पांच प्रतिशत उल्कापिंडों में पाए जाते हैं जो पृथ्वी पर गिर गए हैं।

प्रीसोलर ग्रेन के संदर्भ में जानकारी

- वे छोटे ठोस अनाजों के रूप में अंतरस्थलीय ठोस पदार्थ हैं जो सूर्य के बनने से पहले एक समय में उत्पन्न हुए थे।
- प्रीसोलर स्टारडस्ट अनाज, प्रारंभिक प्रीसोलर सितारों से अंतर्गत बहिर्वाह और ठंडी गैसों से बने हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>सरकार ने समुद्री नाविकों के योग्यता प्रमाण पत्र के लिए विदेशी देशों के साथ समझौते को मंज़ूरी प्रदान की है।</u>**

- सरकार ने नाविकों की योग्यता प्रमाणपत्रों की मान्यता के लिए विदेशी देशों के साथ एक मॉडल समझौते को मंज़ूरी प्रदान की है।

- इससे समुद्री शिक्षा की पारस्परिक मान्यता और इसमें शामिल देशों द्वारा समुद्री यात्रियों के प्रशिक्षण का मार्ग प्रशस्त होगा।
- यह संधि भारत के नौसैनिक महानिदेशकों को एक दूसरे देश द्वारा जारी किए गए एकतरफा मान्यता प्रमाणपत्रों की सुविधा प्रदान करेगी, जो उस देश द्वारा जारी किए गए प्रमाणपत्रों के भारत द्वारा समान पावती की मांग किए बिना करेगा।
- समझौते के अंतर्गत, भारतीय नाविकों उस देश के झंडे के नीचे जहाजों पर रखे जाने के पात्र होंगे, इस प्रकार रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।

एस.टी.सी.डब्ल्यू. सम्मेलन 1978 के संदर्भ में जानकारी

- एस.टी.सी.डब्ल्यू. सम्मेलन के अंतर्गत, सभी नाविकों को न्यूनतम योग्यता, आयु, चिकित्सा फिटनेस और अनुमोदित समुद्री-गो सेवा के मानकों को पूरा करना होगा।
- ये मानक प्रत्येक राष्ट्रीय प्रशासन द्वारा निर्धारित किए जाते हैं लेकिन न्यूनतम के रूप में, उन्हें एस.टी.सी.डब्ल्यू. मानकों और एस.टी.सी.डब्ल्यू. कोड को प्रतिबिंबित करना चाहिए।
- आपको अपनी रैंक के आधार पर, आपके द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों और जिस प्रकार के जहाज पर आप काम कर रहे हैं, के आधार पर आपके पास प्रमाण पत्र होना आवश्यक है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संस्थान

स्रोत- फाइनैंशियल एक्सप्रेस

30.01.2020

1. **<u>मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी (एम.टी.पी.) अधिनियम, 1971</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एम.टी.पी.) अधिनियम, 1971 में संशोधन को मंजूरी प्रदान की है, जो गर्भावस्था की समाप्ति की ऊपरी सीमा को 20 सप्ताह से बढ़ाकर 24 सप्ताह कर देगा।

मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी (एमटीपी) अधिनियम, 1971 के संदर्भ में जानकारी

- यह केवल 20 सप्ताह तक की गर्भावस्था की समाप्ति के लिए प्रावधान प्रदान करता है।
- यदि एक अवांछित गर्भावस्था 20 सप्ताह से आगे बढ़ गई है तो महिलाओं को समाप्ति के लिए अनुमति लेने हेतु एक मेडिकल बोर्ड और अदालतों से संपर्क करना होगा।
- एम.टी.पी. अधिनियम, 1971 की धारा 3 (2) के अनुसार, एक पंजीकृत चिकित्सक द्वारा गर्भावस्था को समाप्त किया जा सकता है।
- जहां गर्भावस्था की अवधि बारह सप्ताह से अधिक नहीं होनी चाहिए या जहां गर्भावस्था की अवधि बारह सप्ताह से अधिक हो सकती है लेकिन बीस सप्ताह से अधिक नहीं होनी चाहिए।

प्रस्तावित विधेयक के प्रावधान:

- गर्भधारण के 20 सप्ताह तक गर्भ समापन के लिए एक पंजीकृत चिकित्सक (दो या अधिक के बजाय) की राय की आवश्यकता होती है।
- 20 से 24 सप्ताह की गर्भावस्था की समाप्ति के लिए दो पंजीकृत चिकित्सकों की राय की आवश्यकता होती है।
- निम्न के लिए गर्भधारण की अधिकतम सीमा (गर्भपात के लिए) को 20 से बढ़ाकर 24 सप्ताह तक करें
    - बलात्कार पीड़ितों
    - अनाचार का शिकार (परिवार के सदस्यों या करीबी रिश्तेदारों के बीच मानवीय यौन गतिविधि)
    - अन्य कमजोर महिलाएं, जिनमें नाबालिग लड़कियां भी शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –स्वास्थ्य मुद्दा

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>सरकार, वंचित क्षेत्रों के लिए 30% पूर्वोत्तर परिषद के धन का आवंटन करती है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वंचित क्षेत्रों, समाज के उपेक्षित वर्गों और उभरते प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के केंद्रित विकास लिए नई परियोजनाओं हेतु एन.ई.सी. के आवंटन के 30% के आवंटन को मंजूरी प्रदान की है।
- शेष आवंटन को मौजूदा दो घटकों (राज्य घटक-60% और केंद्रीय घटक-40%) में द्विभाजित किया जाएगा।
- मौजूदा "एन.ई.सी. की योजनाएं" के अंतर्गत परियोजनाएं, उत्तर पूर्वी राज्यों के पिछड़े और उपेक्षित क्षेत्रों में सीमांत और कमजोर लोगों के लिए सामाजिक-आर्थिक लाभ अर्जित करेंगी।
- यह तेजी से निर्णय लेने और परियोजनाओं के त्वरित कार्यान्वयन के लिए नेतृत्व करेगा।

उत्तर पूर्वी परिषद

- उत्तर पूर्वी परिषद (एन.ई.सी.), एन.ई.सी. अधिनियम 1971 के अंतर्गत गठित एक संवैधानिक सलाहकार निकाय है।
- पूर्वोत्तर भारत के आठ राज्य अर्थात अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम परिषद के सदस्य हैं, जिनके संबंधित मुख्यमंत्री और राज्यपाल उनका प्रतिनिधित्व करते हैं।
- सिक्किम को वर्ष 2002 में परिषद में जोड़ा गया था।
- परिषद का मुख्यालय शिलांग में स्थित है और भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

3. **<u>अपराध एवं आपराधिक निगरानी नेटवर्क प्रणाली (सी.सी.टी.एन.एस.) प्लेटफॉर्म पर नागरिक केंद्रित सेवाएं</u>**

- राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एन.सी.आर.बी.) ने खोए हुए व्यक्तियों को ढूंढ़ना और सी.सी.टी.एन.एस. प्लेटफॉर्म पर वाहन एन.ओ.सी. उत्पन्न करने जैसे कार्यों के लिए पुलिस से संबंधित नागरिक केंद्रित सेवाओं को लॉन्च किया है।

खोए हुए व्यक्तियों की खोज के संदर्भ में जानकारी

- नागरिक अपने घरों से बरामद अज्ञात व्यक्ति/ अज्ञात शवों के राष्ट्रीय डेटाबेस के खिलाफ अपने लापता परिजनों की तलाश कर सकते हैं।

वाहन एन.ओ.सी. उत्पन्न करने के संदर्भ में जानकारी

- 'जनरेट व्हीकल एन.ओ.सी.' से नागरिकों को अपने वाहन की दूसरी खरीद से पहले वाहन की स्थिति का पता लगाने की अनुमति मिलती है कि यह पुलिस रिकॉर्ड में संदिग्ध या साफ है।

अपराध एवं आपराधिक निगरानी नेटवर्क एवं प्रणाली के संदर्भ में जानकारी

- अपराध एवं आपराधिक निगरानी नेटवर्क प्रणाली (सी.सी.टी.एन.एस.) की अवधारणा गृह मंत्रालय द्वारा की गई थी।
- सी.सी.टी.एन.एस. का उद्देश्य सभी स्तरों पर और विशेष रूप से पुलिस स्टेशन स्तर पर दक्षता और प्रभावी पुलिसिंग को बढ़ाने के लिए एक व्यापक और एकीकृत प्रणाली का निर्माण करना है।

उद्देश्य

- एक वेब पोर्टल के माध्यम से नागरिक-केंद्रित पुलिस सेवाएं प्रदान करना
- अपराध और आपराधिक रिकॉर्ड के राष्ट्रीय डेटाबेस पर पैन इंडिया खोज
- राज्य और केंद्र में अपराध और आपराधिक रिपोर्ट
- पुलिस प्रक्रियाओं का कम्प्यूटरीकरण

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –सुरक्षा और संबंधित मुद्दे

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. **<u>संबंधित पार्टी हस्तांतरण</u>**

- हाल ही में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड द्वारा नियुक्त एक पैनल ने "संबंधित-पार्टी

हस्तांतरण" के लिए विनियामक ढांचे को मजबूत करने हेतु बदलावों का प्रस्ताव दिया है।

संबंधित पार्टी हस्तांतरण के संदर्भ में जानकारी

- यह एक लेनदेन है, जो दो पक्षों के बीच होता है जो लेनदेन से पहले एक पूर्व-मौजूदा संबंध रखते हैं।
- इसने संबंधित पार्टियों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किए गए लेनदेन को शामिल करने के लिए आर.पी.टी. की परिभाषा को व्यापक बनाने की सिफारिश की है।
- पैनल ने प्रस्ताव दिया है कि प्रमोटर या प्रमोटर समूह से संबंधित किसी भी इकाई को संबंधित पार्टी माना जाना चाहिए।
- यह भी प्रस्तावित किया गया है कि एक सूचीबद्ध इकाई और उसकी संबंधित पार्टी के साथ उसकी सब्सिडरी के बीच लेनदेन के लिए एक ऑडिट समिति की मंजूरी अनिवार्य रूप से होनी चाहिए।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- इकोनॉमिक्स टाइम्स

5. **<u>भारतीय पर्यावरण अर्थशास्त्री पवन सुखदेव ने 2020 टायलर पुरस्कार जीता है।</u>**

- हाल ही में, सुप्रसिद्ध भारतीय पर्यावरण अर्थशास्त्री और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यू.एन.ई.पी.) सद्भावना राजदूत पवन सुखदेव ने 2020 टायलर पुरस्कार जीता है।
- उन्हें यह पुरस्कार पारिस्थितिकी एवं जैवविविधता के अर्थशास्त्र की टी.ई.ई.बी. की रिपोर्ट के हरित अर्थव्यवस्था आंदोलन की नींव बनने के बाद मिला है।

पर्यावरणीय उपलब्धि हेतु टायलर पुरस्कार के संदर्भ में जानकारी

- इसे "पर्यावरण के नोबेल पुरस्कार" के रूप में माना जाता है, जो 1973 में स्थापित किया गया था।
- यह पर्यावरण विज्ञान, पर्यावरणीय स्वास्थ्य और ऊर्जा के लिए वार्षिक पुरस्कार है।
- यह दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय द्वारा प्रशासित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2–पर्यावरण

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

6. **<u>भुवन पंचायत V 0 वेब पोर्टल</u>**

- केंद्रीय परमाणु एवं अंतरिक्ष मंत्रालय ने बेंगलुरू में भुवन पंचायत V 0 वेब पोर्टल लॉन्च किया है।

भुवन पंचायत के संदर्भ में जानकारी

- भुवन पंचायत, विकेंद्रीकृत योजना अद्यतन परियोजना के लिए इसरो के अंतरिक्ष-आधारित सूचना सपोर्ट का हिस्सा है।
- इस पोर्टल का उद्देश्य सरकारी परियोजनाओं का बेहतर नियोजन और निगरानी करना है।
- पहली बार, पूरे देश के लिए 1:10, 00 पैमाने पर एक विषयगत डेटाबेस, योजना के लिए एकीकृत उच्च-रिज़ॉल्यूशन उपग्रह डेटा के साथ उपलब्ध है।
- पोर्टल का तीसरा संस्करण इसके अतिरिक्त पंचायत सदस्यों के लाभ के लिए डेटाबेस विज़ुअलाइज़ेशन और सेवाएं प्रदान करेगा।
- यह परियोजना, पंचायती राज मंत्रालय की ग्राम पंचायत विकास योजना प्रक्रिया की सहायता के लिए भू-स्थानिक सेवाएं प्रदान करने के लिए है।
- इस पोर्टल के लिए लक्षित दर्शक सार्वजनिक, पी.आर.आई. और ग्राम पंचायतों से संबंधित विभिन्न हितधारक हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –भूगोल

स्रोत- पी.आई.बी.

7. **<u>24वां मालाबार नौसेना युद्धाभ्यास</u>**

- भारत, 2020 में अमेरिका और जापान के साथ अपने त्रिपक्षीय मालाबार नौसैनिक युद्धाभ्यास में भाग लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया को आमंत्रित करने पर विचार कर रहा है।

मालाबार नौसेना युद्धाभ्यास के संदर्भ में जानकारी

- यह भारत, जापान और अमेरिका की नौसेनाओं के बीच एक वार्षिक युद्धाभ्यास है, जिसे भारतीय

और प्रशांत महासागरों में एकांतर रूप से आयोजित किया जाता है।

- यह युद्धाभ्यास 1992 में भारत और अमेरिका के बीच एक द्विपक्षीय युद्धाभ्यास के रूप में शुरू हुआ था और फिर इसे 2015 में जापान के समावेश के साथ एक त्रिपक्षीय प्रारूप में स्थायी रूप से विस्तारित किया गया था।
- इस युद्धाभ्यास का उद्देश्य भारत-जापान-अमेरिका के नौसेना सहयोग को और मजबूत बनाना और साझा मूल्यों और सिद्धांतों के आधार पर अंतर-कार्यकारिता को बढ़ाने का प्रयास करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>नासा का स्पिट्जर अंतरिक्ष दूरदर्शी</u>**

- नासा का स्पिट्जर मिशन, जिसने 16 वर्षों से अधिक समय तक अवरक्त प्रकाश में ब्रह्मांड का अध्ययन किया था, यह ईंधन के कम होने के कारण समाप्त हो जाएगा।
- नासा स्पिट्जर विमान का विमोचन करेगा, जिसके बाद वह विज्ञान संचालन करना बंद कर देगा।

स्पिट्जर अंतरिक्ष के संदर्भ में जानकारी

- इसे 25 अगस्त, 2003 में सौर कक्षा में लॉन्च किया गया था।
- स्पिट्जर अंतरिक्ष दूरदर्शी, एक अंतरिक्ष-जनित वेधशाला है, जो नासा की महान वेधशालाओं के तत्वों में से एक है जिसमें हबल अंतरिक्ष दूरदर्शी और चंद्र एक्स-रे शामिल हैं।
- विभिन्न अवरक्त तरंगदैर्ध्य का उपयोग करते हुए स्पिट्जर ब्रह्मांड की विशेषताओं को देखने और प्रकट करने में सक्षम था, जिसमें दृश्य प्रकाश का उत्सर्जन करने के लिए बहुत ठंडी वस्तुएं शामिल थी।

उपलब्धियां

- नासा के स्पिट्जर अंतरिक्ष दूरदर्शी ने ट्रैपपिस्ट-1 नामक पहली ज्ञात एक्सोप्लैनेट प्रणाली का खुलासा किया था, जिसका नाम चिली में द ट्रांज़िटिंग प्लैनेट एंड प्लैनेटिमल्स स्मॉल टेलीस्कोप (TRAPPIST) रखा गया है।
- 2016 में हबल और स्पिट्जर ने अब तक देखी गई सबसे दूरस्थ आकाशगंगा की पहचान और अध्ययन किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

31.01.2020

1. **<u>डब्ल्यू.एच.ओ. ने चीन से नॉवेल कोरोना वायरस के प्रकोप के बाद अंतर्राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की है।</u>**

- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीन से नॉवेल कोरोना वायरस पर एक अंतर्राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की है।
- यह दुर्लभ रूप से प्रयोग किया जाने वाला पदनाम है, जो बीमारी से निपटने में अंतर्राष्ट्रीय समन्वय में सुधार कर सकता है।

कोरोना वायरस के संदर्भ में जानकारी

- कोरोना वायरस, विषाणुओं का एक समूह है जो मुख्य रूप से स्तनधारियों में बीमारियों का कारण बनता है।
- मनुष्यों में, कोरोना वायरस श्वसन संक्रमण का कारण बनता है, जो सामान्यत: हल्के होते हैं।
- हालांकि, ये संक्रमण कुछ दुर्लभ मामलों में घातक हो सकते हैं।
- कोरोना वायरस से निमोनिया और ब्रोंकाइटिस भी हो सकता है।

नॉवेल कोरोना वायरस के संदर्भ में जानकारी

- इसे वुहान निमोनिया या वुहान कोरोना वायरस के रूप में भी जाना जाता है।

- ये वह वायरस है, जो चीन के वुहान में 2019-20 के प्रकोप हेतु जिम्मेदार है।

नोट:

- भारत में, केरल का छात्र कोरोनो वायरस का भारत का पहला पुष्ट मामला है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –स्वास्थ्य मुद्दा

स्रोत- ए.आई.आर.

2. **<u>पॉलीक्रैक पौधा</u>**

- भारतीय रेलवे ने पूर्वी तट रेलवे क्षेत्र के अंतर्गत भुवनेश्वर में मानचेस्वर परिवहन मरम्मत कार्यशाला में देश के पहले सरकारी अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र को कमीशन किया है।
- यह अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र, पॉलीक्रैक नामक एक पेटेंटेड प्रौद्योगिकी है, जो भारतीय रेलवे में पहला और भारत में चौथा है।

पॉलीक्रैक संयत्र के संदर्भ में जानकारी

- यह दुनिया की पहली पेटेंटेड विषमांगी उत्प्रेरक प्रक्रिया है जो कई फीडस्टॉक्स को हाइड्रोकार्बन तरल ईंधन, गैस, कार्बन और पानी में परिवर्तित करती है।
- पॉलीक्रैक संयत्र को सभी प्रकार के प्लास्टिक, पेट्रोलियम कीचड़, 50 प्रतिशत तक नमी के साथ अपृथक्कृत एम.एस.डब्ल्यू. (नगरपालिका ठोस अपशिष्ट), ई-अपशिष्ट, बांस, बगीचे का कचरा आदि सहित जैविक कचरे द्वारा पोषित जा सकता है।
- यह प्रक्रिया एक बंद लूप प्रणाली है और वायुमंडल में किसी भी खतरनाक प्रदूषक का उत्सर्जन नहीं करती है।
- पूरी प्रणाली को ऊर्जा प्रदान करने के लिए दहनशील, गैर-संघनित गैसों का पुन: उपयोग किया जाता है और इस प्रकार, उत्सर्जन केवल गैसीय ईंधन के दहन से उत्पन्न होता है।
- दहन से होने वाला उत्सर्जन, निर्धारित पर्यावरणीय मानदंडों से बहुत कम पाया जाता है।
- यह प्रक्रिया, हल्के डीजल तेल के रूप में ऊर्जा का उत्पादन करेगी, जो प्रकाश भट्टियों में उपयोग किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- बिजनेस वर्ल्ड

3. **<u>कर्नाटक अंधविश्वास विरोधी विधेयक</u>**

- कर्नाटक मंत्रिमंडल ने कर्नाटक अमानवीय अनुचित प्रथाएं एवं काला जादू की रोकथाम और उन्मूलन विधेयक, 2017 को पारित किया है, जिसे लोकप्रिय रूप से अंधविश्वास विरोधी विधेयक के रूप में जाना जाता है।

अधिनियम की मुख्य विशेषताएं:

- वास्तु, ज्योतिष, प्रदक्षिणा या पवित्र स्थानों की परिक्रमा, यात्रा, धार्मिक स्थानों पर की गई परिक्रमाओं की प्रथा को कानून के दायरे से बाहर रखा गया था।
- निम्नलिखित तर्कहीन प्रथाएं हैं, जिन्हें 2017 के कानून के अंतर्गत प्रतिबंधित किया गया है:
  - मासिक धर्म में महिलाओं को पूजा घरों और अपने घरों में प्रवेश करने से रोकना
  - आग में चलने के लिए हिस्सा लेने हेतु लोगों को मजबूर करना
  - लोगों को दुरात्मा घोषित करके उनकी पिटाई करना
- मड़े स्नाना, दलितों को बचे हुए भोजन पर रोलओवर करने की प्रथा को अब स्वैच्छिक रूप से संशोधित किया गया है और इसमें बचे हुए भोजन को शामिल नहीं किया गया है।
- इस कानून के अंतर्गत कुल 16 प्रथाओं पर प्रतिबंध लगाया गया है।

सज़ा

- यह कानून "कम से कम एक वर्ष के लिए कारावास को निर्धारित करता है, जिसे सात वर्षों तक विस्तारित किया जा सकता है और कम से कम

5000 रूपए के जुर्माने" का प्रावधान किया गया है।

- इसके उल्लंघन के लिए दंड के रूप में जुर्माना पचास हजार रुपये तक हो सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. <u>**यूनेस्को के साथ सहयोग हेतु भारतीय राष्ट्रीय आयोग**</u>

- हाल ही में, केंद्रीय मानव संसाधन विकास ने नई दिल्ली में यूनेस्को (आई.एन.सी.यू.यू.) के साथ सहयोग हेतु भारतीय राष्ट्रीय आयोग की बैठक की अध्यक्षता की है।

यूनेस्को के साथ सहयोग हेतु भारतीय राष्ट्रीय आयोग के संदर्भ में जानकारी

- यह भारत सरकार द्वारा गठित एक सरकारी निकाय है, जो मानव संसाधन विकास मंत्रालय में माध्यमिक और उच्च शिक्षा विभाग के अधीन कार्य करता है।
- आयोग का उद्देश्य यूनेस्को से संबंधित मामलों में सरकार को सलाह देना है।

आयोग की संरचना

- राष्ट्रीय आयोग की सदस्यता में पांच उप आयोगों के सदस्य शामिल हैं, जिनके लिए उप आयोग हैं, उनके नाम हैं:
  - शिक्षा
  - प्राकृतिक विज्ञान
  - सामाजिक विज्ञान
  - संचार
  - संस्कृति
- आयोग का अध्यक्ष मानव संसाधन विकास मंत्री होता है और आयोग का महासचिव, उच्च शिक्षा विभाग का सचिव होता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2–महत्वपूर्ण संगठन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. <u>**दिसंबर माह की नीति आयोग की आकांक्षी जिला रैंकिंग**</u>

- नीति आयोग (नेशनल इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया), भारत सरकार के एक नीति प्रबुद्ध मंडल, ने दिसंबर 2019 के लिए देश के आकांक्षी जिलों की रैंकिंग जारी की है।

विशेषताएं

- उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले ने सरकार के प्रबुद्ध मंडल नीति आयोग द्वारा दिसंबर में जारी की गई आकांक्षी जिलों की सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।
- बेलनगिर (ओडिशा) और वाई.एस.आर. (आंध्र प्रदेश) को क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रखा गया है।
- साहिबगंज (झारखंड) को चौथे स्थान पर और हैलाकंदी (असम) को पांचवें स्थान पर रखा गया है।

अकांक्षी जिला रैंकिंग के संदर्भ में जानकारी

- आकांक्षी जिला कार्यक्रम जनवरी, 2018 में शुरू किया गया था।
- इसका उद्देश्य उन जिलों को रूपांतरित करना है जिन्होंने प्रमुख सामाजिक क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम प्रगति दर्शाई है और विकासशील के रूप में उभरे हैं।
- आकांक्षी जिलों की रैंकिंग प्रत्येक महीने की जाती है।
- डेल्टा रैंकिंग ने दिसंबर, 2019 में छह विकासात्मक क्षेत्रों में 112 से अधिक आकांक्षी जिलों द्वारा की गई वृद्धिशील प्रगति को ध्यान में रखा है।
- ये विकासात्मक क्षेत्र निम्न हैं:
  - स्वास्थ्य और पोषण
  - शिक्षा
  - कृषि और जल संसाधन
  - वित्तीय समावेशन

- कौशल विकास
- बुनियादी ढाँचा

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

6. **<u>युद्धाभ्यास समप्रीति</u>**

- समप्रीति-IX को वर्तमान में संचालित भारत-बांग्लादेश रक्षा सहयोग के अंतर्गत भारत के मेघालय राज्य के उमरोई में आयोजित किया जा रहा है।

युद्धाभ्यास समप्रीति के संदर्भ में जानकारी

- यह भारत और बांग्लादेश के बीच एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय रक्षा सहयोग प्रयास है, जिसे दोनों देशों द्वारा एकांतर रूप से आयोजित किया जाता है।
- संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास समप्रीति-IX के दौरान, एक कमांड पोस्ट युद्धाभ्यास (सी.पी.एक्स.) और एक फील्ड प्रशिक्षण युद्धाभ्यास (एफ.टी.एक्स.) आयोजित किया जाएगा।
- दोनों देशों के बीच सैन्य विश्वास और सहयोग को मजबूत करने के लिए युद्धाभ्यास पर जोर दिया जाएगा।

अन्य युद्धाभ्यास

हाल ही में, भारत- बांग्लादेश की नौसेनाओं ने बंगाल की उत्तरी खाड़ी में समन्वित गश्ती दल का गठन किया था।

- भारत और बांग्लादेश की नौसेनाओं की समन्वित गश्ती (कॉरपैट) का दूसरा संस्करण बंगाल की उत्तरी खाड़ी में शुरू हुआ था।
- वर्ष 2018 में भारत बांग्लादेश कॉरपैट शुरू हुआ था।
- इस युद्धाभ्यास का उद्देश्य दोनो नौसेनाओं के बीच पारस्परिक संचार और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- पी.आई.बी.

7. **<u>माधवपुर मेला</u>**

- उत्तरी पूर्वी क्षेत्र के आठ राज्य, गुजरात के माधवपुर मेले के दौरान बड़े पैमाने पर भाग लेंगे।

माधवपुर मेले के संदर्भ में जानकारी

- यह मेला पूर्वोत्तर भारत और गुजरात की संस्कृतियों को एक भारत, श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत एकीकृत करेगा।
- गुजरात का माधवपुर मेला, अरुणाचल प्रदेश की मिश्मी जनजाति से अपने संबंध को साझा करता है।

मिश्मी जनजाति के संदर्भ में जानकारी

- तिब्बत और अरुणाचल प्रदेश के मिश्मी या डेंग लोग, एक जातीय समूह हैं, जिनमें मुख्य रूप से तीन जनजातियां इदु मिश्मी, डिगारो जनजाति और मिजू मिश्मी शामिल हैं।
- मिश्मी जनजाति, पौराणिक राजा भीष्मक और उसके माध्यम से अपनी पुत्री रुक्मिणी और भगवान कृष्ण के पास अपने वंश का पता लगाती है।
- यह त्योहार अमर यात्रा का जश्न मनाता है जो रुक्मिणी जी ने भगवान कृष्ण के साथ अरुणाचल प्रदेश से गुजरात तक की थी।
- इदु-मिश्मी का मानना है कि रुक्मिणी, उनकी जनजाति की थीं।
- 'रुक्मिणी हरण' पर नाटक और नृत्य जनजाति द्वारा आयोजित किए जाते हैं।

नोट:

- निचली दिबांग घाटी जिले के रोइंग के निकट स्थित भीष्मक नगर का उल्लेख कालिका पुराण में भी मिलता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>नागोबजतारा</u>**

- हाल ही में, तेलंगाना में एक महीने लंबे नागोबजतारा का समापन हुआ है।

नागोबजतारा के संदर्भ में जानकारी

- नागोबजतारा एक आदिवासी त्योहार है, जो केसलापुर गांव, इंद्रवेल्ली मंडल आदिलाबाद जिले, तेलंगाना में आयोजित किया जाता है, इस प्रकार यह त्योहार केसलापुरजतारा के नाम से भी जाना जाता है।
- यह आदिवासी राज गोंड और प्रधान जनजातियों के मेसराम कबीले की बोइगुट्टा शाखा की एक विशाल धार्मिक और सांस्कृतिक शाखा है।

गोंड जनजाति के संदर्भ में जानकारी

- गोंड अधिकांशत: मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, गुजरात, झारखंड, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में रहते हैं।
- गोंड, दुनिया के सबसे बड़े आदिवासी समूहों में से एक हैं।
- इन्हें अनुसूचित जनजाति के रूप में अधिसूचित किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस